



# राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान सम्पादक—पुरातत्त्वाचार्य दिनबिजय मुनि

[ सम्पादन सचालक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान जोधपुर ]

ग्रन्थाङ्क ४४

## राजस्थानी-हस्तलिखितग्रन्थ-सूची

भाग १

✽

प्रकाशक

राजस्थान-राज्य-संस्थापित

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

RAJASTHAN ORIENTAL RESEARCH INSTITUTE, JODHPUR

जोधपुर ( राजस्थान )

राजस्थान पुरातन ब्रह्ममाला

राजस्थानी-हस्तलिखितग्रन्थ-सर्ची

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

# राजस्थानी-हस्तलिखितग्रन्थ-सूची

भाग १

प्रधान सम्पादक

मुनि जिनविजय, पुरातत्त्वाचार्य

सहायक

श्रीगुरुचोक्षमन्नाल मेवारिया  
एम ए. (प्री.) साहित्यरत्न  
प्रवर शोध-सहायक

श्रीरमानन्द सारस्वत  
शास्त्री, शोधविभागाध्यक्ष  
शोध-सहायक

प्रकाशनकर्ता

राजस्थान राज्यान्नानुसार

संचालक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर ( राजस्थान )

विक्रमाब्द २०१७ }  
प्रथमावृत्ति १०० }

भारतराष्ट्रीय शकम्ब १८८२

{ किस्ताब्द ११६०  
{ मूल्य ४५० न प

मुद्रक-इन्द्रिकाद पाठीक छापना प्रेस जोधपुर

# राजस्थान पुरातन ग्रन्थमालाके कुछ ग्रन्थ

## प्रकाशित ग्रन्थ

संस्कृतभाषाग्रन्थ-१ प्रयागबंशरी-कारिकचक्रामण्डि सर्वदेवाचार्य मूय्य १००।  
 २ वायव्यरत्न-महाराजा लक्ष्मी वसन्ति मूय्य १७२। ३ महर्षिद्वयार्थवच-वच०  
 श्रीमद्वचन घाम्य मूय्य १०७२। ४ सर्वमहर्ष-व समावहाराण, मूय्य ३००।  
 ५ वायव्यमहाभाषान-व० रत्नमन्दि मूय्य १७२। ६ कृतिरीतिशा-व० श्रीमद्वचन  
 मूय्य २००। ७ वायव्यमन्दि मूय्य २००। ८ कृष्णगीति-वचि मावनाथ मूय्य १७२  
 ९ शृङ्गारशास्त्रा-व०-वचि मूय्य २७२। १० अत्रगणितत्रयमहाभाष्य-व० मन्दी  
 मन्दि मूय्य ३२०। ११ रात्रिकिनो-वचि उदयरात्र मूय्य २२२। १२ मृगमण्ड  
 मूय्य १७२। १३ मृगमण्डल प्रथम भाग-महाराजा कुम्भकर्ण मूय्य ३७२। १४ उचि-  
 रत्नाकर-व० साधुमुन्दरमण्डि मूय्य ४७२। १५ दुर्गागणेश-व० दुर्गायमात्र द्विवेदी  
 मूय्य ६२२। १६ वार्त्तुद्वय तथा कृष्णगीतामृत-मोक्षनाथ मूय्य १२०। १७ ईश्वर  
 विनाय महाभाष्य-व०-वचि मूय्य ११२। १८ अष्टमहाभाष्य-वचि मन्दि मूय्य  
 श्रीमद्वचन मूय्य ४००। १९ रत्नविद्या-विद्यारण्य मूय्य २००।

राजस्थानी घोर हिन्दी भाषा ग्रन्थ-१ वाग्दत्ते प्रथम-वचि अष्टमहाभाष्य मूय्य  
 १२२२। २ अष्टमहाभाष्य-वचि अष्टमहाभाष्य मूय्य ४७२। ३ वायव्यमहाभाष्य-वचि अष्टमहाभाष्य  
 मूय्य ३७२। ४ वायव्यमहाभाष्य-वचि अष्टमहाभाष्य मूय्य २२२। ५ वायव्यमहाभाष्य-वचि अष्टमहाभाष्य  
 मूय्य २२२। ६ वायव्यमहाभाष्य-वचि अष्टमहाभाष्य मूय्य १७२। ७ वायव्यमहाभाष्य-वचि अष्टमहाभाष्य  
 मूय्य २००। ८ अष्टमहाभाष्य-वचि अष्टमहाभाष्य मूय्य १७२।  
 ९ वायव्यमहाभाष्य-वचि अष्टमहाभाष्य मूय्य ३२०। १० वायव्यमहाभाष्य-वचि अष्टमहाभाष्य  
 मूय्य ४७२। ११ वायव्यमहाभाष्य-वचि अष्टमहाभाष्य मूय्य ४२०।

—१०—

## सञ्चालकीय वक्तव्य



राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठानमें मार्च सन् १९५६ ई तन संगृहीत ४००० हस्तलिखित ग्रन्थोका विषयवार सूची-पत्र हम "हस्तलिखित ग्रन्थोंकी सूची भाग १" के रूपमें प्रकाशित कर चुके हैं और मार्च सन् १९५८ ई तक संगृहीत हस्तलिखित ग्रन्थोका विषय-वार सूची-पत्र सप्रति यन्त्रस्थ है एव शीघ्र ही प्रकाशित होगा। प्रतिष्ठानमें संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश और हिन्दीके साथ ही राजस्थानी भाषाके हस्तलिखित ग्रन्थोका भी बड़ा संग्रह हो गया है, जिनके सूची-पत्रकी मांग सबद्विद्वानों और अन्य जिज्ञासुओं द्वारा बराबर की जा रही है। वस्तुतः देश विदेशमें सर्वत्र प्राप्य राजस्थानी भाषा-निबद्ध समस्त हस्तलिखित ग्रन्थोका सूची-करण एक विशेष महत्त्वपूर्ण काय है, जिसके लिये सुचारु प्रयत्न होना अपेक्षित है। इसी दृष्टिसे हम राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुरमें मार्च सन् १९५८ ई तक संगृहीत २१६६ राजस्थानी हस्तलिखित ग्रन्थोंकी प्रस्तुत सूची प्रकाशित कर रहे हैं। भविष्यमें भी राजस्थानी भाषाके हस्तलिखित ग्रन्थोंकी पृथक् सूची प्रकाशित करनेका कार्य चालू रहेगा और यथावसर वे सूचियाँ विद्वानोंके सामने आती रहेंगी। इस प्रतिष्ठानमें अथवा अन्यत्र प्राप्त होनेवाले व्यक्तिगत संग्रहोंकी सूचियाँ भी यथाक्रम उपसंग्रह-सूची या परिशिष्टके रूपमें प्रकाशित करते रहना हमारा लक्ष्य है।

प्रस्तुत सूचीके प्रकाशन-अव्ययका अर्द्धांश केन्द्रीय भारत सरकारने प्रान्तीय भाषा-विकास योजनाके अन्तर्गत प्रदान करना स्वीकार किया है तबय हम आभार प्रदर्शित करते हैं।

[ २ ]

विज्ञानसु पाठक और अनुसंधित्सु विद्वान् हमारे इस प्रकाशनसे  
लाभान्वित होंगे, ऐसी भाषा है ।

महासिद्धिनिधि वि सं २०१६  
भारतीय विद्या-संघ  
बम्बई ।

मुनि जिनबिजय  
सम्मान्य सम्पादनक  
राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान  
कोलपुर ।

## राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाळा

—

पुरातनशास्त्राचार्य मुनि जिनविजय द्वारा संपादित कतिपय ग्रन्थ

- १ त्रिपुरामारती लघुस्तव — महाकवि-सद्युपगिरिठ-कृत
- २ बाहुमप्रदीप — पं सावस्यसर्मा कृत
- ३ कदवामृतप्रपा — कवि सोमेश्वरठक्कुर कृत
- ४ बालदिक्षा व्याकरण — ठक्कुर सधामसिंह कृत
- ५ परार्परत्नमञ्जूषा — प हृष्यमिश्र कृत
- ६ मुग्धावबोधोपाधि श्रीकृष्ण संग्रह — धनेकविद्वरकृष्ण
- ७ प्राहृतानन्द — पं रघुनाथ कृत
- ८ ठक्कुर फेरु रचित प्रन्थावलि (प्राहृत)
- ९ अक्षिरत्नाकर — पं साधुमुन्दरमणि कृत
- १० रत्नोवासी बंधावलि — राजस्थानी भाषानिकट ऐतिहासिक रचना
- ११ राजस्थानी सुभाषित संग्रह
- १२ हृमौर महाकाव्य — नयचन्द्रसूरि कृत
- १३ मगिरत्नाधि परीक्षा ग्रन्थ संग्रह

\*\*\*\*\*



# विषय - सूची



विषय	पृष्ठ संख्या
१ ग्रन्थ-सूची—प्रकारादि क्रमसे	१-१०३
२ परिशिष्ट १ कतिपय ग्रन्थों का विशेष परिचय	१०६-१४३
३ परिशिष्ट २ ग्रन्थकार नामानुक्रमिका	१४४-१४२



राजस्थान प्राध्यापिका प्रतिष्ठान — राजस्थानी हस्तलिखित ग्रन्थ-सूची भाग-१ ]

क्रमांक	प्रकाशक	ग्रन्थ नाम	कदा यादि प्राप्तम्	क्रियाक्रम	क्रिया	विशेष उल्लेखनीय
१	५५५५५ (१-१५)	दशक पद्ये		१८३७	१३-२३	● पद्यी के नौवें भाग के प्रथम हैं
२	५६ ७ (१)	"		"	१८-२२	
३	५६१५(२)	"	हीरकण्ठ	१८७५	७३-८३	
४	५८६५(७६)	दशकालि विद्वत्सिद्ध मुद्रि यासिका	हीरकण्ठ	१७५५	१३५ भा	
५	५८५२(५५)	संगणक विचार	हीरकण्ठ	१८५५	१०५ भा	
६	६६२२	संख्या बोधार्थ		१७०२	११	
७	५८६५	"	मुष्णकार	१८५५	२०	
८	६६२६	" (संक्षिप्त)	"	१८५५	५३	सि ५३, आर्य के १० प्रथे मुष्ण- सागर कासी प्रति से मिलते हैं के रचना १६५७ सि का नोवम्बर प्राय पीढ़ी, अन्ततः राज्ये
९	५६२६	संख्या रास	"	१८५६	१७	संक्षिप्त पत्र मुद्रित
१०	५६ ५	संख्या सती रास	"	१८२६	१३	
११	५१५५(१)	संख्या सती रास	"	१८५५	२१	
१२	५६ ३	संख्या सती रास	"	१८५७	१०२-१२७	सि स्या गणोर
१३	५६५२(३)	संख्या सुंदरी बोधार्थ	"	१७५५	१८	सि स्या हीरासेसर रचना व० १६५६, सौख्ये ३
१४	६६१०	"	"	१७५५	२७	सि स्या लकार प्राय
१५	६६७६	"	"	१७५७	२०	सि स्या का(का) रीयागी बरा प्राय
१६	६६३५	"	"	१८५६	२१	सि स्या उदरपुत्र
१७	६६७७	"	मुष्णकालि	१८५६		

## विषय - सूची



विषय	पृष्ठ संख्या
१ ग्रन्थ-सूची—प्रकारादि क्रमसे	१-१०५
२ परिशिष्ट १ कतिपय ग्रन्थों का विषय परिचय	१०६-१४३
३ परिशिष्ट २ ग्रन्थकार नामानुक्रमिका	१४४-१५२





क्रमांक	समाप्त	प्राप्त नाम	कर्ता यादि शातक	निधि समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
१८	१९१७	प्रमला भुवरी कोर्पाई	मुक्तकोटि	१८१६	२२	सि रबा बीकानेर
१९	२२२३	"	"	१७२२	२७	सि रबा तिरुवने
२०	४०१९	"	"	१९७०	१८	अपर नाम पद्मनवप्रिया प्रमला भुवरी कुमुदित करिचि
२१	४११९	"	भक्ति	१८११	१४	शि सं ४०
२२	४०४१	"	"	१८७०	१४	सि कर्मा आर्या शौरा
२३	४२११	"	"	८२०	१२	बीकानेर में लिखित
२४	१८२०	"	प्राप्त	१७७०	७	
२५	१८१२	"	राज	१७४७	१०	सि रबा पीपाक
२७	१०११	"	"	१८१२	२५	सि रबा पोरबंदर
२८	२१७४(२)	संनिका पादनाथ छत्र	नावचिजय	१८२२	३	नाम मुद्रा में लिखित
२९	१८१२	संनिकी राज	माइबाल	१९७०	१६-२०	
३०	१८१२	संनिकी राज	संगलमाधिय	१९७३	८	पासगजा नगर में लिखित
३१	२२२२	संनिकी राज	विश्वेश्वर स्वामी	२०७०	१	
३२	२२२०	"	रघुनाथ	१८०१	१	
३३	२८६१(२२)	संनिका नील	सिख	१७७०	१२७	
३४	२०४१	"	विश्वेश्वर	१८२१	२	
३५	४८०	संनिका लोच	सकादीनाथ	१८७०	१	
३६	२२०२(१)	संनिका लोच		१८२२	४-८०	बालपुर में लिखित
३७	४८२०	संनिका लोच		१८७०	१४	
३८	१९१६(७)	संनिका लोच		१८७०	४९-५६	

क्रमांक	संख्यांक	संघ नाम	कर्ता धारि आठव्य	सिधि समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
३८	३२५५ (२०)	सकलरी बार्ग	पुनरि सुपंचलसिय	१२बी	१२५-१३२	• सं० १६ १ में रचित
३९	३२२५ (२)	सयसकल बोपाई		१५७६	३२-३२	
४०	३२१	सयसोय ठावा सुपेयस विचार		१२बी	१	
४१	३२६२ (१५)	सकलसत लीबीरी बापला		१२७०	११७-१३३	• सं० १८२२ में सानोर में रचित लि स्वा बाकोसरा
४२	३२५	सयसुत्र बोपाई	पुनरिपस	१८२२	५२	
४३	३२०२	सास	बनोरथ	१८७०	१२	
४४	३२५६ (१८)	सकलसिपलीरी बापला		१२बी	१२५-१२६	•
४५	३२७३ (५२)	रो कसिल		१०५५	१०५५	• बीनें प्रसि
४६	३३६८ (५)	रो सोलोको	मेसबस	१२बी	३२-३३	• बाप्या में लिखित
४७	३०२३	कसिल आशिल्लम	"	२०बी	५०-५१	
४८	३३७३ (२)	"			२५-२७	
४९	३३७२ (५६)	"			२३१-२३५	
५०	३३७३ (६)	सुगुबीस सन्धिसकल	पर्यबर्धन	१७बी	३५-३७	
५१	३३७३ (१३३)	सकलसत बापला		१५५	१६५	
५२	३३७३ (२७)	सकलसतरी बोपाई	रीरकसता	१७बी	३१-३५	
५३	३३५३ (१)	सकलसत	सकलसकल	१८२२	१-२	
५४	३३७३ (१२७)	सकलसकलसत सकल सकलसती		१७बी	१२१	• सारबापु में लिखित
५५	३०५२ (१)	सकलसत सन सन विधि		१७५३	१-२	
५६	३२०० (१०)	सकलसकली कथा	साक कसिय (?) पत्र सोनीय सयसकलसत पुत्र	१७बी	५२-७७	

राजस्थान प्राकृतिक प्रतिक्रिया - राजस्थानी हस्तलिखित ग्रन्थ सूची भाग-१ ]

क्रमांक	हाथ्यांक	ग्रन्थ नाम	कर्ता यादि ज्ञातव्य	लिपि समय	पृष्ठ संख्या	विवरण
५७	५३१२	अध्याय पीला		१८८३		८५ पृष्ठों प्रथम ८ पृष्ठ अज्ञात, बाकी में लिखित
५८	७५२५	अध्याय बिहार		१८२७		ग्रन्थ अज्ञात अथवा अज्ञात होय
५९	७७४१	अध्याय रामायण भाग	राजसिंघ	१७८५	१-१२	भाषा • बाई सिरेकंबरी लिखित साकरस्य • सं० १७६५ में रचित
६०	२२०३	अध्याय सार भाषा	नेमिवास	१८वीं	१५२-१५५	५
६१	३३६७(३०)	अथवा पुरा		१८वीं	५-६	
६२	२१५२(२)	अथवा पुरा पुग		"	१२१-१२५	
६३	२१५२(२)	अथवा पुरा पुग		१८७१	२१२-२१८	
६४	२४१८(१६)	अथवा पुरा पुग	बहुमिथ्यास	१८वीं	६३-६७	
६५	५६१५(१८)	अथवा पुरा पुग		१८वीं	१८७-७१	• सं० १७५५ में अथवा अथवा
६६	३३५६(११)	अथवा पुरा पुग		१७५६	५	• सं० १७५५ में अथवा अथवा
६७	३२५६(६)	अथवा पुरा पुग	वेतो	१७५६		रचित
६८	३५७८	अथवा पुरा पुग		२०वीं		अथवा
६९	३१०८	अथवा पुरा पुग		२०वीं	१-१०	अथवा लिखनी लिखित
७०	३४१८(३६)	अथवा पुरा पुग	सतोबास	१८वीं		• लिखनपुर में लिखित
७१	३७४२	अथवा पुरा पुग	सातवाहक भट्ट	१८८२		लिखनपुर अथवा अथवा
७२	३७५८	अथवा पुरा पुग		१८०६		
७३	२३७५(३)	अथवा पुरा पुग		१८०६		
७४	३२५६(७)	अथवा पुरा पुग		१९७५		

क्रमांक	कलांक	एक नाम	कहाँ साहि आठका	मिति रामक	एक सपना	विसेय उल्लेखनीय
७४	२८२१- (१२५)	अजमेरके मुंदि एके मिलाय		१९१७	१९०-१९१	१९० में एन में ५५० एकाओं के सकलएक है १९१ में एक में एके एके के ३४ मुमियों को एकी है एके में निकल मि क शोरकला
७५	४५५२(१५)	अभिसारिका बर्मन नील एधि	एके बिलक	१९वीं	१९०	प्रकम एके एके ए १९०९ में एके
७६	११२४(१)	अमरतेज राजा एके मुंदि संको एके		१७००	२८	सं० १९०६ में एके एके एके एके एके एके एके निकल
७७	७१५१	अमरकण मिश्रमंड एके एके	रेकेकुए एके मुंदि एके			
७८	४३५१			१९१७	१५	मि एके, एके
७९	२३६८(२)	अमरसिपकी को मिश्रको		१९वीं	२७-२९	
८०	१२१३				३	
८१	२०९७(१)	अमरतेज अमरतेज कोएकी	अके	१७७२	१-१०	सं० १७०० में एके एके में निकल
८२	३८९३		अके	१९वीं	१२	सं० १९१९ में एके में एके
८३	३११७		अके	१८५६	२०	
८४	२०७८	" एके	अके	१८वीं	२३	सं० १९९७ में एके में एके
८५	११२१(२)	अमर रो एके	अके	१९वीं	३-४	
८६	६९०२	अभिसारिका	अके एके		२२६	
८७	४२०६	"	"	१७७६	२७६	





राज्यपाल प्रार्यिका प्रतिष्ठान - राजकागो हस्तलिखित ग्रन्थ सुची, भाग-१ ]

क्रमांक	संख्यांक	ग्रन्थ नाम	कपी प्राधिकारक	निर्णय समय	पत्र संख्या	विषय संश्लेषणीय
१०८	१०३६(१२)	सर्बती मुकुमान खोपाई	विश्वरूप	१८३१	५७-५५	रचना सं० १७५१
१०९	२१५९			१९वीं	८	
११०	२३७५(६)		सर्बतरेख	"	३१-३५	
१११	३५१ (२)	हाल	सर्बतरेख	"	३१	
११२	३५१७(१६)	सर्बतील राजो	सर्बतरेख	१९५१	१३३ नं	
११३	७०५५	सर्बतरेखा		१९५१	३५	
११४	२०५१	सर्वप्रकार गुडा		१९५१	२	
११५	४७७५	, रास	उद्यमरत्न	१९५१	५१	
११६	५५१८(१६)	सर्वती कथा		१९५१	१५०-१५३	
११७	३५७५(५८)	, लक्षण	कान्ति	२०वीं	२३५-२३८	
११८	५९१५(२५)	सर्वती सरतलो रास	कुम्बखंड	२७	२३१-२३२	
११९	३५७५(७)	सर्वप्रकार तीक्ष्ण लक्षण	सर्वप्रकार पाठक	२०वीं	३७-३८	
१२०	३५५३(३)	सर्वप्रकार सर्वप्रकार		१८५२	६-१०	
१२१	१७५७	सर्वतृतीया विचारवि		१९वीं	१	
१२२	२८६३	सर्वप्रकार खोपाई (कुम्बखंड)	हीरकलमस	१९२२	२०२-२३६	रचना सं० ३३३७
	(१३५)	सर्बतरेखा				
१२३	१०००	सर्वप्रकार खोपाई	सर्बतरेख	१९३१	७१	
१२४	२०३५			१९१८	५७	
१२५	३५६२(१६)	सर्वप्रकार खोपाई	सर्बतरेख	२ वीं	१३७-१३८	
१२६	२१५०	सर्वतृतीया	सर्बतरेख	१९२५	१२	
१२७	२१७७	सर्वतृतीया	सर्बतरेख	१९६५	१२	० लि रत्ना राजसर्बतरेख

## राजस्थान प्रायश्चित्त प्रतिष्ठान—राजस्थानो दुर्गात्मिन्निष्ठ प्रायश्चित्तो भाग-१ ]

विशेष उद्देश्य

क्रमांक	प्रमाणिक	प्रायश्चित्त नाम	कर्ता यादि आत्म्य	मिति समय	पत्र संख्या	विशेष उद्देश्य
१२७	२२२०	प्रायश्चित्त संधि	धीसार	१८वीं	६	
१२८	३२७३ (३६)	"	"	१८वीं	५६-२७	लि. एका कुम्भगात्र
१२९	३७७१	"	"	१७९४	७	
१३०	३८७६	प्रायश्चित्तकाम शोषादि	परमेश्वर	१८वीं	२३	एकना १७४२
१३१	३९२	प्रायश्चित्तकाम शोषादि	कर्मब	१८वीं	१-२	सिमरी प्रायश्चित्त
१३२	३९२	प्रायश्चित्तकाम शोषादि	कर्मब	१८वीं	५८-६१	
१३३	३९४८ (१०)	प्रायश्चित्तकाम शोषादि	बनारसी	२२०-२२१		
१३४	३९९७ (४)	प्रायश्चित्तकाम शोषादि	नवविमल	२६६-३००		
१३५	३९९७ (४)	प्रायश्चित्तकाम शोषादि	विषय	४४-४६		
१३६	३९९७ (४)	प्रायश्चित्तकाम शोषादि	समयपुर	२२२-२२६		
१३७	३९९७ (४)	प्रायश्चित्तकाम शोषादि	सुरबी छादि	१८७१		
१३८	४०१४ (२)	प्रायश्चित्तकाम शोषादि	"	"	३१-४२	
१३९	४३७६ (२)	" बारा कथा	बर्षमास	१८७-१८८	४-४	
१४०	४३७६ (२)	" (दोही)	बर्षमास	१८वीं	४९-४७	
१४१	४३७६ (२)	प्रायश्चित्तकाम शोषादि	बर्षमास	१८वीं	२१३	प्रायश्चित्तकाम शोषादि
१४२	४३७६ (२)	प्रायश्चित्तकाम शोषादि	बर्षमास	१८वीं	२२	लि. क. सायबो एना भायकोमये
१४३	४३७६ (२)	प्रायश्चित्तकाम शोषादि	धीसार	१८७४	२४	लि. क. कथा
१४४	४३७६ (२)	प्रायश्चित्तकाम शोषादि	"	१८वीं	१७१-१७३	प्रायश्चित्तकाम शोषादि
१४५	४३७६ (२)	प्रायश्चित्तकाम शोषादि	सुरबी छादि	"	२७७	
१४६	४३७६ (२)	प्रायश्चित्तकाम शोषादि	"	"	३-४	



क्रमांक	क्याण्ड	प्रायशुभी नाम	कक्षा प्राथमिक माध्यम	मिति समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
१६१	७१५४	प्रायशुभी विधि प्रकरण	भित्तवस्तुपत्रिका	१९५०	१	
१६०	११२२(५५)	प्रायशुभी माला छंद		१९५०	५१	
१६१	५५१	प्रायशुभी कथुनरिक्ता	भाष्य	"	२	
१६२	६२७	प्रायशुभी कथुनरिक्ता	कथुनरिक्ता	१९५०	३	
१६३	५५१५(७)	" कथुनरिक्ता	"	१९५०	२०-१०१	
१६४	६६६	" पत्रिका	"	१९५०	२	
१६५	२१६७	"	"	१९५०	५	
१६६	२२७३(१०)	"	"	१९५०	३२-३३	
१६७	५१२१	"	"	१९५०	५	एषां प्रकाश
१६८	१०१२	"	पत्रिका	१९५०	६	
१६९	२०१५	"	"	१९५०	१२	
१७०	२०२५	"	"	१९५०	८	
१७१	२१७४	"	"	१९५०	७२-८६	
१७२	३१५६	"	"	१९५०	६	
१७३	३६१६	"	"	१९५०	५	
१७४	२५५३	"	"	१९५०-१९५१	५	
१७५	३६२०	"	"	१९५०	३	
१७६	३५५६(१६)	प्रायशुभी माला	द्विपत्रिका	१९५०	१२२	
१७७	२३६१	प्रायशुभी माला	द्विपत्रिका	१९५०	२३६	
१७८	०७२	प्रायशुभी माला	द्विपत्रिका	"	५	पत्रिका प्रकाश
१७९	२३६३	प्रायशुभी माला	"	"	२	

क्रमांक	क्रमांक	ग्रन्थ नाम	कर्ता यादि मातृव्य	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
१६	३२७३	इसुकारी लंघी	खेतराज	१८वीं	६०-६१	
१८१	२२१७(१)		"	१७६०	१-३	किसलपकर्म लिखित
१८२	३२७३(४५)	इप्यारलकी कथा—पद्य		१८वीं	११८-१२०	समृद्ध
१८३	४२७३	इतिहास-नारायणनाटक		१९वीं	६	
१८४	७२७३		मानसामार	१५४६	५	रचना १७१८
१८५	४०४३	इमाकुमार बोधार्थ	'	१५वीं	७	
१८६	६५३	"	"	१७२८	१७	० स १७१६तें रचित लेखपुरतें
१८७	८७	इमाथीकुमार रात	'	३७१५	५	
१८८	८४८		'	१५७२	८	
१८९	९०४२		'	१७६५	१४	
२०	२०८३		'	१७६०	१७	
२१	१५६६		'	१७७२	१७-२२	
२२	२०८७		'	१७७२	२०-२३	
२०३	२३७४(३)		"	१८वीं	११	
२०४	३३१		"	१५वीं	१० वीं	
२०५	१५२२(१६)	इसकथान	कुंभरकुवास	१८वीं	४	
२६	७५६	इसरी फुल		१५३१	५	
२०७	७८८	इसरी फुल		१८वीं	५	
२०८	११२२(४६)	"		"	६३-६४	
२०९	२०३८	इसरीमिना	इतर	१७वीं	२	
२१०	४८१४(२५)	उपनीती भाष्यार्थ		१५४७	२४६-२४७	

क्रमांक	पत्रांक	दान नाम	वर्तमान भाग	वर्तमान भाग	निधि क्रम	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
२११	२१७४	जयपुरकार भोकार्ट	राजपुर	राजपुर	१७६४	३१	मिस्त्रा जोपुर
२१२	३२१६	"	राजपुर	विजयपुर	१७६५	१०	बोकारपुरदे लिखित
२१३	६५५	उत्तराज्यल कथा बालाकबोध	बोकार	"	२०७०	७३	प्रथम पत्र प्रकाश
२१४	२०६०	उत्तराज्यल गीत	"	"	१७२२	१३	
२१५	२१६५	उत्तराज्यल कथा	बोकार	"	१७२३	१	
२१६	१०३२(५)	उत्तराज्यल गीत	"	"	१७२६	२७-३२	
२१७	२०३५(३)	उत्तराज्यल कथा	बोकार	"	१७२७	३१-३५	
२१८	१३११	उत्तराज्यल गीत	बोकार	"	१७२८	५	
२१९	२२५५	उत्तराज्यल कथा	बोकार	"	१७२९	२	
२२०	१२०३(५६)	उत्तराज्यल गीत	बोकार	"	१७३०	१०६-११०	१९१५ से १९१६
२२१	३२३६	उत्तराज्यल कथा	बोकार	"	"	३	मुद्रा भण्डार लिखित
२२२	४२८७(३३)	उत्तराज्यल गीत	बोकार	"	१७३१	२	स्वयं कवि द्वारा लिखित
२२३	२१६५	उत्तराज्यल कथा	बोकार	"	१७३२	१०६-११०	१९१५ से १९१६
२२४	२११३(२)	उत्तराज्यल गीत	बोकार	"	"	३	मुद्रा भण्डार लिखित
२२५	१२०३(५६)	उत्तराज्यल कथा	बोकार	"	१७३३	२८	स्वयं कवि द्वारा लिखित
२२६	११२२(१७)	उत्तराज्यल गीत	बोकार	"	१७३४	२८-५	१९१५ से १९१६
२२७	१२०३(५०)	उत्तराज्यल कथा	बोकार	"	१७३५	२८-५	१९१५ से १९१६
२२८	३२०३(३१)	उत्तराज्यल गीत	बोकार	"	१७३६	१०७	१९१५ से १९१६
२२९	६२५	उत्तराज्यल कथा	बोकार	"	१७३७	२९	१९१५ से १९१६
२३०	६७६	उत्तराज्यल गीत	बोकार	"	१७३८	३३	१९१५ से १९१६
२३१	३३०८	उत्तराज्यल कथा	बोकार	"	१७३९	३३	१९१५ से १९१६
२३२	३३०८	उत्तराज्यल गीत	बोकार	"	१७४०	३३	१९१५ से १९१६

क्रमांक	पत्रांक	पत्र नाम	कर्ता धारि आवक	मिति समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
२३२	३४९८	श्रीवसुदेवसिंहजी	देवक	१७३४	१३	
२३३	३४७७ (२७)	"	"	१८७१	७३-७८	
२३४	३४०६	"	"	१७२९	२१	
२३५	३४	श्रीविभाषित	"	१८३३	७	
२३६	३१६६	श्रीविभाषितकुलक	"	१७१४	८	
२३७	७३३३	श्रीविभाषितकुलक	"	१८१०	२	
२३८	२०४४	श्रीविषयना	पासबंद	१७१४	८	
२३९	२३६० (८)	एकलिंग धारणी बाल	"	१८७१	३१-३७	
२४०	३४४६ (१६)	भारता	"	१८०७	१२७-१३०	●
२४१	४४४२ (४४)	"	"	१८७१	१११-११६	प्रमुख
२४२	४८१४ (६)	"	"	१८८७	१३६-१३८	
२४३	७२६१	एकलिंगि रवाक सरकार	मिस्त्रसिमपुरि	१७६६	१०	मिस्त्र सुयसिंह
२४४	४८१७ (३)	एकलिंगारी भारता	"	१८१३	६७७१	
२४५	४ ४४	"	"	१८७६	३	
२४६	२३२२	एकलिंगी कथा	"	१८४१	१०	
२४७	६ २	" माणुस्य जोषाई	विष्णुवास	१८७१	२६	प्रथम पत्र प्रकाश
२४८	३२८४ (४)	"	हिरवास	१८११	१-११	
२४९	७७४६	" कथा भाषा (गण)	"	१८१३	४१	२६ कथाजोका संग्रह
२५०	४२६३ (२)	एकलिंगी कथा संग्रह	"	१८७१	१८	● ९ कथाजोका संग्रह मिस्त्र जोशी भाषाशास्त्र मिस्त्रा. सोमनाथ (अण्णुर)
२५१	४३	एकलिंगासमाप्ता	रणू वीरभाष	१८४६	९	



क्रमांक	प्रश्नांक	प्रश्न नाम	कक्षा या शिक्षा माहस्य	किंगि समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
२४२	६०५	घो(क)ला हुरण	प्रमाणक	१६०३	७४	
२४३	६२०६	"		१६०३	३०	•
२४४	६०४१	घो(क)पुराण भाषा वच	सिखराज	१६०३	१२	•
२४५	२३०६(३)	हुरणप्रान	सिखराज	१६-१५	१५-१५	•
२४६	६१००	हुरण कारनाम	"	१६०३	१	
२४७	१२६०(४)	हुरणसमयको वेत्तो	"	१७६२	१-१०	
२४८	२०७०	"	"	१७६२	४६	
२४९	२०६६	"	"	१७६६	३३	
२५०	३५५७(२)	"	"	१७६६	१-६२	
२५१	३६४२	"	"	१७६६	७१	
२५२	३६४३	"	"	१७६६	३२	
२५३	३५४०(४)	"	"	१७६६	१-७३	
२५४	४७३६	"	"	१७६६	२४	
२५५	४४२२(४७)	"	"	१७६६	५५-१००	सि.क. भाषाप्रिकस्य
२५६	५७६६(४)	हुरणसीला कर्ण	"	१७६६	२-७	सि.क. प्रीतकीभाष्य
२५७	६५३२	हुरणसीतो व्याखलो	"	१७६६	४	विषय १
२५८	३४७०	"	"	१७६६	४	
२५९	७०३०	"	"	१७६६	४	
२६०	५२२६	हुरणकारण तथा सफलपण	परमपवि	"	६४	
२६१	२०३६	हुरणकारण तथा सफलपण	सर्पुवती	१६०३	२	
२६२	२०३६	हुरणकारण तथा सफलपण	योको श्रुति	१६०३	३	
२६३	२३६०(१६)	"	"	"	६०-६३	

क्रमांक	संख्यांक	पुस्तक नाम	अर्थात् भाषादि आठवक	विरिचि समय	पृष्ठा संख्या	विशेष शब्दकोशीय
२७३	३३७३(२७)	कल्पवास	विद्याभिलाल	१९२५	१२५	
२७४	७७७४(२०)	कल्पवास्तुशास्त्र	बाबाक शर्मा	१९२४	३२४-३२६	
२७५	३२११	शालग्रामशैली कथावली		१९२४	११४	*
२७६	२०४७	कथाली	आनन्दिलाल	१९२४	२	
२७७	४०४६	कल्पवास्तु शैली	विद्यालय	१९२५	२३	प्रथिम पत्र कथारत
२७८	७७२०(२२)	कल्पवास्तुशास्त्र		१९२५	१२५	*
२७९	४०४७	कथाली कथोत्तरवरी कथाली		१९२४	१२	
२८०	६९३७(२)	कथोत्तरवरी कथाली	कवीर	१९२१-१९२२	१०९-१०७	लि.क. रामबाब
२८१	३३३७(१)	कथाली	"	१९२५	१-११	
२८२	२	कथाली	कथाली	१९२५	३२	
२८३	२०९०	कथाली	कथाली	१९२३	३९	
२८४	२१२४	"	"	१९२९	५१	
२८५	२२०६	"	"	१९२५	१४	
२८६	३०७४	"	"	१९२४	२९	
२८७	३९२१	कथाली	कथाली	१९२५	१८	
२८८	४०४८(१)	"	"	१९२२	२२	रचना १७४१
२८९	३७३६	"	"	१९२२	१०	लि.क. पत्र
२९०	३९७४	कथाली	गुरुदास	१९२५	२३	प्रथम पत्र कथाली
२९१	४०४९	कथाली	"	१९२५	३	लि.क. कथाली श्रुति
२९२	२०६२	कथाली	मन्मथ	१९२५	१	*

क्रमांक	संख्या	ग्रन्थ नाम	कर्ता यादि प्राप्तक	मिति समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
२४२	१०४	श्री(२)ना हस्त	श्रीमानाथ	११०३	७५	
२४३	१२७१	"	"	११७१	१०	
२४४	१७४१	श्रीविष्णुराज श्रावण	श्रीरत्नाथ	"	१२	
२४५	२१०१(१)	हस्ताग्रज	श्रीरत्नाथ	१५-१२		
२४६	११००	हस्त आग्रज	श्रीरत्नाथ	१८७१	१	
२४७	१८६८(४)	हस्तग्रजको बेलो	श्रीरत्नाथ	१७१२	१-१७	
२४८	२०७०	"	"	१७२२	४६	
२४९	२०११	"	"	१७११	११	
२५०	१११७(२)	हस्तिक	"	१७११	१-६१	
२५१	११४२	"	"	१७१७	७१	
२५२	११४३	"	"	१७१८	१३	
२५३	११४८(४)	"	"	१८७१	१-७३	
२५४	४७१७	"	"	१७४४	२५	श्री क. शायकिसन
२५५	११२२(१०)	"	"	१८१७	२५	श्री क. शायकिसन
२५६	७७११(४)	हस्ताग्रजो बल	"	१८१७	७२-१००	श्री क. शायकिसन
२५७	१४२३	हस्ताग्रजो ब्याहलो	"	१८२६	२-७	श्री क. शायकिसन
२५८	१४७०	"	"	११७१	४	
२५९	७०१०	"	"	१८७१	७	
२६०	२७२१	हस्ताग्रज तथा श्रावण	श्रीरत्नाथ	१५२	७	
२६१	१०२३	श्रावणको	श्रीरत्नाथ	"	१५	
२६२	२११७(११)	"	श्रीरत्नाथ	११७१	२	
			श्रीरत्नाथ	"	२	
			श्रीरत्नाथ	११७१	१-६५	

क्रमांक	पन्थांक	पन्थ नाम	कर्ता यादि प्राठम	तिथि प्रसव	पत्र संख्या	विशेष बालोद्योगीय
२७३	३२७३ (२७)	कक्काभास	विकासितास	१२वीं	१२४वीं	
२७४	७४४४ (२०)	कक्कातरकाम	भासक बोयो	१८८२	३२४-३२६	
२७५	३२११	कक्काहोकी कडावली		१८८४	११४	*
२७६	२०४७	कवली	प्रान्तिकतास	१८८४	२	
२७७	४०४६	कक्काहोकी बोयोई	विकसुव	१२वीं	२३	प्रमित पत्र कप्रान्त
२७८	७७२० (२२)	कपडकुडुडुल		१८वीं	२४वीं	*
२७९	४०४७	कपोत कपोतपीरी बारता		१८२४	१२	
२८०	६२३७ (२)	कबीरकीकी बाली	कबीर	१८२१-	१०६-१८७	मि क रासरास
२८१	३२३७ (१)	ताकी	"	१८१६		
२८२	२०३२	कमवसा बोयोई	कपरस	१२वीं	१-११	
२८३	२६	"	"	१८२३	३१	
२८४	२१८४	"	"	१७७२	३६	
२८५	२२०६	"	"	१८वीं	२१	
२८६	३४७४	"	"	१७६८	१४	
२८७	३२३१	कमवसा बोयोई	कपरस	१८४४	१६	
२८८	४०४८ (१)	"	"	१८वीं	१८	
२८९	६७३६	"	"	१८२२	२२	रकता १७४१
२९०	३८७४	"	"	१७१६	१०	मि.क मारव
२९१	४०४९	रात	पुस्तकालय	१८वीं	१२	प्रथम पत्र कप्रान्त
२९२	२०६२	कपडकुडुडुल	मसिसेबर	१८वीं	३	मि क बायोई धीरा

\*



क्रमांक	संख्यांक	पुस्तक नाम	वर्षां पारि ब्राह्मण्य	निधि समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
३१५	५६१५(२)	कविता गीत पारि		१८५७	२०-५१	
३१५	११२२(५६)	पर्व सूत्रा		१८५५	८८ की	
३१६	३५५६(३)	अष्टाध्यायी सूत्रा पारि		१९५०	३१-३६	
३१७	३५५७(६)	सूत्रा संग्रह		१८५०	६८-१०१	
३१८	५५५२(१०३)	सूत्रा पारि	केसरीतिय	१९५०	१३६-१५१	
३१९	३५५७(१५)	पर्व सूत्रा	विश्वसुवं	१८५७	१२६-१३१	
३२०	२०८२	भाषाणी	पर्वराज	१८५०	१०	
३२१	५५५२(२५)	"		१८५७	२५-२६	
३२२	५५५२(५५)	"		१८५७	६१ की	
३२३	५५५२(६५)	सप्तम पारि		१९५०	१२५ की	
३२४	२८६३(८१)	दृष्ट्याकलीषक		१९५०	१५३ की	
३२५	५६१५(१५)	कामरुपी मन्त्र	मन्त्रसागर	१९५७	३६८-५०६	०
३२६	२१५३	कामरु कठियारा जोषाई		१८५२	१५	
३२७	३५५५(५)	"	"	१९५०	६५-६७	
३२८	३५५३	"	"	१८५१	८	
३२९	५०५१	"	"	१८५०	८	
३३०	५०५०	विश्वसुवं		१७०२	८	
३३१	३५५२(२)	काया मन्त्रो काव्य		२०५०	१२-१६	०
३३२	१८२१	कासक कव्य		१८५०	६	
३३३	२१६५(१)	कासकाचार्य कथा		१९५०	१-७	
३३४	७३७७	कासकाचार्य कथा	सकनीयसंस्कृत	१९५०	७	

क्रमांक	संख्या	गण नाम	कर्ता पारि शासक	विवरण	गण संख्या	विशेष उल्लेखनीय
११२	२७४४	कलिकाट लोक	अपनाम	१२२७	२	
११३	३२४०(अ)	कलिकाटी रा इन्द्र-भोटा	सपु	१२४०	५६-८७	
११४	३१२२	" लख	बिहल	१८२४	१	
११५	४७५२	" लोच तथा पारली	अपनाम	२०४०	२	
११६	४२४६	" ही पारली	"	"	१	
११७	४७२२	कामीनाम इत्य पकाडी		१८४०	७	
११८	२४४०	कायबिपाम		११-४०		गण इत्येकको संज्ञा मात्र करत उपरोक्त गण संख्या विना गणा है
११९	३१७२(१)	काठ पोख विजयजीतनी काटा	सामल मठ	२०४०	११-१०४	
१२०	३५५०	किलकाटीरी बासा		१२४०	४	
१२१	११११	मुंभिमियाबाकनी	पर्यवहन	१५७	२	
१२२	११२२	मुजुबज		११७०	१	
१२३	७७२२(७)	री बास		१७२०	२६-१०४	सि क मापु
१२४	२१२६	मुजुबुडीय साइबापारी काटा		१२०२	१२	
१२५	७७२२(१०)	"		१५२२	१११-१७७	
१२६	३२१७(२७)	मुकति राको	श्रीकलास	१५२२	१४७-१४८	एकता ११७७
१२७	३२६१	मुकति विभवदन चौपाई		१५८०	७	
१२८	८८४	मुनाएलस रास	मुनमनास	१८८०	१०८	
१२९	१४६४	"	श्रीकुपस	१७४०	१५	
१३०	४२०४(१)	केरपुवाको चौकमाताजीरी कवा		१८११	१५	एकता ११४० सि क कवाएककोमापु





गणराज्य प्रायश्चित्त प्रविष्टान् - राज्याख्यो हस्तलिखित ग्रन्थ सुको, भाग-१ ]

क्रमांक	पर्याय	ग्रन्थ नाम	कठो यादि आठव्य	विधि समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
१०४	११७४ (१४)	संस्कृतमि कोशाभिर्दु	विकल्प	२०वी	१६-७७	
१०५	११७३ (१५)	मन्त्री चारुं स्तम्भ		१६वी	१०१ वी	
१०७	१११४ (१४)	संस्कृतमि बीमती		१८७१	२०८ वी	संपूर्ण
१०८	१४१७ (२)	संस्कृतसुखर कथा	संस्कृति	१८वी	२४-४४	
१०९	११७३ (११)	संस्कृतसाल पील	केसव	१ वी	३३-३४	
११०	११२१	पद्मालीयो	सुबद्धम	१८वी	३	
१११	१८१६	ज्ञान	दुलाखदि	१७८०	१-४	
११२	१४०	विवाह		१९९४	७	
११३	२०८२	सिद्धि		२०वी	८	
११४	११७४ (२२)	साम्बाय		१८वी	१७-१००	संपूर्ण
११५	४ ३६	संस्कृतसाल चरित		१८वी	१८	लि.क संकल्पबद्ध
११६	११४१	ज्ञान		१८८७	८	
११७	१७३	संस्कृतवाच सामाजिक भाषा		१६वी	११	
११८	२८१३ (२३)	संस्कृत चोपार्थ	हीरकस्य	१७वी	१३ वी	
११९	३४४०	संस्कृत संक साठीचो रोहा	संस्कृतस्य	१७३७	१३ वी	
१२०	७४२३ (६६)	संस्कृतस्य संस्कृतमि	संस्कृतस्य	१८वी	१२० वी	
१२१	३८११	संस्कृतस्य विधि	संस्कृतस्य	१८वी	२	
१२२	३४६२ (१)	संस्कृतमि	संस्कृतस्य	१८३६	१-११	
१२३	६०४१	संस्कृतस्य स्तम्भ	चोपार्थ	१८वी	३	
१२४	२२६६	संस्कृतस्योरी भाष		१८वी	२	
१२५	३४२३ (२)	संस्कृत सामाजिकी	संस्कृतस्य	१८वी	१२७-१२६	

क्रमांक	संख्यांक	प्रायश्चित्त नाम	कर्ता प्रादि श्रावण्य	तिथि समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
३२६	३२२६(२)	गिरीसीरी कथा		१२वीं	३६-७०	
३२७	३२२७(२)	भक्त		१२२६	१-११	
३२८	३२२८(४)	भारता		२०वीं	१-२७	
३२९	३२२९(१८)	" गणेशोत्सवो भारता		१२५-१६१		अथवात्त भारता
४००	४००	निरुत्तरी गणेश	अस्याथ	१२८८	३	
४०१	४०१२(२)	भोता		१२८७	११५-११५	
४०२	४०१३(१२)	कथिता		"	१२२-३२७	
४०३	४१३६	ग तपोविष्णु भाष्यो	री शैलम्बवास	१२वीं	४७	अथ वष श्रावण
४४	७५३६	" सत्यनाथ		"	४	
४५	७७२२(६०)	नील सूर्यया प्रादि		१२८ वीं	१२	
४०६	२२२०	संख्ये	जवाहरिसिन्धु प्रादि	२०वीं	१२	
४०७	४६०४(३)	गीता मायुस्तम्य		१७वीं	३२ वीं	
४०८	२०६३(१३)	सुजाकीर्ण संवाच		१३३ वीं	१३३ वीं	
४०९	११२३(२३)	सुंदरी वारसनाथ स्तम्भ	मुसलमान	१२-८३	१२-८३	
४१	११५३(२)	सुन एकावली मायुस्तम्य	भोगा सूक्त	१२वीं	३५-६८	
४११	४०२९	सुनकरंठ सुजाकीर्णो	अपि शीय (?)	१२वीं	२२	लि क श्याप भाष्यो
४१२	४०३३	"	"	१२वीं	२७	
४१३	४२२०	वास	"	१२७४	२०	
४१४	६०२७	"	"	१२३६	१२	लि क श्याप भाष्यो
४१५	६२४२	"	"	१२३३	३६	लि क श्याप भाष्यो
४१६	२१०३	सुंजालाकर स्तम्भ	सुंजालाकर	१७५६	१२	लि क श्याप भाष्यो

समाप्तता प्राप्तिका विवरण—राजधानी प्रशासित प्राय मुंबई भाग-१ ]

क्र.सं.	क्रमांक	प्राय प्राय	कार्यवाही मासका	मिळि मासका	प्राय संख्या	विशेष उल्लेखनीय
४१७	३०२३(३)	मुळाकार भाग		१७३४	१-१	
४१८	३२६२(५)	"		१२६७	२१-३४	
४१९	४०१३	मुळाकार भाग	आगवेव	१७६६	७	
४२०	३२१४	मुळाकार भाग चौगाई		१८७१	८	
४२१	२ ३३	"		१५४२	७	
४ २	३८८१	"		१५४८	२४	
४२३	३२३८	मुळाकार भाग मुळाकार भाग	दीपो	१८७१	२९	स (१०४७ म रक्षित
४२४	३२	बटिक चौगाई	दासिदिये	१८७४	२१-४	
४२५	४०२२	मुळाकार भाग मुळाकार भाग	दासिदिये	१८७४	२१	रक्षित स ३२१३
४२६	२ २	मुळाकार भाग	दासिदिये	१८७४	१०	
४२७	३२२४	मुळाकार भाग	दासिदिये	१८७८	१५	
४२८	३०६४	"	"	१२७१	२६	
४२९	३२४४(५)	मुळाकार	"	१५६१	२३-३२	
४३	३२४४	" विचार	"	१८७१	३	मुद्रित सत्र
४३१	३१०३	मुळाकार भाग		२०७१	३००७	
४३२	३२०४(७३)	मुळाकार भाग		१७७१	१०४-१०७	
४३३	२४२३(१२१)	मुळाकार भाग	श्रीरक्षित	१२७१	१२	
४३४	७१८०	दास	श्रीरक्षित	२ ७१	१०४-१०६	
४३५	३२०४(२४)	मुळाकार भाग	श्रीरक्षित	१८२४	४	
४३६	१०६२	मुळाकार भाग	श्रीरक्षित	२०७१	४	
४३७	३२०४(२०)	मुळाकार भाग	श्रीरक्षित	२०७१	४३-४६	

क्रमांक	संख्यांक	पद का नाम	करना पात्र आरक्षण	निविदा समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
४३७	११२२(२६)	गोडीपार्क पथ	कपरोक	१२वीं	७४-७२	
४३८	२०२१	"	प्रोतिविमल	१०वीं	८	
४३९	२२१३(१)	बूट स्तम्भ	मेमबिकस	१-२	१-२	
४४०	२०२२	"		४	४	
४४१	२४४८(३)	गोतम रामा		१७२६	१३	लि.क. मुनि संघवी
४४२	७३६७	गोतमपुत्रा चौपाई	विनासुरि	१८८३	३४	
४४३	६१२८	"	सम्पुर्णर	१८८३	३४	
४४४	२४३६(७)	बाताकबोंब	उदयवंत	१८०६	३-८	
४४५	२०६८(२)	पोतम लपुस्तक		१८८२	१७-२६	
४४६	२४३६(३)	स्वामी राम		२०४-२१२		
४४७	७४४४(११)	पोतम रातो		१२३वीं	१	
४४८	१४८८	कोवीचंद राजापर		१७८४	१० वीं	
४४९	१३४६(३)	भोरकनाथजीरो झर		१० वीं	२	
४५०	३०२७	घाटप्रमोद भावा		१२३ वीं	१० वीं	
४५१	४४२२(२)	बतगा		१२३ वीं	११ वीं	
४५२	१३४६(२)	गोरेमजीरो झर		१८२८	८	
४५३	२१६८	गोराबावल कवा		११-१७	११-१७	
४५४	२३६०(३)	को बाल		"	१२१-१४६	
४५५	१३३२(२२)	री बास	भावाधिकार	१८ वीं	३१	
४५६	१३४४	चोपाई	हेमलत	१२ वीं	२८	

क्रमांक	वर्षांक	वस्तु नाम	वर्गो कारि आलय	मिति समय	वस संख्या	विशेष उल्लेखनीय
४४६	१०१६	सोलाहासल बोयाई	सावकोट	१७६४	२४	
४४७	११७६	"	"	१७४६	४१	सं १७ ७औं रजिस्टर
४४८	११६१	"	कन्या कारि गुरुका	१७७१	६०	१४ इतिवर्षका संयुक्त
४४९	१०४३(१)	"	"	१७७३	२७-६४	सावकीम रजिस्टर
४५०	१६१४(१)	"	"	१७७७	६-१४	सि.क अवसीधाय
४५१	११७७(१)	सोलाहको बीरको सावकोट तथा सोलाहको	सावो	१६७१	१०-३१	
४५२	१२७४(४१)	सोलाहको प्रसोसर सावकोट	आपस सावकोट	२०७१	१६६-२०६	
४५३	१७३६(१६)	सोलाहको कारि	सावकोट	१७३६	११५-१४४	
४५४	१७३६(७)	सोलाहको	सावकोट	१६७१	४०-४१	
४५५	११७	पुस्तक विचार		"	३	
४५६	१७७७	"		"	२	
४५७	१४७४	"		"	२	
४५८	१४७	"	सावकोट	"	२	
४५९	१७४	"	पनेक विचार	"	२	
४६०	१७६३(१४)	पुस्तक कल		"	६	
४६१	१११४	पुस्तककारिणी मिति		१७७१	६७१	
४६२	१२४७	पुस्तककारिणी मिति		१६२७	६	
४६३	१२७६	पुस्तककारिणी मिति		१७७१	६	
४६४	१०२६	पुस्तककारिणी मिति		"	३	
४६५	११२२(७१)	पुस्तक		"	१	
४६६	११२२(७१)	पुस्तक		"	१	

सम्बन्धित सावकीम रजिस्टर  
सम्बन्धित सावकीम रजिस्टर  
सम्बन्धित सावकीम रजिस्टर

क्रमांक	संख्या	संघ नाम	कर्ता यादि प्रांत	सिद्धि समय	पत्र संख्या	विशेष जलसंधीय
४७६	३१७३ (८)	पोडाखेल तथा बर्किंगल डूहा		१६वीं	३०-३१	
४८०	४६२४(१०)	पोडारा ब्रायल		१७६३	११-१२	
४८१	४४२२(६३)	बुधारा		१८वीं	१३ वीं	
४८२	१८१७	बजपरीबराई	समयपुर	१६वीं	२०	
४८३	४७४	बाहारा एव		१	१	
४८४	४१२३(२)	बाकेशली		१८वीं	२-११	
४८५	३१७४(७४)	बाकेशरी स्तन		२०वीं	३०७-३८	
४८६	४१२४	बाहुंगुडकालकिरल		१८७७	३१	
४८७	२८६३(३६)	बाहुंगुडि विमानपुर संस्था बीमती	श्रीरकास	१६१६	८४ वीं	
४८८	२८०३(३७)	बाहुंगुडि विमलकल्याणक स्तन		१७वीं	६६-६६	
४८९	३१७६(२१)	बालक मुंबी		२४३-२४८	२४३-२४८	
४९०	४११२	बाबी लामायान		१६वीं	२३६	
४९१	४६१४(१७)	बारिकालपुर गीत		१८७७	३१२-३१३	
४९२	६२६	बाहुंगुडि व्यासाल बालाबबोय	सुरास	१८वीं	१२	
४९३	३१८३	"		१७वीं	२४	मि. क. डे. कपड़े
४९४	६३६३	व्यासाल पट्टि		१६११	२४	
४९५	३१०४	बार बाबरी बाल		१६वीं	३	
४९६	७२३१	बार भाबना (पट)		१७वीं	११	
४९७	४१६२	बारिलेक मुडुबरी	समयपुर	१६७६	२७	प्रथम पत्र धारत
४९८	३३६८(१०)	बाबडारी कव	कुंमोस	२०वीं	६६-६७	रचनास्थान-सीका

क्रमांक	पंजाङ्क	हाथ भाग	कर्ता पादि शालाङ्क	मिति समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
४१८	१२०५	बिजोरेको पत्र	केतल	१८वीं	२	तं १७४८को रचना
४००	१११०(४)	"	"	१९वीं	१७-१८	
४०१	४०११(१)	"	"	१८वीं	५	
४०२	४००६	"	"	१९वीं	२	
४०३	४०१२	"	"	१७वीं	४	१११ पत्र समस्त
४०४	११४६(१७)	बिजोरे जोपुर राजदेव पाठिको पंशुलिख हुकोटा	"	१९वीं	१२१-११२	
४०५	१११२(१०)	बिजोरेको पत्र	रामबिन्दव उपश्याङ्ग	१८वीं	११४-११५	
४०६	१११६	बिजोरे पदावती जोषाई	जोषाव	१९वीं	१३	
४०७	११०१(११)	" जोषा जोशीको	"	"	११६ वां	
४०८	४०१७	" जोषाई	कायस्थार	१८वीं	३४	
४०९	१०१३(७०)	बिजोरेको पत्र	हीरकवास	१७वीं	१४१ वां	
४१०	११०७(१४)	पेयल पील	मनराज	१८वीं	११३-११६	
४११	४०१०(३)	बिजोरेको पत्र	केतलवास	"	१३०-१३०	
४१२	१११८(११)	पेयल	कमलबिन्दव	१८वीं	४० वां	
४१३	१०१२(११)	बिजोरेको पत्र	विजोरे	१९वीं	११०	
४१४	४००४(१३)	बिजोरेको पत्र	मनराज	१८वीं	१४३-१४३	
४१५	१११८	"	मनराज	१८वीं	४	
४१६	१११४	"	मनराज	१८वीं	२	
४१७	११०७	"	मनराज	१८वीं	४	
४१८	१११०(१४)	"	मनराज	"	६४-६४	

क्रमांक	प्राप्तांक	व्यक्त नाम	वर्गीय नाम	वर्गीय विवरण	सिद्धि समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
५२६	३२५७(५२)	श्री यशो	कक्षा		१२वीं	१३८-१५१	
५२७	५०६६				१८वीं	३	विकासीय शिक्षित
५२८	३२६३(९)	श्री जीत पुराणिकी कर्णारे			१७वीं	१-१०	
५२९	२५६३(२३)	" अति प्राणालि विहारक			१७वीं	५६-६०	
५३०	५०६७	श्री जीत चौक		समस्त कवि	१८वीं	७	सि.क. मातृशिक्षित अस्पृष्ट
५३१	६६१८	श्री जीत लीबकरीकी पुत्रादिपि		व्यवसाय	१२वीं	६२	
५३२	३३३६(११)	ईशक लखार		विनयाय	५८-६९	५	
५३३	३२५	श्री जीती रसवाल		विनयाय	१७वीं	१-२५	
५३४	३३७२(९)	"		विनयाय	१५२-१५५	५	सि.क. कानून
५३५	३३७२(१३)			विनयाय	२५वीं	२५	
५३६	११२२(२६)	श्री जीत मासानी कविता		विनयाय	१२वीं	२५	
५३७	२३३८(८)	श्री राणी लीला मारुतारिणी कवि		विनयाय	"	१३	
५३८	७५२६	श्री जीत मारुतारिणी कवि		विनयाय	५५-६१	५५	
५३९	२३३८(७)	श्री जीत मारुतारिणी कवि		विनयाय	५५-६१	५५	
५४०	३३३३(२५)	श्री जीत मारुतारिणी कवि		विनयाय	५५-६१	५५	
५४१	३३३३(२६)	श्री जीत मारुतारिणी कवि		विनयाय	५५-६१	५५	
५४२	३३३३(२७)	श्री जीत मारुतारिणी कवि		विनयाय	५५-६१	५५	
५४३	५१५८			विनयाय	५५-६१	५५	
५४४	५६१३(१०)			विनयाय	५५-६१	५५	
५४५	५६१३(११)			विनयाय	५५-६१	५५	
५४६	३३३३(२)	श्री जीत कविता		विनयाय	५५-६१	५५	



क्रमांक	पन्नांक	काव्य नाम	कदां कादि आगत्य	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
२४०	७७५३ (११)	बंरकंवररी काव्य	कलय कवि	१८१७	४७-६०	
२४१	२४४८ (१)	" बाता	सकलदीपि	१८२८	४	
२४२	१८२४ (१)	बंरकवाण्य चौपाई	शैवाल	१६५१	१-४	
२४३	७३७८	भाकती गीत	मल्लिकार्जुन	१८५१	१	विष्णुपुरी रचित
२४४	११८	बंरकवाण्यविदि चौपाई	भद्रसेन	१८२६	८	
२४५	१००६	"	"	१८५१	४	
२४६	४०४८	"	"	१८२३	४	सिंह उमेरकाव्य
२४७	४४२१	"	पद्योच्छेद	१७७६	११	रत्नाकाव्य १७४७
२४८	२४४२ (४८)	बाता	भद्रसेन	१८०१	१०१-१०२	
२४९	६११६	" चौपाई	"	१८३४	४	
२५०	७०७६	"	"	१८५१	४	
२५१	४८४ (२)	" से काव्य सङ्ग्रह	भोक्षुसङ्ग्रह	१८३६	२६-३२	३४ की पत्र प्रकाश
२५२	७०७२	बंरकाका कवि	भोक्षुसङ्ग्रह	१८३६	१८५	सूत्र प्रकाश स सप्तमि पत्र प्रकाश
२५३	४१४	"	"	१८५१	२६	संक्षिप्त पत्र प्रकाश
२५४	६०४०	रास चौपाई	विद्यापति	१८	४१	से १७७७ सिलोहिसि रचित
२५५	११०	रास	भोक्षुसङ्ग्रह	१८८२	१६०	से १७१८ राजमणरसे लिखित
२५६	११८	"	"	१८६०	७७	
२५७	२०२२	"	"	१८११	४६	
२५८	२०८४	"	"	१८२२	१०४	
२५९	३३४४ (३)	"	"	१७७६	१-६०	
२६०	१८५१	"	"	१८३१	४	

क्रमांक	अध्याय	प्राथमिक भाग	कठोर भाग	कठोर भाग	मिनि समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
२६१	१५५२	कवचराजा रास	संविधान		१५२७	६१	
२६२	१६७०	"	"		१५६६	११०	
२६३	१६२५ (१)	"	"		१७७०	२३	संलग्न पाठ्यक्रम गीताके १६ पत्र लिखें हैं
२६४	१६६६	"	"	सोशलविषय	१५२१	७६	
२६५	१०२६	"	"	"	१५१०	५२	
२६६	११५६ (२)	" गो रास	"	"	१६०६	७०-१२४	मि. क. इरकान्य पाठे सं० १७५३ में राज्या
२६७	५२४६	"	"	"	१५४७	६८	मि. क. पूष्पीराय
२६८	७४२	"	"	विद्यमान	१५४६	१२३	
२६९	११५३ (१)	कवचराजा रास	"		१६५१	२०-३२	
२७०	१६१	कवचराजा रास	"		१७५१	५	
२७१	२५२३	कवचराजा रास	"	दीर्घकाल	१७५१	२४३-२४४	सं० १६२२ में राज्याके संलग्न
	(११५)						
२७२	१६७२ (१४)	कवचराजा रास	"	सामर्थ	२०५१	२६६-२६७	
२७३	७४०७	कवचराजा रास	"	संविधान	१७७८	१८	
२७४	६४४	कवचराजा रास	"		१७७४	२०	सि. ए. गणपतर
२७५	१५२६	कवचराजा रास	"	सुवर्ण	१७५१	५	
२७६	२२२६	कवचराजा रास	"	संविधान	१६७२	२६	
२७७	१२०१	"	"	"	१७६२	२६	
२७८	१२३७	"	"	"	१५३०	२३	
२७९	१२२० (१)	"	"	"	१६५१	१३-३६	





क्रमांक	व्यक्ति	पद	वर्तमान स्थिति	वर्तमान पद	वर्तमान पद	वर्तमान पद	वर्तमान पद
१११	७२११	अध्यक्ष	अध्यक्ष	१७६१	१०	सं १७६०में पाठकमें रचित	
११२	७१०१	"	अध्यक्ष	१७६२	११	सं १७६२में पाठकमें रचित	
११३	६२४	"	"	१७६३	१२	सि क विद्यार्थी सुकममें लिखित	
११४	१०१०	"	"	४२-८	२०	सि क माणकपर्व	
११५	११०६(१)	अध्यक्ष	अध्यक्ष	१७६४	७		
११६	७१२२	"	"	१७६५	४		
११७	७११२	"	"	१७६६	१२		
११८	१०७१	"	"	१७६७	१६	सि स्वा भाठसू	
११९	११७२	"	अध्यक्ष	१७६८	१६	सुवाही ग्राममें लिखित	
१२०	१२७१	"	"	१७६९	८	सं १२२२में रचित	
१२१	१२११	"	"	१७७०	४	सि क मति	
१२२	१२७२	"	"	१७-४२	१२	सं १२ से २३ पत्र समाप्त	
१२३	१२७१(१४)	"	"	१७	१२	सं १७४४में लिखित	
१२४	२१११	"	"	१७७१	१४	सं १९४२में रचित	
१२५	१२७८	"	"	"	२८		
१२६	१२७१	"	"	१७७२	१४		
१२७	१२६४(७)	अध्यक्ष	अध्यक्ष	१७७३	१२-४१	सं १२६१में पाठकमें रचित	
१२८	१२२७	अध्यक्ष	अध्यक्ष	१७७४	२८	सि क मतिविमल	
१२९	१२७४	अध्यक्ष	अध्यक्ष	१७७५	४		
१३०	१२७१(११)	अध्यक्ष	अध्यक्ष	१७७६	११४-११६	सि क मति	
१३१	१२७१(१२)	अध्यक्ष	अध्यक्ष	१७७७	११६-१२१	सि क मति	



क्रमांक	संख्या	नाम	कार्य	कार्यवाही	प्रारंभ	संख्या	विशेष
११३	११२२(११)	जिनराल	जिनराल	जिनराल	१२वीं	१७०-१७४	
११४	११७२(२)	जिनप्रतिभा रसायन संस्थान	जिनप्रतिभा रसायन संस्थान	जिनप्रतिभा रसायन संस्थान	२०वीं	२४१-२४८	
११५	११८२	जिनराज्य सुधार	जिनराज्य सुधार	जिनराज्य सुधार	१८वीं	२	
११६	१२७२(२४)	जिनराज्य जिनराज्य शोधालय	जिनराज्य जिनराज्य शोधालय	जिनराज्य जिनराज्य शोधालय	२४वीं	२४९-२६०	
११७	१२७२(१२)	जिनराज्य सुधार	जिनराज्य सुधार	जिनराज्य सुधार	२४वीं	२४५-२६२	
११८	२१९०(१६)	जिनराज्य सुधार	जिनराज्य सुधार	जिनराज्य सुधार	२०वीं	२०-२१	
११९	११७२(७)	जिनराज्य सुधार	जिनराज्य सुधार	जिनराज्य सुधार	२०वीं	१०२-१०६	
१२०	१२७२(६६)	जिनराज्य सुधार	जिनराज्य सुधार	जिनराज्य सुधार	"	२६८-२६९	
१२१	२१२२	जिनराज्य सुधार	जिनराज्य सुधार	जिनराज्य सुधार	१७वीं	१६६	
१२२	२ ७१	जिनराज्य सुधार	जिनराज्य सुधार	जिनराज्य सुधार	१८वीं	२	
१२३	७४४२(१)	जीव विद्यालय	जीव विद्यालय	जीव विद्यालय	१८वीं	१६५	
१२४	१५०	जीव विद्यालय	जीव विद्यालय	जीव विद्यालय	१८वीं	१६५	
१२५	४६१४(२६)	जीव विद्यालय	जीव विद्यालय	जीव विद्यालय	१८वीं	१६५	
१२६	४६०२(७-८)	जीव विद्यालय	जीव विद्यालय	जीव विद्यालय	१८वीं	१६५	
१२७	१२२२(१३)	जीव विद्यालय	जीव विद्यालय	जीव विद्यालय	१८वीं	१६५	
१२८	४४२६	जीव विद्यालय	जीव विद्यालय	जीव विद्यालय	१८वीं	१६५	
१२९	१२२२(६)	जीव विद्यालय	जीव विद्यालय	जीव विद्यालय	१८वीं	१६५	
१३०	४४२६	जीव विद्यालय	जीव विद्यालय	जीव विद्यालय	१८वीं	१६५	
१३१	४६१४(२४)	जीव विद्यालय	जीव विद्यालय	जीव विद्यालय	१८वीं	१६५	
१३२	४४२६(२०)	जीव विद्यालय	जीव विद्यालय	जीव विद्यालय	१८वीं	१६५	

सं १८२६-१८३६





क्रमांक	संख्या	कार्य नाम	कर्मि यादि प्राप्ति	गिति समय	पत्र संख्या	विशेष सम्बन्धीय
७०४	२ ७४(१)	दोनामाल मजिद	दुपलनाम	१७१६	१४	वि सं ३६
७०५	७३०(१)	दोनामाल बोपाई	"	१७५६	१-३१	सं १६७३ से रचना
७०६	१४४	दोनामालकी ..	"	१७७१	२४	वि सं - जोसलमेर
७०७	१७१६	दोना .. रा दुदा मजिद			११-११४	सं १४३० से रचित वि सं ३३
७०८	७३४	बाकनी बाल	दुपलनाम	१६७१	२६	
७०९	६७३०	" .. रा दुदा	"	१७००	४७	
७१०	४२३४(१३)	" .. री बोपाई	"	१६७०	१-३४	
७११	३२७३(३)	दोनामालनाम	विशुद्ध	१६७१	१७७१	
७१२	७०४	मजिदनाम	सकलनाम	"	२७	
७१३	७००७	मजिदनाम भावा		१६२०	२६	
७१४	३६६७(२५)	सादर सोबानारी लखनाम	सुदुपल	१६७१	१४६-१४७	
७१५	३३६७(४)	सादरनामारी बाली			३७-४	●
७१६	२२८६	पिन्कनाम टीका		१७७१	१	
७१७	१०४६	नाम लखनी कारलीनी भावा	सीताराम	१७७३	२२	
७१८	४७७२	दुपल दुपलनाम		१६२०	२६	
७१९	११४४(६)	दोनामाल मजिदनाम तथा मायोर		१६७१	४७७१	●
७२०	७३३४	दोनामालकी पुस्तिका संख्या		१७४३	१७	मजिदनाम प्रान्त
७२१	४२१४(२०)	दोनामालकी	पारदर्श	१६७०	२०६७	
७२२	७६०४	दोनामालकी पुस्तिका संख्या		१६३३	४१	वि सं सीताराम पुस्तिका

क्रमांक	शुल्कांक	प्राप्त नाम	कर्ता यादि आदक	मिति समय	पत्र संख्या	विवरण राजकोशीय
७३३	२३६२(१२)	संभाषली कथा	हरली बोली	१८वीं	७	
७३४	७२६४	भाषका बोध	समयपुर	२ वीं	१५	
७३५	३२७४(७६)	भाषका मुनि कौशिकियो , गुप्त बोध	अनाक्याना	१८वीं	३११-३१६	
७३६	२२२५	"	राजपुर	"	१७	
७३७	३८८८	"	समयपुर	२४	२४	सं १९२१में रचित
७३८	४२०४(२)	भाषा वैशाली भात	उदयराज	१८६१	३२-३३	मि क. कल्याणकोशमाय
७३९	४ ६५	भूलाभा मकरतो		१८४६	३	सं १७३२में रचित
७४०	४८३२	"		१८३२	८	मि क राजबिजय
७४१	६२३४	"		१८वीं	२	
७४२	७४४४(१४)	संभव पारंगनाय स्तवन	मुद्रास्नाय	१८८३	२२३-२६०	
७४३	१२७३(२४)	बहकसंसाधक		१८वीं	६२-७०	
७४४	७४२१	" प्रकरण		"	३	
७४५	७४४४(४)	प्रवर्तनपुत्राणाबोध	पर्वत बर्मा	१८८३	१३६-१४३	मि क नेमबिजय
७४६	१२२१	त्रिपरी बोध	अनाक्याना	१६८८	४३	
७४७	१८२६	"		१७०७	२०	सं १९२३ में अंशतमेरमें रचित
७४८	२१३२	"		१७२८	२३	
७४९	३४७३	"		१७१८	३६	शोक ग्राममें लिखित भांडकपत्र पाठ्य
७५०	३३३८	त्रिपरी रात	समयपुर	१८वीं	३१	
७५१	२२६	"		१८३६	२०	सं १७००में ध्युमराजावामें रचित
७५२	६२३१	"	अनाक्याना	१८वीं	४१	अंशतमेरमें रचना

क्र.	वर्षाव	व्यय नाम	वर्षावार्थ प्रात्यक्ष	मिथि समय	व्यय संख्या	विशेष उल्लेखनीय
७११	११२८	डीपरी रात	अनकधीनि	१७१२	४०	
७१२	१११८	डाराय भाकल		१८७१	४	
७१३	१११४	डाराय भाकल		१७७१	४	
७१४	१११३(१)	डरा बाइल ववा		१८७१	७७	
७१५	१११४(२)	डाराभाको ववा	डाराभा		२-११	
७१६	१०१८(१०)	डारावकलाय वर्य	डारावर		४४-४४	
७१७	१११४	डर्यनवरी		१८७०	१०००-१०००	१८५४ वी रकित
७१८	११०४	डारावकलाय ववा	डारावरी	१७७१	१४	
७१९	१८६६	डारावकलाय ववा	डारावरी	१८७१	७	
७२०	१८१३(१०)	डारावकार कोवड	डारावरी	१७७१	१४१८	
७२१	१८१३(११)	डारावकर वील	डारावरी	"	१-४	
७२२	१४४४	डारावरी	डारावरी	१८७१	३	
७२३	१११८	डारावरी	डारावरी	"	१	
७२४	११०३(४)	डारावरी वकलाय ववावरी वरी	डारावरी		१०-११	
७२५	१११८(६)	डारावरी ववा		"	१-१०	
७२६	१११८	डारावरी ववा		१८१७	१३	
७२७	१११३(६०)	डारावरी ववा		१८८८	८७-८८	
७२८	१११३(६०)	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७२९	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७३०	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७३१	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७३२	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७३३	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७३४	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७३५	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७३६	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७३७	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७३८	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७३९	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७४०	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७४१	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७४२	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७४३	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७४४	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७४५	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७४६	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७४७	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७४८	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७४९	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा
७५०	११०४	डारावरी ववा		१८८८	४१०	डारावरी ववा

१. डारा ववा ववा-ववा  
मि. ववा ववा  
मि व ववाववा ववाववाववा  
१. ११०० के समय

डारावरी ववा  
४१०

मि व ववाववा

क्रमांक	पन्नांक	ग्रन्थ नाम	कहाँ पाए जा सक्य	मिति समय	पृष्ठ संख्या	विशेष उल्लेखनीय
७६३	१२४८	बाबुजी का मन्त्र		१३००	७३	प्राचाल कोकल
७६४	१२४४(१)	"		१२५०	१४	
७६५	१२४५	बाबुजीकी साकी		१८१२	२६	मि. क. लक्ष्मणदास
७६६	१२४०	"		१८५०	१७	
७६७	२१०१	बाल मंत्रिका		१२५०	१५	म. १११२में राजाजिदसे दक्षिण
७६८	४४१	बालमंत्रिका लपसाकता संवाद	समन्वयकर	१८५०	४	
७७०	२२४	"	"	१८५०	४	
७७१	१४१२(७)	"	"	१८५०	१२-४०	
७७२	२०४२(२)	"	"	१७४३	२-१२	
७७३	२०४६	"	"	१७०४	६	
७७४	२१७४(११)	"	"	१२५०	१२-४२	समन्वयमें लिखित
७७५	१२४६	"	"	१८४१	४	
७७६	१२७१	"	"	२५०	१८	
७७७	१४७३(१४)	"	"	१७१०	११७-१३६	
७७८	१४७४(१३)	"	"	२५०	१७१-१८१	
७७९	१४६१	"	"	१८५०	४	
७८०	१२१७	"	"	१२५०	४	
७८१	४४१३(६)	"	"	१२५०	४४५	
७८२	४४१६(११)	"	"	४१-४६	४१-४६	
७८३	१८४४	"	संज्ञार्थ संकलन	४२	४२	

क्रमांक	कालावधि	काल नाम	कर्ता यादि अज्ञात	निर्मित समय	वर्ष संख्या	विशेष उल्लेखनीय
७६४	३६६७	राजस्थिक मंदार	सत्यज्योत्वर	१९९२	४	
७६५	३४१५(१७)	राजस्थिकार	"	१९७१	१२४-१३७	
७६६	३३३४(१०)	राजस्थिक बोधार्थ	ब्रह्ममीन	१९७६	१-६	•
७६७	३१७६	"	बार्थिलम्युवर	१८३०	६	
७६८	३१२४	विष्णुमारी कर्मण		१७७१	४	
७६९	३०६३(१२०)	विष्णुमनुषक	श्रीरक्तमण	१७४३-१७५	१७४-१७५	
७७०	३०२०(१४)	विष्णु मत्स्यगौरी विक्रम		१८५१	१२-१३	
७७१	४०२७	श्रीमत्सोमेश्वर बालाचर्योप	विष्णुवर	१९७१	२५	
७७२	३४४४(३)	श्रीमत्स्यगौरी	केसरीवाल	१९७१	३४ बर्ष	
७७३	३१६६	सुयोगी गौरी बराल	सर्वभूषण	१९३४	४	
७७४	३१४३(३२)	सुदूर	केसरसिंह बंतावाल	१९७१	८१ बर्ष	
७७५	४४४२(३८)	सुदूर अतर्कसिंहजी रो	माल कवि	१९७१	२०० बर्ष	
७७६	४०१४	देवकीरो बोधार्थ	बलबर्तिसिंह	१९७१	६	
७७७	३२७७	देवकीमण इतिहास		१८६१	२४	
७७८	४४४२(७६)	देवकीमण		१८७१	१२३ बर्ष	
७७९	३१२३(१)	देवी मूर्ति		१९७१	१	
७८०	३३३४	देवीबोधी मूर्ति		१९२०	१४	
७८१	३३६७(२६)	देवगौरी स्तंभ	मालक कवि	१९७१	१५०-१५२	
७८२	३३७३	देवना मालक		१७७१	१६	
७८३	४४४४	श्रीपदेवली		१८७१	१	मि. क. बार्थिलम्यु

राजस्थान प्राकृतिक प्रतिकूल-राजस्थानी दुग्धनिष्ठ प्रायः सुधी माग १ ]

क्रमांक	पत्रांक	प्रायः नाम	वर्ग यादि प्रायः	निधि समय	पत्र संख्या	विशेष जल्लेखनीय
५३	११२	दोवाकरी		१८२३	३	
५०६	१७०३	"		१८८०	६	
५०७	३३३४(१६)	"		१९००	२७०	
५०८	४६१४(२)	दोशनास	कृषक	१८७१	१९२-१९३	सं० १२१४में रचित
५०९	११२३(३)	पराबल्लि रास	सतिसेकर	१९००	२२-३०	
५१०	११२४(३)	"		१९०३	३७-३९	
५११	३३७३(१३)	"		१९०३	४२-४९	
५१२	२०३४	बासा रास	साधारण	१९०३	४६	
५१३	३५७३(२१)	पसा लीदि	अध्यात्मिक	"	१२-१७	बैतसपरमें रचना
५१४	३३२०(१२)	पसा सरकाय		"	४८	
५१५	३३२१	बास बिनास	कल्याण	१९००	४३	सं० १६५४में रचित
५१६	४६१४(१३)	पसास		१८८७	४४	
५१७	४७२२(३१)	पसास बसंत		१८८७-१८९	४५-४६	
५१८	२१८१	परमेश पारबतीरी बोपाई	दुग्धसूर्य	१८८२	४७	
५१९	४७१८(१३)	अमंजोली		१९००	४८	
५२०	४७०	"	परमती	१८९३	४	
५२१	८८२	"	"	१८८२	४	
५२२	३३२०(६)	"	"	१९००	४२-४९	
५२३	७७३३(१३)	परमबाकरी		१९००	१०-१९	पुनः
५२४	७३१९	परमबुद्धि बोपाई	सासबंद	१९००	१६	
५२५	४०६९	परमबुद्धि बोपाई	"	१८२३	२५	सं० १७४२में रचना

क्रमांक	संख्या	राज्य नाम	दस्तावेज का नाम	निर्दिष्ट समय	पंच संख्या	निर्दिष्ट संकेत
७१६	१२०(१)	पंचकटि नगरपालिका कवा	पंचकटि	१९६१	२-२	
७२७	१२२४(२३)	पञ्चनारायण कवा	पञ्चनारायण	१९६१	१४६-१४८	
७२८	१२२३	पञ्चदेव	पञ्चदेव		१३	प्रकाश पत्र समाचार
७२९	१२४८(१४)	पञ्चदेव नगरपालिका	पञ्चदेव		७२-७४	
७३०	१२८२(१३६)	पञ्चदेव नगरपालिका	पञ्चदेव	१९६७	१७-४६	
७३१	२१६ (१०)	पञ्चदेव नगरपालिका	पञ्चदेव	१९६१	९	
७३२	४६०	पञ्चदेव नगरपालिका	पञ्चदेव	१९६१	३	
७३३	१४१६(११)	पञ्चदेव नगरपालिका	पञ्चदेव	१९६१	१४	
७३४	७०७	पञ्चदेव नगरपालिका	पञ्चदेव	१९६८	१४-१६	
७३५	१६४४(२)	पञ्चदेव नगरपालिका	पञ्चदेव	१९६८	६७-६९	
७३६	४३ २(१)	पञ्चदेव नगरपालिका	पञ्चदेव	१९६४	२६	
७३७	६२२	पञ्चदेव नगरपालिका	पञ्चदेव	१९७४		सं १६७३११ राज्या आस्थापना अधिनियम
७३८	११२१(१४)			१९६१	५२-६४	
७३९	१२८२			१९७६	७२	
७४०	१६६१			१९६२	२७	
७४१	४०७०			१९६६	२४	
७४२	१२८०(१)			१९६१	१-५२	
७४३	२ ४६			१९६२	१७	
७४४	१२१६(२)			१९६१	१-११	
७४५	१११			१९६१	४	

क्रमांक	क्रमांक	ग्रन्थ नाम	कर्ता यादि ज्ञातम्	निर्गम समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
८५६	१६७	मन्वन्तर आसावबोध		१८वीं	११	
८५७	२१२२	"		१७वीं	१०	
८५८	३५६६	मन्वन्तर मंत्र दर्शन		१२वीं	९	
८५९	६९१३	मन्वन्तर आत्मी सत्त्व	राजासीम	१२१-१२२	१३५	
८६०	६९७५ (३६)	आत्मीनी सत्त्व	सन्निधिक्य	९	२६१-२६२	
८६१	७६९७	मन्वन्तर सत्त्व		१२वीं	९	
८६२	११२५ (१५)	मन्वन्तर छंद	अक्षर	१७वीं	५	
८६३	१२१९	मन्वन्तर आसावबोध		१७वीं	१७	
८६४	२११९	विचार		१६ २	३९	
८६५	३२९३	संयुक्त आसावबोध		१८७५	६५	
८६६	३२९३	सन्निधान मुसक नीम ई	द्विरकसम्	१७वीं	५९ ६०	
८६७	३५१२	मन्वन्तर बुधा		१८८५	१५	
८६८	३५७५ (२६)	साकल	विजयसाम	२०वीं	१ २-११३	
८६९	२०५९	मन्वन्तर सत्त्व	विचार	१६वीं	५	
८७०	२०६०			१७वीं	५५	
८७१	३५६६ (१)	मन्वन्तर मंत्र आसावबोध	नारायणदास मङ्गळी	१६८७	५-१०	
८७२	३५६६ (३)	मन्वन्तर काम्य		१७वीं	१८-२६	
८७३	२६५५	मन्वन्तर पञ्चति		१८८७	१८	
८७४	५५६१	सत्सिद्धनामा और शैवीराम के कवित		१२वीं	६८९ पत्र	
८७५	१९८७	मन्वन्तर विचार		१७वीं	६	



क्रमांक	संकाय	संघ नाम	कार्यावाहिक आश्रय	सिद्धि समय	संघ संख्या	विशेष उल्लेखनीय
८२६	११०(३)	बर्मिन्टन शान्तिद्विती कक्षा	पुणे	१८७०	५-२	
८२७	१११(२३)	बर्मिन्टन शान्ति	पुणे	१८७०	१५५-१५६	
८२८	११२	पुणे	पुणे	१९	१९	प्रथम पत्र प्रकाशक
८२९	११३(१५)	बर्मिन्टन शान्ति	पुणे	१९-१९	७२-७७	
८३०	११४(११६)	पुणे	पुणे	१९-१९	७२-७५	
८३१	११५ (१०)	पुणे	पुणे	१९५७	१	
८३२	११६	पुणे	पुणे	१९५७	३	
८३३	११७(११)	बर्मिन्टन शान्ति	पुणे	१९५७	१५	
८३४	११८(२)	बर्मिन्टन शान्ति	पुणे	१९५७	१५	
८३५	११९ (१)	बर्मिन्टन शान्ति	पुणे	१९५७	१५-१६	१८७० पत्र प्रकाशक
८३६	१२०	बर्मिन्टन शान्ति	पुणे	१९५७	१५-१६	
८३७	१२१	बर्मिन्टन शान्ति	पुणे	१९५७	१५-१६	सर्व १९७३ ई. कक्षा प्रकाशक
८३८	१२२(२५)	"	"	१९५७	१५	सर्व
८३९	१२३	"	"	१९५७	१५	
८४०	१२४	"	"	१९५७	१५	
८४१	१२५	"	"	१९५७	१५	
८४२	१२६(१)	बर्मिन्टन शान्ति	पुणे	१९५७	१५	
८४३	१२७	बर्मिन्टन शान्ति	पुणे	१९५७	१५	
८४४	१२८(२)	बर्मिन्टन शान्ति	पुणे	१९५७	१५	
८४५	१२९	बर्मिन्टन शान्ति	पुणे	१९५७	१५	
८४६	१३०	बर्मिन्टन शान्ति	पुणे	१९५७	१५	

क्रमांक	संख्यांक	ग्रन्थ नाम	कर्ता यादि ज्ञातव्य	विवरण समय	पत्र संख्या	विशेष ज्ञानेजानीय
८४१	११७	मन्वकार बालाबोध		१७वीं	११	
८४७	११४२			१७वीं	१०	
८४८	१४१६			११वीं	२	
८४९	१११३	मन्वकार मंत्र शक्ति	राजसोम	११वीं	१३४	
८४०	११७४ (३९)	मन्वकार बासी स्तव	राजसोम	२०वीं	१११-११४	
८४१	७६७७	" बालीमी स्तवमय	सुभिक्षिण	११वीं	१	
८४२	११४४ (१४)	मन्वकार संस्कृत	संस्कृत	११वीं	२६ वीं	
८४३	११११	मन्वकार बालाबोध		१७वीं	४	
८४४	११११	विचार		१७वीं	१७	
८४५	१११३	संप्रष्ट बालाबोध		१९२	६९	
८४६	१११३	संनितान कुल्ल कोप ई	श्रीरक्तसरा	१८७४	६८	
८४७	१११३ (२४)	मन्वकार पूजा		१७वीं	४१६०	
८४८	१४१२	स्तवन	विजयसाम	१८८४	१४	
८४९	११७४ (२६)	मन्वकार संस्कृत	विजयसाम	२०वीं	११-११३	
८५०	२०४१			१७वीं	४	
८५१	२०६			१७वीं	४४	
८५२	१११६ (१)	मन्वकार मन्व श्रावण	मन्वकारमन्व मन्वकी	१६८७	४-१०	
८५३	१११६ (३)	मन्वकार मन्व		१७वीं	१८-२६	
८५४	१११३	मन्वकार पद्यति		१८८७	१८	
८५५	४४६१	संनितानामा और शैवीराम के कविता		११वीं	संस्कृत ग्रन्थ	
८५६	११८७	मन्वकार विचार		१७वीं	६	

क्रमांक	क्रमांक	ग्रन्थ नाम	कर्म कादि काव्य	निधि समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
८१७	११११(६)	महाभारतपुराणको		१७वीं	२६-१०	
८१८	१०५४			१६वीं	?	
८१९	११७०(४)	सावरकाल कोषाई		१००७	११-२६	बोबारी ग्राममें लिखित
८२०	१११२(१६)	सावरकाल		"	१२१-१२६	
८२१	११७३(३३)	"		"	८२-८६	
८२२	११११	"		१४वीं	४	
८२३	४४२२(४)	"		१०वीं	७-६	
८२४	४००१	" कोषाई	सर्दिसाल	१४२४	६	
८२५	१११६	" पंथ (पुस्तकालयको)		१५४२	४	
८२६	८१८	"		१७७६	७	
८२७	६२८	"		१६वीं	४	
८२८	६२८०	"		१७वीं	४	
८२९	४६२४(३)	सावरकाल कथा		१७८७	१३-१८	
८३०	३ ३६	सावरकाल कोषाई		१७वीं	६	
८३१	१११२ (११)			१६वीं	७४-८७	
८३२	१५६	साग पंथ		१७वीं	४	
८३३	४४२२(२२)	सागपंथ		१७वीं	२३ वां	
८३४	१४४२	सागी पंथका		१६वीं	२	
८३५	२०६६	सागीसा खरीब राल	समथपुर	१७४१	४	
८३६	४११२	सावित्रिका सोरठा		१६वीं	३१	
८३७	११०४(४)	सावित्रिकी साठठा	सांमथपुर	१६ वां	१०६-१२६	सर्वे लिखित पञ्जाबको जेठक जेठ

क्रमांक	हत्यांक	व्यक्त नाम	मर्ग प्राप्ति कारण	विविध समय	पत्र संख्या	विद्योत उल्लेखनीय
५८८	६२३०(३)	नामदेवजीका लख	एगबरेल	१८२१	१८७-२०१	लिंक रामदास भारद्वाजभा माये
५८९	५८३१	नामप्रसाद	माजोबास	१९५१	१२	
५९०	७८१६(३)	भारायण लीला	माजोबास	१८३१	१ ७ बी	
५९१	७७२२(५)	नातिका विहार	अनसाल	१८५१	१२	
५९२	२१४१	नासकेजु धारमाल	अनसाल	१८२७	१-६	
५९३	३५३३(७)	नासकेत कका जामाबखोय	अनसाल	१८२७	१०२-१०६	
५९४	१२७३(४१)			१८५१	६५-७३	
५९५	३५६३(२)	नासकेतरवेसरखीरी कका	नरदास	१७८६	८८	
५९६	६७४६(१)	नासकेतपुराण कका	नरदास	१९५१	५५	
५९७	५२६३	भाया		१८३७	५५	
५९८	६११०	"		१९५१	५१	
५९९	३५७५(५०)	निमोब विहार सलन	कामाप्रसोद	२०५१	१९५-१९६	
६००	३२६५	निमोपतिशोत भाया		१९५१	१५	
६०१	२५१२८(३३)	निर्वाणकाण्ड		१७३-१७२		
६०२	३५५७(१०)	नीताणी	केसोदास गारुण	१८५१	१०२ बी	
६०३	३५४६(१३)	नीताणी कथित		१९५१	७५-७५	
६०४	७७४२(२२)			१८५१	२५ बी	
६०५	१८३६(६)	नेमवीका भारद्वाज	पुरख	१९५१	५१-५४	
६०६	३५०८	नेमराजुल भुंखरी	ध्यामपुराब	"	२	
६०७	३३३०	का गांधी	कालिदियय			
६०८	३३२०	भारमाल	उदयवतल	१८५१	२५	

क्रमांक	दस्तावेज	पत्रक नाम	कर्ता यादि काष्ठक	लिपि रूपक	पत्र संख्या	शिकेसु उल्लेखनीय
२८	७६०१	मन्नाडकर का बारनाम	श्रीरक्तगा	१२बी	१	
२९	५७७(२)	मन्नाडकर की बारनाम	भास्कर मुनि	१८०२	१ भा	
३०	३१६(१२)	मेन्नाडकर की बीमती बारनाम	समुद्र	१२बी	४०-४२	
३१	२८३(५)	नमि गीत	"	१७बी	४ भा	
३२	११२(२२)	नमिनाथ धारापत्र सोल	भास्कर मुनि	१२बी	३१-३२	
३३	३२४(४)	"	समुद्र	१८२३	४	
३४	८८२	"	"	१६६१	८	
३५	३२३	कोशीम कोक	मन्नाडकर	१७बी	१	
३६	२१७०	वकाल	कनककोटि	१७३५	२	
३७	३८३	राज	सुधासन	१७१६	४	
३८	३२३	"	"	१८२४	७	
३९	८७३	"	भोरिकय	१६बी	८	वीसलगरसुं सिद्धि
४०	२४०	"	रङ्गसागर	१६बी	२	
४१	३२३	मिनिमल धाम	समुद्र	१७बी	२	
४२	४३७(३)	मेनिनाथ धाम	भगवंत	१२बी	२६-२७	
४३	३३७(५)	नमिनाथ धारनाम	देविकय	१२बी	२७-२८	
४४	२३७(७)	"	हवियक	१८बी	२८ बी	
४५	३३३	"	विपसिनेव	१७बी	२	
४६	२३६(१७)	मेनिनाथ रामक	मन्नाडकर	१२बी	३२-३४	
४७	४३४(३४)	मेनिनाथकी सागी	श्रीरक्तगा	१८७७	२३३-२३५	स १५००मि रचना
४८	३८३(३८)	मेनिनाथ श्रीरक्तगा	श्रीरक्तगा	१६५३	३३१-३३४	स १६५३मि रचना

क्रमांक	हस्तांक	प्रथम भाग	कर्ता भाषि भाष्य	सिद्धि समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
१३०	१०१७	नेमीचक्र स्तंभ शैली	उत्तमशिवदाय	१८७७	७	
१३१	१११३	राजपूताना स्तम्भ	शिवशिवदाय	१८७७	३	
१३२	१११४	संस्कृतशिल्पिका सार	शिवशिवदाय	१८७७	२	
१३३	१११०	संस्कृतशैली शोभाई	सिद्धमुद्रा	१८१६	३	
१३४	२ १४	भविष्य शोभाई	ज्ञानसागर	१८७७	१२	
१३५	१२७५ (११)	भस्मिन् स्तम्भ	सिद्धशिव	२०वीं	२११-२१२	
१३६	१२७५ (१०)	भस्मिन् स्तम्भ	सिद्धशिव	२०वीं	२१२-२१३	
१३७	१७२	पृथ्वीशैल मुद्रा रत्न	पुनसागर	१९७७	३	शिव शक्ति
१३८	४१०३	पृथ्वीशैल रत्न	शिवशिव	१९७७	गठका	
१३९	७१२७			१७४७-१७४७	१९	
१४०	७१२०			१७४७	१९	
१४१	७११४			१८४७	१९	
१४२	७११८			१८४१	७९	सि. क. शिवशैली
१४३	७११९			१८४१	मुद्रका	
१४४	१२१२ (१५)	पञ्चमहा	"	१८४१	"	
१४५	१२४९ (१२)	पञ्चमहा	"	१८४१	११६-११७	१ २ पत्र प्रस्ताव
१४६	१२४९ (१२)	पञ्चमहा	"	१८४१	७४ वा	सं १६२३में उचित
१४७	२८३१	पञ्चमहा याचि भाषाई	शिवशक्ति	१८७७	१२९	
१४८	२४१५ (२७)	पञ्चमहा शैली		"	१६५-१६७	
१४९	२८३१ (३१)	पञ्चमहा मण्डार		१७वीं	३६ वा	
१५०	२८३१ (४०)	"		"	८५ वा	
१५१	२८३१ (४२)	" शक्ति	शिवशक्ति	"	८६ वा	

क्रमांक	इच्छांक	इच्छा नाम	कर्ता प्राकृतिक शाला	निधि समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
२०२	७११	नगराजकुल का शास्त्रालय		१२वीं	१	
२०१	३०७७(१)	नगराजकुल का शास्त्रालय		१८०२	१ सा	
२११	१३१६०(१२)	नेमनाथजी की बीकानरी शास्त्रालय		१२वीं	४०-४२	
२१२	२४२३(६)	नमि पीठ	श्री रामनाथ	१७वीं	४ सा	
२१३	११२३(२२)	नेमिनाथ बाराणस पीठ	भाऊब सुनि	८१-८२		
२१४	३३४४(४)	बीक	प्रभुल	१२वीं	१२-१४	
२१५	२८२	"	"	१८२३	८	
२१६	३२११	पयल	नगपुर	१५५१	४	
२१७	२१७०	राग	कनकबीर	१७वीं	१०	
२१८	३८६१	"	दुधराल	१७३२	२	
२१९	१२३६	"	"	१७१५	४	
२२०	२७४	"	बीरबिक्रम	१८२४	७	
२२१	२४०	बिकानेर	रघुनाथ	१५वीं	४	बीसमन्यारमें स्थिति
२२२	३२३४	नेमिनाथ काग	राजपुर	१८वीं	२	
२२३	२३७४(२)	नेमिनाथ शास्त्रालय	बनारस	१८वीं	२१-२७	
२२४	२३७४(६)	"	देवबिक्रम	२७-२८	२७-२८	
२२५	२३७४(७)	"	प्रद्विष	२८वीं	२८	
२२६	३२०१	"	निमिनाथ	१८वीं	२	
२२७	२३६६(१७)	नेमिनाथ शास्त्रालय	नगपुर	१२वीं	३२-३४	
२२८	४६१४(३४)	नेमिनाथजी कापी		१८७७	२४५-२४६	सं १९७०में रचना
२२९	२८२३(२२)	नेमिनाथ मुंडोलाबा	श्रीरामनाथ	१९२२	१११-११४	सं १९२२में रचना

क्रमांक	प्रस्ताव	शाला नाम	कार्याचारि आठमा	शिक्षि संसद	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
२३०	२०१७	नेमीसर स्नेह शैली	अध्यापिका	१८७७	"	
२३१	३१२३	" रामगंगा स्तम्भ	शिक्षिका	१८७७	"	
२३२	३१२२	नंददाशिका शाला	अध्यापिका	१८७७	"	
२३३	३१३०	नंददाशिका शाला	अध्यापिका	१८७७	"	
२३४	२०२४	नेमीसर शैली	अध्यापिका	१८७७	"	
२३५	३२७२ (२२)	नेमीसर स्तम्भ	अध्यापिका	१८७७	"	
२३६	३१७३ (६०)	नेमीसर स्तम्भ	अध्यापिका	१८७७	"	
२३७	२७२	पुष्पीराम शाला	अध्यापिका	१८७७	"	
२३८	४१२४	"	अध्यापिका	१८७७	"	
२३९	७१२	"	अध्यापिका	१८७७	"	
२४०	७१५४	"	अध्यापिका	१८७७	"	
२४१	७१६४	"	अध्यापिका	१८७७	"	
२४२	७१६४	"	अध्यापिका	१८७७	"	
२४३	७१६२	"	अध्यापिका	१८७७	"	
२४४	३२६२ (१३)	पुष्पीराम शाला	अध्यापिका	१८७७	"	
२४५	३२६२ (१२)	पुष्पीराम शाला	अध्यापिका	१८७७	"	
२४६	२०३१	पुष्पीराम शाला	अध्यापिका	१८७७	"	
२४७	३२६२ (१५)	पुष्पीराम शाला	अध्यापिका	१८७७	"	
२४८	२०३१ (३१)	पुष्पीराम शाला	अध्यापिका	१८७७	"	
२४९	२०३१ (४०)	पुष्पीराम शाला	अध्यापिका	१८७७	"	
२५०	२०३१ (४२)	पुष्पीराम शाला	अध्यापिका	१८७७	"	

बीच में प्रति

लि. क. बिदली

१२ पत्र संख्या  
त १६२३ में रचित



एवम् आर्यविद्या प्रसिद्धान् - एतद्व्यतिरिक्तं संक्षेपं पुनश्च साम-१ ]

क्र.	समाप्त्यु.	ग्रन्थ नाम	कर्ता प्राणि जातव्य	निर्मि समय	पत्र संख्या	विशेष्य चम्पूकनीय
२२१	१८६३(४१)	पंचपरमैरिडि मयाकार	हीरकनाथ	१७वीं	३२ बी	
२२२	१९७२(५१)	संक्षेपस्य सारमय	शिवशंकर	१०वीं	२२१-२२४	
२२३	१०३१	संक्षेपी कथा-गाथ		१७००	७	
२२४	१८६३	पञ्चमेष पुत्रा		१२वीं	४	
२२५	२०३४	संक्षेपस्य तीर्थयात्रा सारम		१२१८	३	
२२६	१९२४(१)	संक्षेपस्य आत्मवर्णने		१८५३	१-३४	
२२७	१९२९(१३)	संक्षेपस्य देवी संक्षेप		१२वीं	८ बी	
२२८	१९७२(४४)	संक्षेपस्य शोभाई		१८वीं	२११-२२०	
२२९	१९३९	"			४	
२३०	१९२४	संक्षेपस्य शोभाई	मेख (?)	१८७२	३	
२३१	१९४०	संक्षेपस्य शोभा	ठाणुपती	१७वीं	१	
२३२	४९३४(२८)	पत्र	भीर	१८७७	१११-११३	
२३३	१८८२(१२६)	पत्र		१२वीं	१७ बी	
२३४	१८८२(१६)	"		"	११२ बी	
२३५	१८८०(५३)	"		"	२१-२४	
२३६	१८८०(७४)	"		"	६१-६२	
२३७	१८८०(८२)	"		"	१८ बी	
२३८	१८८०(८७)	"		"	७०-७१	
२३९	१८८०(८८)	"	भारती	"	७१ बी	
२४०	१८८०(८९)	"		"	"	
२४१	१८८०(९०)	"	भीर	"	७१-७२	

क्रमांक	संख्यांक	ग्राम नाम	कुटीरों की संख्या	निर्माण का समय	पथ की दूरी	विशेष उल्लेखनीय
२७२	१५६० (२६)	पट	मीरा	१९वीं	७६ मी	
२७३	१५६० (१५)	"	"	"	५२-५३	
२७४	१५६० (११६)	"	"	"	५६-६०	
२७५	१५५२ (६६)	"	गरा	"	४० मी	
२७६	१५५२ (११०)	"	कबीर	"	६२ मी	
२७७	१५५२ (१३४)	"	मीरा	"	६५ मी	
२७८	१५५२ (१३५)	"	सुरजीवास	"	६५-६६	
२७९	१५५२ (१३६)	"	गरा	"	४८ मी	
२८०	१५६० (२२)	"	गरा	"	१२६ मी	
२८१	१५६० (१४४)	"	मीरा	"	१२७ मी	
२८२	१५६० (१४५)	"	"	"	१४६ मी	
२८३	१५६० (१४६)	"	गरा	"	१२६ मी	
२८४	१५६० (१४७)	"	"	"	१२६ मी	
२८५	१५६० (१४८)	"	मीरा	"	१२६-१२६	
२८६	१५६० (१४९)	"	"	"	१२६-१६०	
२८७	१५६० (१५०)	"	मीरा	"	१७०-१७१	
२८८	१५६० (१५१)	"	"	"	१७६ मी	
२८९	१५६० (१५२)	"	मीरा	२०वीं	२६२-२६६	
२९०	१५६० (१५३)	"	शिवपुर	१८वीं	२०७ मी	
२९१	१५६० (१५४)	"	सकलकीर्ति	१८वीं	२४५-२४६	
२९२	१५६० (१५५)	"	"	१८वीं	१६-१७	
२९३	१५६० (१५६)	"	गरा	"	७२-७६	

क्र. सं.	वर्षाङ्क	व्यय नाम	वर्षा पारि वृत्तिका	विधि समय	व्यय मर्यादा	विशेष टिप्पणी
०३३	२३१८(१३)	प्रशिक्षण	श्रीरक्तस्य	१२वीं	४९-३०	
०३५	२३२३(१७)	प्राथमिकशाला	श्रीरक्तस्य	१७वीं	४ भा	
०३७	२३२८	प्राथमिकशाला	श्रीरक्तस्य	"	१२	
०३८	२३३४	प्राथमिकशाला	श्रीरक्तस्य	१८वीं	११८	वि. म. सखीबाबा
०३९	२३४२	प्राथमिकशाला	श्रीरक्तस्य	१२वीं	१	
०४०	२३२२(३०)	"	श्रीरक्तस्य	१८वीं	२८वीं	
०४१	२३२३(३८)	"	श्रीरक्तस्य	१७वीं	१९२वीं	
०४२	२३३३	"	श्रीरक्तस्य	"	१९५वीं	
०४३	२३३३	"	श्रीरक्तस्य	१७वीं	५	
०४४	२३३३(२)	"	श्रीरक्तस्य	१७वीं	३ वीं	
०४५	२३३०(८)	कर्मिका	श्रीरक्तस्य	१२वीं	७०-७४	
०४६	२३३२(३)	गुरा	श्रीरक्तस्य	१७०४	८८-८९	
०४७	२३३२(१)	"	श्रीरक्तस्य	२ वीं	११८-१४२	
०४८	२३३३(४०)	"	श्रीरक्तस्य	१२वीं	१०१वीं	
१०११	२३३३(२०)	"	श्रीरक्तस्य	"	१२८वीं	
१०१२	२३३३(३)	प्राथमिक शाला	श्रीरक्तस्य	७९-८३	१७-२३	
१०१३	२३३३(२४)	"	श्रीरक्तस्य	१७-२३	१७-२३	
१०१४	२३३३	प्राथमिक शाला	श्रीरक्तस्य	१८वीं	३	
१०१५	२३३३	प्राथमिक शाला	श्रीरक्तस्य	१८वीं	३	
१०१६	२३३३	प्राथमिक शाला	श्रीरक्तस्य	१८वीं	३	वि. म. सखीबाबा



क्रमांक	प्रस्ताव	पत्र नाम	कर्ता यादि कायम	मिति समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
१२०	४४२२(२८)	अधुलीवास्त		१८वीं	११२ वीं	सि. क. इकावारी
१२०१	४८००			१९१३	१४	
१२०२	२०२३(१)	सगरमीठा	विश्वविद्यालय	१७३४	१-२	
१२३	१२०६	" "		१७६८	३	
१६४	२१६८(१३)	भयट वी संस्थान		१८४८	४२-४४	
१२४	७६१	सरवाधिकार	उरी	१७९३	३३	सि. क. निरुपमाजी
१२०६	१२४६(७)	मजानीबीरो फ़र		१९०१	१९-१३	
१२०७	२३२६(२)	मजानीवास्तबीरो बीस यादि	सापुराम लेक	१८६१	६-४	
१६०८	२३३३	मजानीवास्त		१८७७	३	
१२०९	२९०९	भायततवास्तकं भाया		१८२७	७२	
१२१०	१२३	याकावागीत	हीरकान्त	१७७१	७० वीं	बीकातेके पट्टारवा रमसिंह
१२११	२८९१(३०)	याकावागीत	यास्तव	१७७१	१-१५	के समास्त कठोरी, नैपलीके पुन बीतसीकी प्रार्थना पर कान्हे पुष द्वारा मनीस
१२१२	४७६६(२)	यावालीकावती		१७७३		
१२१३	७४१	पुषडाटाविचार		१९वीं	२०	
१२१४	४७२२(१)	मैरव यादिकी ओमीविचार		१८८१	१०७-११४	
१२१५	१२३९	मोमलवास्त (मुपोल)		१८८७	१९	
१२१६	६००२	मोमलपुराम		१७७२	३०	सि. क. हीनपुराव
१२१७	१४७७	मोमलवास्तमोपोई		१७४०	३३	पत्र १४ १५, १६ कायम

क्रमांक	श्रेणी	पद नाम	कराँ पाकि भाष्य	निति समय	पत्र संख्या	विकल्प उल्लेखनीय
१११	१११३(५)	संकायनशास्त्रिक	सामान्य	१७वीं	३०-३४	
११२	१११३	" कोषी	सामान्य	१७००	१२	सं० ११२२२ में उचित
११३	१११४(७)	" "	सामान्य	१२१६	१-१२	
११४	१११४	" काम	सामान्य	१७वीं	३०	
११५	१०२२	" राम	सामान्य	१७०४	७	
११६	१००६	" "	सामान्य	१२१६	४२	
११७	१०२३(११३)	सामान्य पाकि भाषाके मापर तथा धारो की संख्या	सामान्य	१७वीं	१६७ वीं	
११८	११७७	संस्कारकुमाररास	सामान्य	१५	१५	
११९	४७२४	संस्कार कोषी	सामान्य	१५४८	२३	सि.क. कक्षाकीभाषा
१२०	४७२५	संस्कार	सामान्य	१७वीं	१०	सामान्य
१२१	४७२२(१)	संस्कार	सामान्य	"	२	
१२२	२१४३(१)	संस्कार	सामान्य	१०१०	१-४	
१२३	११४२(३)	संस्कार	सामान्य	१८वीं	१०२-१११	
१२४	२३३०(११)	"	सामान्य	१६वीं	४०-४७	
१२५	३२७७(४)	"	सामान्य	१७वीं	१-३३	
१२६	३२७७(४)	"	सामान्य	१७२८	३०-८२	
१२७	३२७५(१२)	"	सामान्य	१७२६	१-७७	
१२८	३२७५(१)	"	सामान्य	१८४३	१-२३	
१२९	३२७६(१)	"	सामान्य	१८४३	३२	



राजस्थान प्राकृतिक विज्ञान—राजस्थानी इलाहियात क्षेत्रीय प्रयोगशाला—भाग-१ ]

क्रमांक	डिपार्टमेंट	कर्मचारी का नाम	कर्मचारी का पद	कर्मचारी का नाम	निधि का नाम	पत्र संख्या	विशेष प्रकृतिक क्षेत्र
१२६७	३०६३	माधवदास कामदेवरा चौधरी	मुद्रापालास	१७१६	१५	७ स १७२०में रचित, विष्णुपुर में स्थिति	
१२६८	३२५५	"	"	१७३७	१०		
१३००	५२११(५)	"	"	१८१०	५		
१३०१	५२२५(१६)	"	प्रमथसोम	१७६२	१-२२		
१३०२	६७१	मातृसुवामाकली चौधरी	प्रमथसोम	१७७५	११		
१३०३	३२५७	"	"	१७६५	१०		
१३०४	३२७६	"	"	१७३१	२१		
१३०५	३२७५	"	मुद्रापुर	१८७०	१५		
१३०६	३११५	"	मोक्षविन्द्य	१८७०	२१		
१३०७	१००५	"	"	१८१३	२६		
१३०८	२०१७	"	"	१७६५	२५		
१३०९	२०५६	"	"	१७५०	३३		
१३१०	३२५१	"	"	१८७०	५१		
१३११	३२६१	"	"	१८५५	३५		
१३१२	२५२५(१०)	"	"	१७८३	१३-२५	मिस्त्रा राजनगर	
१३१३	३२५६	"	"	१७७६	२२	१० १७१०में रचित	
१३१४	५११५	"	"	१७०६	५५	विश्व सं० द्द	
१३१५	५११६(१)	"	"	१८७५	६५		
१३१६	५२६७	"	"	१८१५	३६		
१३१७	५३१५	"	"	१८२५	५०	विश्व प्रामाण्य	





क्रमांक	पत्रांक	पत्रक नाम	कर्ता कादि प्राकृतिक	मिति प्रसक्त	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
१५१०	५०६	रघुनाथकवच	मन्नाराम शिवर	१६वीं	७६	सं० १५२२में बीससालेसे रचित
१५११	१५११	रतिप्रभोद	कनकाश	१५२७	१२	
१५१२	६०६	रत्नकुमाररास	राधेशुभकर	१५वीं	११	
१५१३	११२३(२५)	रत्नकुमार कवच	सेवक	१६७५	५५-५६	
१५१४	११२४(३)	"	कनकनिकाश	१५७६	१-२२	
१५१५	३३२४(५)	"	"	१५४१	२४	
१५१६	३३२५	"	"	१६वीं	१५	
१५१७	३३२६	"	"	१५१४	१२	
१५१८	४	रत्नपाल कवच	रघुपति	१५२४	१४	
१५१९	२१५०	"	"	१५६४	३३	
१५२०	२२३०	"	कनकशुभकर	१५२१	१३	
१५२१	३५६४	"	सोपुनीकवच	१५१२	५४	
१५२२	३५६५	"	शुभनिकाश	१५०३	२७	
१५२३	१५६६	"	सुरनिकाश	१७७६	३२	सि. ए. पी. ए. का
१५२४	६३६	"	"	१५३०	५४	सं १७१२से रचित
१५२५	६५५	"	"	१५१७	२४	सि. क. शिवासोपाय
१५२६	४५६६	"	सोपुनीकवच	१६००	७६	प्रकाश पत्र प्रकाश, सं १७३३से
१५२७	५३७	"	सुरनिकाश	१५२७	३२	रचित
१५२८	५३७१	"	सेवक शूर			सि. क. प्रमोदसुनि
१५२९	४५७३	रत्नमहेश्वरसोपुनी	विश्वो ज्ञानो	१७४१	७	

क्रमांक	संख्यांक	पत्रक नाम	कपी यादि आख्या	मिथि समय	पत्र संख्या	विषय उल्लेखनीय
१४१०	४२२	राज्य रातो	विविधो जवो	१५०६	१४	लिखा सेवा
१४११	२११०	"	"	१५२२	३८	पत्र सं० ५ ६ समाप्त
१४१२	२११०(४)	"	"	१५४१	१-१३	
१४१३	१२४५(३)	"	"	१५५०	२१-२५	
१४१४	१२४६(२)	"	"	१५५१	२४-३१	
१४१५	१२५०(१)	"	"	१५५१	१-३१	
१४१६	१२५१(२१)	"	"	१५५२	१२२-१३२	
१४१७	११२३(६)	समाप्त रात	सर्वसुपर	१५५१	३२-४१	सं० १२५६मि रजिार
१४१८	१२५३	"	"	१५५०	१४	
१४१९	४६१४(३०)	समाप्त	कमिष ?	१५५०	२४५५	लिख प्रमुखाण
१४२०	४६१६(३)	समाप्त हुनीरती बाल		१५५०	४२-५२	
१४२१	१५००	समाप्त बाला		१५५०	३०	
१४२२	१५११	"		१५५२	१२	
१४२३	१५२२	"		१५५०	१०	
१४२४	१५०४	समाप्तसुनिवार		१५५२	३	
१४२५	१५०४	समाप्तसुनिवार		१५०१	४	
१४२६	१५०१	समाप्तसुनिवार		१५५४	५	
१४२७	१५१६	समाप्तसुनिवार		१५०१	२	
१४२८	२४१५(२३)	समाप्तसुनिवार	बहाण	१५५४	१४४-१६३	लिख समाप्तार
१४२९	२४१६(२५)	समाप्तसुनिवार	भाषुकीदि	१५५४	१४४-१६२	
१४३०	४५०	समाप्तार	समाप्तार	"	६	समाप्तार
१४३१	४५०	समाप्तार	समाप्तार	"	६	समाप्तार
१४३२	४५०	समाप्तार	समाप्तार	"	६	समाप्तार

राज्यपाल प्राथमिकीया प्रतिवेदन—राज्यपाली इकायनिकित एक मुली भाग-१ ]

क्रमांक	प्रत्यांक	एकक नाम	कक्षा प्रकारि प्राथमिक	निमित्त नाम	एकक संख्या	विशेष उल्लेखनीय
१४२१	४२७७(६)	राज्य पदाधिकारी		१४२१	३३-६	
१४२२	४२७८	राज्यपालाधिकार		१४२१	३	
१४२३	४२७९(३४)	राज्यपालाधिकार		१४२२-१७५	२-११	
१४२४	४२८०(२३)	राज्यपालाधिकार मुनासिब		१४२३	२६-२४	
१४२५	२४३२(५)	राज्यपाली शिक्षाकारी	प्रथम	१४२४	७१-४४	
१४२६	२०३६	राज्यपाली शिक्षाकारी	द्वितीय	१४२५	४-१५	
१४२७	२४२३(३४)	राज्यपालाधिकार	प्रधानाधीपति	"	१४२६-१५५	
१४२८	१४३२(२)	राज्यपालाधिकार		"	१-११	
१४२९	३४७३(५५)	राज्यपालाधिकार		१४२७	१-२५	६२६ १७५६
१४३०	२३३०(२)	राज्यपालाधिकार	रक्षक	१४२८	४०६-४१०	सि.क. सीमापाली
१४३१	४६०६(२)	राज्यपालाधिकार		१४२९	४५-४५	
१४३२	४६१२(१७)	राज्यपालाधिकार		१४३०	११६-१४१	सं० १२ ७ से सं० १७७० तक के सीतोपिया राज्याधिकार वरिष्ठ
१४३३	४६१५(२)	राज्यपालाधिकार		१४३१	७४	आपदा नरोसे प्रमर्शित-पुत्र संपादनित १७७
१४३४	७७२१(५)	राज्यपालाधिकार		१४३२	१	
१४३५	७७२२	राज्यपालाधिकार		१४३३	२	
१४३६	३६४६	राज्यपालाधिकार		१४३४		

जन्मानुसंधान आयोगाच्या प्रतिफल—राज्याचा भूतकालिक पात्र सुची, भाग-१ ]

क्रमांक	पत्ता	पत्तय नाम	ठरती पात्रि जातक	मिथि समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
१४५७	३२७७	राजकुलपथीको	सातपुत्र	१२७१	"	
१४५८	४२१४(७)	" बाणुमाली	राजुल	१२७२	१६७-१६८	मि.क. खासियि
१४५९	२११७(१३)	" "	सातपुत्र	१२७३	१-६	मि.क. सख्या
१४६०	७१२४	" "	सातपुत्र	१२७४	२	
१४६१	७२४३	राठोड राज मधुसरातोळरो	"	१२७५	३७	प्रथम पत्र प्रजाल
१४६२	३१४	बबनिका	बिडियो बळो	१२७६	१४-७३	मि.क. जर्मजुवर
१४६३	१२४६(८)	राठोडरी बंताबली	पारक पाळोराय	१२७७	१२२७	
१४६४	४२३४(२१)	राठोड नागुरबागरो बंद	प्रेमलंद	"	१४-१६	
१४६५	४२३४	राणावीकी आरुबुकी		१२७८	११	
१४६६	१४४६(७)	राबाकिलाल बाणाल		१२७९	२-१७	
१४६७	१००६	राबाकिलाल		१२८०	११-१३	
१४६८	७७४४(३)	राबाकिलाल		१२८१	१२७	
१४६९	११२२(१२)	रायिका कुमसंबार		१२८२	३०	ख्यास सं० १६७७
१४७०	४४२२(१२)	रायिकाजगजीरो छंर	सायबकीति	१२८३	३७	
१४७१	२६०१	रायकुलम बोपाई	सायबराय	१२८४	४४	
१४७२	११७७	रायकुल रावो	"	१२८५	७३-११६	
१४७३	११७८	"	"	१२८६	१-२१	
१४७४	११७९	"	"	१२८७	१-७१	
१४७५	११८०	"	"	१२८८		

राजस्थान प्राकृतिक संरक्षण - राजस्थानी सुरक्षित राज्य सूची भाग-१ ]

क्रमांक	वर्णनांक	प्राण्य नाम	नरती पारि भाग्य	भित्ति समय	पत्र पत्रा	विशेष उल्लेखनीय
१४५	४६२४(३)	रामपुरासो	सावोडास	१७८८	१-१२	मिठ्ठु जयसीमपत्राधि
१४६	७७२१(२)	"		१८२४	२३-६६	
१४७	७७२२	"		१८वीं	५१	
१४८	३३३३(२)	राम अरिच		१८७३	१५-१०१	
१४९	३३३७(७)	रामपेठनीरो सपतरो		१८वीं	८३ वां	
१५०	१४१७	रामपेठ सवारी	रामनाथ	१८वीं	१	
१५१	७८१०(२)	रामपरमनासनीरोपुष्ट	रामपरमनास	१८२४	२५-२३०	
१५२	१८२३	रामपरमनास		१८वीं	११४	
१५३	३३३३(३)	रामरासनीरो भास	पोंकिवरास	१७२८	१-२	
१५४	७७४४(१)	रामपेठनी	केसराज	१८७१	६३	० सं० ११००वीं रचित
१५५	१८६७	रामपेठनाथ	"	१८४७	१०	
१५६	३३८८	"	"	१७६४	५६	
१५७	११३७	"	"	१८२४	१	
१५८	५०२	रामरका भावा	रामरकाबी	१८३६	६-११	
१५९	२३०६(२)	"		१८वीं	८८-६२	
१६०	१७४६(२)	मंथ		"	३	
१६१	७९०६	रामपिरोठ भावा बरगिका	रामपंथमति	१८३०	१४१	पत्र १७५ से १०४ तथा ११७ से ११८ अत्रापु
१६२	१४४६	"		१८वीं	२६	
१६३	११२२(१३)	रामपेठ संथ	बेस कपि	२०वीं	७	
१६४	७१४०	रामप्रमथेकिनाथे प्याष्ट प्रस				

क्रमांक	पत्ता	पत्त नाव	वर्गीकृत प्रकार	क्रिया क्रमांक	पत्र क्रमांक	विशेष प्रलेखनीय
१२०६	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	२	
१२१०	११२२(२)	राजपूर	राजपूर	१००	१४-१४	
१२११	७७२२(क)	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२१२	७७२२(ख)	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२१३	२४३६	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२१४	२२१४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२१५	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२१६	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२१७	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२१८	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२१९	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२२०	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२२१	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२२२	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२२३	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२२४	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२२५	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२२६	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२२७	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२२८	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२२९	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२३०	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२३१	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२३२	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२३३	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२३४	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२३५	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२३६	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२३७	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२३८	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२३९	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२४०	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२४१	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२४२	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२४३	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२४४	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२४५	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२४६	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२४७	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२४८	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२४९	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	
१२५०	१४४	राजपूर	राजपूर	१००	१०४	

वि. क्र. प्रलेखनीय

वि. क्र. प्रलेखनीय

मुद्रा सं. ५४ वी १४ वी

पत्र क्रमांक

क्रमांक	संख्यांक	ग्राम नाम	कर्ता यादि काव्य	मिति समय	पत्र संख्या	विशेष बलेखानीय
१५२६	४०७५	सवित्री बंगी सहासावबोय	पुस्तकीराव	१८२५	४३	सि.क. बीकानवास टी. कुसलनीरपनि
१५२७	४०७६	" बेनी कटोक	टी. लखिबिजाण शिबमिबाण	१७८६	२७	बीर्ष
१५२८	४०७७	गाणकण्य यादि		१८७१	२७	
१५२९	४०७८	" " शिकारानी अर्कतद्विण		१८०४	१२	
१५३०	४०७९	भक्तिमूर्तिरर		१८०४	६	
१५३१	४०८०	"	दिवीराव	१८७१	७	
१५३२	४०८१	रात		१८७१	१५	पत्र सं० १ १२ सप्तम
१५३३	४०८२	कनवीरक विजय	मवासीवास पुष्करबा	१८७८	७	० सं० १७७५ में रचित
१५३४	४०८३	कनवीरकुमार रात लखि		१८७१	१३	सि.क. साप्ती रोपनी
१५३५	४०८४	कनवीरकी कथा		"	४-६	
१५३६	४०८५	रेडिया लखनय		१७७२	२-३	
१५३७	४०८६	रेवासके पर	रतनबाई	१८११	२०१-२०६	सि.क. रामरास
१५३८	४०८७	रोडिनी लपमदिमास्तकन	बीसाद	१८७१	१५६ बी	
१५३९	४०८८	"	"	२०१-२५४	२२	
१५४०	४०८९	सतरोवावली	"	१८७१	३	०
१५४१	४०९०	साबा पुनापीरी बात		१८७१	१५६-१६१	०
१५४२	४०९१	कविता		१८७१	८३ बी	सं० १७७५ में पाप्तीस रचना
१५४३	४०९२	सीसावती बीसाई	हेतराण	१७७१	१६	पत्र १ ३ सप्तम
१५४४	४०९३		सामबरीण	१७७२	१४	



क्रमांक	क्रमांक	ग्रन्थ नाम	अर्थात् प्राचिन आरम्भ	निधि संभव	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
१४२०	११७५	सोमावती चोपार्ई	सामर्थ्य	१८वीं	३५	
१४२१	११६४(२)	सोमावती भावा	सामर्थ्य	१८वीं	११-१४	
१४२२	१७१५	"	"	१८वीं	११	सं० १७१६में बीकारे में रक्षित
१४२३	१७२१	"	"	१८वीं	१५	
१४२४	६०४६	"	"	१८वीं	१६	लि.क. बेटा
१४२५	४३३६	, पाठ	अवधान	१८वीं	१२	सं० १७१७में रक्षित
१४२६	४२५५	"	"	१८वीं	१४	
१४२७	६८७	सोमावती पुनर्लिखित संस्करण	"	१८वीं	११	
१४२८	२०४०	"	"	१८वीं	१४	
१४२९	१२२७	"	"	१८वीं	१४	
१४३०	१३१४	"	"	१८वीं	१४	
१४३१	१३६७(५)	सोमा	"	१८वीं	१०	
१४३२	४६१४(२२)	संभावना निराकरण प्रशिक्षण स्वाध्याय	सुवर्णकर्मि	१८वीं	१०७-१०८	
१४३३	२४४२(१०)	सुवर्णकर्मि	सुवर्णकर्मि	१८वीं	२३४-२४५	
१४३४	२५६३(१२३)	सुवर्णकर्मि	सुवर्णकर्मि	१८वीं	१-५	
१४३५	१३१३	सुवर्णकर्मि	सुवर्णकर्मि	१९१६	१७५-१७६	
१४३६	४४२२(६९)	सुवर्णकर्मि	सुवर्णकर्मि	१८४	१०	
१४३७	१४५६	सुवर्णकर्मि	सुवर्णकर्मि	१८वीं	११५	लि.क. प्रीतिश्रीनाथ
१४३८	४८५	सुवर्णकर्मि	सुवर्णकर्मि	१८वीं	२१	
१४३९	४८५	सुवर्णकर्मि	सुवर्णकर्मि	१८वीं	१३	लि.क. सुवर्णकर्मि
१४४०	४८५	सुवर्णकर्मि	सुवर्णकर्मि	१८वीं	१५	

क्रमांक	संक्रमांक	वृक्ष नाम	वर्णन	वर्णन	मिति समय	पत्र संख्या	विशेष टिप्पणीय
१२७०	४७५१	बंयाकस्य	सुखमल	१५१४	४		
१२७१	७७२५	बंयाकस्य		१२४३	१५४		सि.क. बापटुठ बागावतसाही
१२७२	७७२७	"		१२४०	१२		
१२७३	११५	बकनासुल	सहकार्य स्वामी	१२४०	८४ बी		
१२७४	११२२(११)	बकनासुल		१२४०	२		पोहो बागी
१२७५	१०२४	बकनासुल		१२४०	२		
१२७६	२२४५	बकनासुल		१२४०	४-५		
१२७७	२५२३(५)	बकनासुल		१२४२	२२-११०		
१२७८	७७२१(१)	बकनासुल		१२४३	१-१४		
१२७९	४२२४(१)	बकनासुल		१२४३	२		सि.क. बापटुठ बागावतसाही
१२८०	४७१५	बकनासुल		१२४३	४४		
१२८१	७१४१	बकनासुल		१२४३	१		
१२८२	२१४५	बकनासुल		१२४३	१२-२३		
१२८३	१५१२(४)	बकनासुल		१२४३	४-५		
१२८४	२२११(३)	बकनासुल		१२४३	४		
१२८५	३४५४	बकनासुल		१२४३	२२२२-२४२		
१२८६	३४५५	बकनासुल		१२४३	८४ बी		
१२८७	२१७५(२०)	बकनासुल		१२४३	२२		
१२८८	२२२३(४२)	बकनासुल		१२४३	४७-४३		
१२८९	२१२४	बकनासुल		१२४३			
१२९०	२१७४(१३)	बकनासुल		१२४३			



राजस्थान शास्त्रविद्या प्रतिष्ठान—राजस्थानी हस्तलिखित ग्रन्थ सूची भाग १ ]

क्रमांक	प्रमाणिक	ग्रन्थ नाम	कर्म पाणि काठक	तिथि प्राय	पृष्ठ संख्या	निरीय संशोधकीय
१६१२	२ १६	विक्रमदेवकोषाई	परमसागर	१८१५	६१	८.का १७२५
१६१३	३८६८	"	भाषासागर	१८२८	१६	
१६१४	३८६८	"	"	१७८४	४८	
१६१५	३८६१	"	"	१७९८	१३	
१६१६	३८७३ (२६)	विक्रम शरीतर शारदा	राजकीयकला ग्रंथि	१८०१	२४	ग्रन्थ
१६१७	७०१८	विक्रमविरय भूपाल चंद्रदेवक हरिच	कर्मिणी (१)	१७९९	५	८.का सं १७२४
१६१८	६४१५	विक्रमविरयसावनी	नारयति कवि	१८७७	१२	लि.का देवाय
१६१९	१०१६	" हरिच कोषाई	भासकर्मण	१७०६	१८	
१६२०	३८०१	" नवशैल कन्या कोषाई	"	१८४८	१७	
१६२१	२०८२	विचारकालाकोष	सिद्ध	१७०१	७७ पं	
१६२२	११२३ (१६)	विचारसंगम	पुष्टि	१८०१	४ का	
१६२३	११२५ (६)	विक्रममयूरि नीताम्नी कव	चंद्रकीर्तिपूरि	२००१	४४-८७	
१६२४	३५७४ (२१)	विक्रमदेव विद्यापारंगामी कोशाभियो	भासकर्मण		५	
१६२५	७६२	" सावको	राजसिंधु		८	
१६२६	२२२७	विद्याविनासकोषाई	विनयुर्व	१७०१	१३	
१६२७	३८२२	"	श्रीराजसिंधुपूरि	१६८३	२१	
१६२८	३८६७	"	"	१८५०	१८	
१६२९	५१११	"	"	१८५८	१८	
१६३०	११२३ (१)	पषाठक	"	१६३१	२-४	सं १५८३ सं रचित
१६३१	१८२४ (२)	"	"	१६०१	४-८	
१६३२	१६२७	"	"	१६७६	६	

क्र.	संख्या	पुस्तक नाव	कर्ता यादि आराध्य	मिथि सारक	पत्र संख्या	सं० पुस्तकें रजिस्त
१६३३	२०१३	विष्णुविष्णुता स्यात्कम्	श्रीपदबंधुदरि	१२वी	५	
१६३४	३२४२	"	श्रीरामेश्वर	१७वी	५	
१६३५	१००५	विष्णुसहस्रनाम	आपसतापार	१५७५	२३	
१६३६	५ २२	विष्णुसहस्रनाम कथा	"	१२वी	७	
१६३७	२१२३	विष्णुसहस्रनाम	सायबखतमाय	१२वी	२२	
१६३८	२१७४(१७)	"	"	१२वी	६३	
१६३९	३२१४	"	दाक्षिणिकमत	१२वी	१४	
१६४०	४४२३(४१)	विष्णुसहस्रनाम	केशोदास	१२वी	१-२	
१६४१	४१४२	विष्णुसहस्रनाम	"	१५ ५	११४-१२१	
१६४२	३२४५(१)	विष्णुसहस्रनाम	"	१२वी	१२३ वी	
१६४३	३२४६(१५)	"	"	"	२ वी	
१६४४	३२४७(२२)	"	"	"	११	
१६४५	३२४८(७)	"	"	"	११०-११५	
१६४६	३२४९	विष्णुसहस्रनाम	कामपुस्तक	१२वी	५	
१६४७	३२४९(२२)	विष्णुसहस्रनाम	कामपुस्तक	१२वी	५,	
१६४८	२२१७	विष्णुसहस्रनाम	विष्णुसहस्रनाम	"	३२	
१६४९	६५२	विष्णुसहस्रनाम	विष्णुसहस्रनाम	१५१२	५	
१६५०	३७१५	विष्णुसहस्रनाम	विष्णुसहस्रनाम	१५५	१७३ वी	
१६५१	३७७२	विष्णुसहस्रनाम	विष्णुसहस्रनाम	१७वी	११४-११५	
१६५२	२५२३(१२८)	विष्णुसहस्रनाम	विष्णुसहस्रनाम	"	"	
१६५३	२५२३(१०३)	विष्णुसहस्रनाम	विष्णुसहस्रनाम	"	"	





राजस्थान प्राकृतिक संरक्षण—राजस्थानी इतिहासीय वन्य जीवों का—१ ]

विशेष उल्लेखनीय

क्र.सं.	श्रेणी	व्यवस्था	व्यवस्था	व्यवस्था	व्यवस्था	व्यवस्था
क्र.सं.	व्यवस्था	व्यवस्था	व्यवस्था	व्यवस्था	व्यवस्था	व्यवस्था
१६६२	१६६७(११)	बाराक सुन्दर		१६६७	१६-१२६	
१६६५	१६६७(१३)	"		१६६७	१६६-१६६	
१६६७	१६६७	"		१६६७	२७	
१६६८	१६६७	"		१६६७	२५	
१६६९	१६६७(२१)	वीरायतपुर	विकास	१६६७	२४८-२४०	
१६७०	१६६७(१)	वीरलमारी बाल		१६६७	३-१६	
१६७१	१६६७(१)	सुन्दरना रात	वर्धन	१६६७	१-३	
१६७२	१६६७	सुन्दर विकास		१६६७	१	
१६७३	१६६७(३५)	सुन्दरनाली		१६६७-१६६७	८	
१६७४	१६६७	सुन्दरनाली बोरान		१६७०	१६०	सर्वादि वीरलमारी वन्य जीवों का संरक्षण हेतु
१६७५	१६६७(३२)	सुन्दरनाली		१६७०	५	का भी संरक्षण हेतु
१६७६	१६६७(३)	सुन्दरनाली बोरान		१६७०	५	सर्वादि वीरलमारी वन्य जीवों का संरक्षण हेतु
१६७७	१६६७(७)	विकास		१६७०	५	सर्वादि वीरलमारी वन्य जीवों का संरक्षण हेतु
१६७८	१६६७	सुन्दरनाली		१६७०	५	सर्वादि वीरलमारी वन्य जीवों का संरक्षण हेतु
१६७९	१६६७(५)	"		१६७०	५	सर्वादि वीरलमारी वन्य जीवों का संरक्षण हेतु
१६८०	१६६७(२८)	सुन्दरनाली बोरान		१६७०	५	सर्वादि वीरलमारी वन्य जीवों का संरक्षण हेतु
१६८१	१६६७	सुन्दरनाली		१६७०	५	सर्वादि वीरलमारी वन्य जीवों का संरक्षण हेतु
१६८२	१६६७	"		१६७०	५	सर्वादि वीरलमारी वन्य जीवों का संरक्षण हेतु
१६८३	१६६७	"		१६७०	५	सर्वादि वीरलमारी वन्य जीवों का संरक्षण हेतु

सर्वादि वीरलमारी वन्य जीवों का संरक्षण हेतु



राजस्थान प्रायश्चित्त प्रोत्साहन-राजस्थानो दुस्साक्षित संघ मुंबई भाग-१ ]

राजस्थान प्रायश्चित्त प्रोत्साहन-राजस्थानो दुस्साक्षित संघ मुंबई भाग-१ ]		कर्म प्रारंभ	मिति समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
क्रमांक	व्यक्तिक	व्यक्तिक	मिति समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
१०१५	५९५९	प्रातःकाल	१८८०	५९	
१०१६	५९६०	"	१८८०	५९-१५	
१०१७	५९६१(१)	दशमि	१८८०	२	मि.क प्रीतिशोभाय
१०१८	५९६२	दशमि	१८८०	११८८	मि.क. गोपाल मिश्र
१०१९	५९६३	"	"	२१	
१०२०	५९६४	"	"	५	
१०२१	५९६५	"	"	२	
१०२२	५९६६	"	"	२	
१०२३	५९६७	"	"	१	
१०२४	५९६८	"	"	१	प्रवचनस्य विहित
१०२५	५९६९	"	"	२	
१०२६	५९७०	"	"	१७-२७	
१०२७	५९७१	"	"	११५.८	
१०२८	५९७२	"	"	१५०-१८०	प्रभु
१०२९	५९७३	"	"	२१	
१०३०	५९७४	"	"	५२-५४	
१०३१	५९७५	"	"	८२	
१०३२	५९७६	"	"	१-२	

विशेष जलवेधकीय

क्रमांक	परमाणु	पुष्प नाम	कवी भाषि शीतक	निधि समय	पत्र संख्या	विशेष जलवेधकीय
१०११	१ २४	बीपासकथा	रत्नोत्तर	१७१०	११	
१०१२	११११	, कल्पि माया	पुन्यसिखय	१११७	१०१	वि.क. माण्डव प्रवास पत्र सभापत्र
१०१३	११११	"	महिनीरय	१११८	४१	
१०१४	११११	बीपास कौण्ड	विमलवृं	११२१	२४	
१०१५	४००२	"	व्याससागर	११२४	१४	
१०१६	४१११	"	हृदयकर	११३१	११७	वि.क. मोदीबंध
१०१७	७००१	बीपास नरेंद्र कथा	विमलविजय	११३४	७०	
१०१८	७२४०	बीपास शर	भारतसागर	११३५	८	
१०१९	११०१	"	विमलवृं	११३६	२७	
१०२०	११०१	"	विमलविजय	११३७	४४	
१०२१	११२४ (२)	"	भारतसागर	११३८	२१-३७	
१०२२	१०२४	"	विमलविजय	११३९	४४	
१०२३	२११०	"	विमलवृं	११४०	११	
१०२४	२१२४	"	पुष्पपत्र	११४१	४४	
१०२५	२४२१	"	विमलवृं	११४२	२२	
१०२६	२४२१	"	विमलविजय	११४३	२५	
१०२७	२४२१	"	भारतसागर	११४४	४४	
१०२८	२४२१	"		११४५	११	

क्रमांक	संख्यांक	प्राप्त नाम	कतारी यादिक आतक्य	निर्णय समय	पत्र संख्या	विषय संख्या
१७२६	४४६३	बनियाल राठ	आतकार	१७३२	१३	
१७२७	६१२७	"	विनयविजय	१८३७	४४	
१७२८	६७४६	"		१८७७	गुडका ७	
१७२९	४३७३(४)	पंजिबत सोसाई		१८०६	१६-११८	
१७३०	२१२०	"		१८३४	२३	
१७३१	२१२१	"		१८४१	१३	
१७३२	२०३	"		१६२०	२१	
१७३३	४४२२(७७)	आनकथ		१८४०	१२३ बी	
१७३४	२८६१(४२)	आनकोट्या विहार		१४३-१४४		
१७३५	२४६३(७४)	" छकुन विहार		१४०-१४१		
१७३६	२४६३(४४)	आनु बाय इपतालीत नाम मंडित			८७-८८	
		मनकार				
१७३७	६३४८	आनु बाय चंडार	आनुबा	१६५७	६	
१७३८	१००२	" राठ	सतगुरुवर	१८३६	८	
१७३९	१८३८	"	"	१८२८	१०-१६	
१७४०	२२२६	"	"	१८४०	२३	
१७४१	३४२४(३)	"	सतगुरुवर	१८४०	१०-१२	
१७४२	३६२३	"		१६६२	६	
१७४३	६४३८	"		१८४०	६	
१७४४	४४३६(२)	" राठ		२०४०	४-१७	
१७४५	३४७२(४७)	आनु बायकोमोती	रेवणत		२७०-२७०	

• सं. १६८२में गावोसले स्थित

मि. क. आनकथ

क्रमांक	समाप्ति	पत्रक नाम	कर्म सांख्यिक विवरण	निर्दिष्ट राशय	पत्रक संख्या	विद्योत उद्योगकीय
१७७६	२५२३ (५)	सांख्यिक विवरण	१७७६	१७७६	१७७६	
१७७७	३२७२ (२७)	सांख्यिक विवरण	१७७७	१७७७	१७७७	
१७७८	३५३६	सांख्यिक विवरण	१७७८	१७७८	१७७८	
१७७९	३६५५ (३)	सांख्यिक विवरण	१७७९	१७७९	१७७९	
१७८०	२३६५ (१०)	"	१७८०	१७८०	१७८०	
१७८१	३५७३ (२३)	"	१७८१	१७८१	१७८१	
१७८२	५६६०	राज	१७८२	१७८२	१७८२	
१७८३	२७१	राज	१७८३	१७८३	१७८३	
१७८४	२७७५	राज	१७८४	१७८४	१७८४	
१७८५	२१०२	"	१७८५	१७८५	१७८५	
१७८६	७७७० (७)	सांख्यिक विवरण	१७८६	१७८६	१७८६	
१७८७	५०२५	सांख्यिक विवरण	१७८७	१७८७	१७८७	
१७८८	६२३	"	१७८८	१७८८	१७८८	
१७८९	६३३	"	१७८९	१७८९	१७८९	
१७९०	१००७	"	१७९०	१७९०	१७९०	
१७९१	१५३६ (१५)	"	१७९१	१७९१	१७९१	
१७९२	२०२०	"	१७९२	१७९२	१७९२	
१७९३	२१५६	"	१७९३	१७९३	१७९३	
१७९४	२३७५ (१)	"	१७९४	१७९४	१७९४	
१७९५	३५५७	"	१७९५	१७९५	१७९५	

पत्रक सं. १०५६-१०५७ का विवरण

सं. ११६७ का विवरण

क्रमांक	पत्रांक	पत्रक नाम	कदा कति मास	निर्णय समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
१७८७	११२५ (१)	प्राकृतिक विद्यालय	सितम्बर	१९३६	१-८	
१७८८	११२६	"	"	१९३६	१८	
१७८९	११२७	"	"	१९३६	१८	
१७९०	११२८	"	सितम्बर	"	६	
१७९१	११२९ (१)	"	"	१९३६	२०-१६	
१७९२	११३०	"	"	"	१२	मि. ए. लार्ड क्लेवेल
१७९३	११३१	"	"	१९३६	१८	
१७९४	११३२	"	"	१९३६	१६	
१७९५	११३३	"	"	१९३६	१७	मि. क. बुधालकर
१७९६	११३४	"	"	१९३६	१६	
१७९७	११३५	"	"	१९३६	२६	मि. क. बुधाल
१७९८	११३६ (२)	"	"	१-१	१-१	
१७९९	११३७	संस्कृत	"	१९३६	१	
१८००	११३८ (१)	प्राकृतिक विद्यालय	"	१९३६	२०-४२	
१८०१	११३९	"	"	१९३६	४१-२०	
१८०२	११४० (१)	"	"	२०३६	६	१३ पत्र प्रकाशित
१८०३	११४१	"	"	१९३६	१०४	मि. क. लार्ड क्लेवेल
१८०४	११४२	"	"	१९३६	१४	मि. क. लार्ड क्लेवेल
१८०५	११४३	"	सितम्बर	१९३६	१६	मि. क. लार्ड क्लेवेल
१८०६	११४४	"	"	१९३६	१६	मि. क. लार्ड क्लेवेल
१८०७	११४५	संस्कृत	"	१९३६	१६	



अन्वय प्राप्तिव्याप्य प्रतिक्रिया—राजकीय श्रुतिनिहित पंच मुक्ती भाग-१ ]

क्र.	संख्या	पद्य नाम	कर्ता यादि प्रात्यक्ष्य	मिति समय	पत्र संख्या	विषय उल्लेखनीय
१२११	२२२२	सलोचकथा	कोरो	१८८३	१०	
१२१२	३३३२(५)	"		१२७०	३४-३५	
१२१३	३३३२(६)	भारता		१२७	५०-५५	
१२१४	३३३४(१९)	स्वाभिव्यक्ति	मीन	१८८३	२१२-२४२	
१२१५	२२१०(४)	सत्यमेव जयते		१८८३	३४	
१२१६	११२२(३३)	सत्यमेव जयते		१२८०	४२३	
१२१७	२२०५	"	मनोराम	१२८०	४	
१२१८	३१२३(५)	सत्यमेव जयते		१८८३	४१-४६	
१२१९	७०४३(१५)	सत्यमेव जयते		१८८३	८६-१०५	
१२२०	४६१४(३१)	सत्यमेव जयते		१८८३	२७६-२८३	
१२२१	३६ ८	सत्यमेव जयते		१८८३	४२	
१२२२	३६ ९	सत्यमेव जयते		१८८३	३०	
१२२३	२०५३	सत्यमेव जयते		१८८३	१६	
१२२४	३३४३(४)	सत्यमेव जयते		१८८३	७-६	
१२२५	४६१४(५)	सत्यमेव जयते		१८८३	१८५-१९०	
१२२६	४०२४	सत्यमेव जयते		१२८३	०२	
१२२७	२१७४(४)	सत्यमेव जयते		"	२३-२५	
१२२८	३३०५(६६)	सत्यमेव जयते		२००१	३००-३३	
१२२९	३३०५(७३)	सत्यमेव जयते		१८८३	३०५-३१२	
१२३०	१११५	सत्यमेव जयते		१८८३	५	
१२३१	३३ ७	सत्यमेव जयते		१८८३	८५	





क्रमांक	शुभांक	पुस्तक नाम	कहाँ पादि प्राप्त	मिथि समय	पत्र संख्या	प्रिन्टिंग एजेंसी
१११२	४६०६(४)	सत्यवा श्रवणी	राज कवि	१७६८	२३-१४	प्रि.क. देवसर्वात्म्य
१११३	४६२२(२०)	" सत्यवारी पादि	प्रताप शहा गुलाम पादि	१८७१	२० बी	प्रि.क. श्रीविहीनात्म्य
१११४	४६२२(१४)	" संख्य	इमाम काओराम पादि		१७ बी	
१११५	४६२२(४३)	" "	साधुकीर्ति	२४४	६	
१११६	४६२४	सत्यवारी पुस्तक			१	
१११७	४६३	सत्यवारी सत्यवार्ता		१८७१	३	
१११८	४६३	साठ संख्यारी		१७७१	३२	
१११९	४६३६	साठ संख्यारी श्रेया		१८०३	४४	
११२०	४६३७	साठ संख्यारी कल		१८६१	१-२२	
११२१	४६४४(४)	"		१८७१	७३	प्रतापशही सौ. सौ. देवसर्वात्म्य
११२२	४६४	साठ शारदा श्रेया	श्रीरक्तम	१८७१	१६ बी	साहित्य कल
११२३	४६२४(३२)	" सिमाकिता		१७६	१३-१४	
११२४	४६२३(३६)	साठ सिमा सौ.स		१९२२	७० बी	
११२५	४६२४(३१)	साठ सत्यवारी संख्या		१७६३	१२-१३	
११२६	४६२२(३४)	(सत्यवारी)		१८७१	१३ बी	
११२७	४६४	साधुसिमास्य श्रवणाकोश	पाठश्रव	१७७१	१८	
११२८	४६७६	साधुसिमा	समयसुखर	१७३४	५	
११२९	४६४	साधुसिमा सौ.स		१८३४	२३	
११३०	४६८६	"		१८६४	२२	

क्रमांक	संख्यांक	सम्बन्ध नाम	कर्ता यादि श्रोतव्य	तिथि समय	पत्र संख्या	विवेक उत्सोकीय
१२८२	४००	सोपमसुन्दर बोपाई	समयसुन्दर	१८वीं	१४	
१२८३	२८२३ (३०)	सामयिक कवीस बोपविकरण कुमर बोपाई	हीरकमल	१७वीं	१४-१६	
१२८४	२२७२	सायुधिकसालन भावा	सविपसुन्दर	१७७४	४	
१२८५	८६३	सारसिधामणि रास	मालदेव	१७२३	१-१७	
१२८६	१८६८ (४)	साधन		१२वीं	२४ वीं	
१२८७	११२२ (४४)	सासकवृत्तों संवाद	बालसागर	१९७५	२	
१२८८	११२४ (४)	साधुपदम नीलकण्ठ भास	मोतीरास	१२वीं	३	
१२८९	१७३१	साधुलगावजरा सुहा		१७२६	२-१४	
१२९०	१३४८ (७)	साधुकाका कुलपुत्रीस साधुवती बायला				
१२९१	१३३२	सिद्धकवरास	बालसागर	१६८५	१६	
१२९२	१३७३ (४८)	सिद्धसोमशैल्यपरिपटी	देवकांड	२ वीं	२८४-२९१	
१२९३	१३११	सिद्धसोमबोपाई		१७वीं	१	
१२९४	२८२३ (३३)	बोल		"	२०-२३	
१२९५	७१०५			१६१०	४७	
१२९६	७२४६	सिद्धसोमसरोवर		१७७६	३२	सायसुन्दर वरक मुद्रिका
१२९७	६३७६	सिद्धसोमनी मास	सायसुन्दर	१८वीं	२	
१२९८	१३३३ (१६)	सिद्धसोमनी मासकी शीकानेरी बोपवृत्तु बोपान्ना		१२वीं	१०२ वीं	
१२९९	४००६	सिद्धसुन्दर बोपाई	समयसुन्दर	१७२४	६	सि.क. सुभाषसुन्दर

राज्याबाबत वाच्यविका प्रतिपत्तन—राज्यपाली हुस्तमिहित संघ मुंबी, मार्च-२ ]

विशेष उल्लेखनीय

क्रमांक	क्रमांक	प्रथम नाम	कर्ता यादि आरम्भ	मिति समय	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
२०००	४८२५	मिठुनागुल बोपाई	सामयपुर	१७वीं	६	
२००१	४९११	मिठुनागुल बोपाई	सामयपुर	१७६०	११	
२००२	२१४४(२)	"	सामयपुर	१८३३	१२-१२	
२००३	२११५	"	सामयपुर	१७८२	२६	अपघने ३ पत्र हूँ
२००४	२४६३(१)	" इन्वितिका	सामयपुर	१९१६	३	
२००५	३१३४(१)	बोपाई	सामयपुर	१९४०	१-७३	
२००६	३२६०	मिठुनागुल बोपाई	सामयपुर	१९४०	७३	
२००७	३४६	बोपाई	सामयपुर	१९४२	१४२	
२००८	३२२४(२)	कपा	सामयपुर	१९४७	७४-११३	
२००९	३४६७(७)	सोकोसरी संघ	सामयपुर	१९४७	१०६-१०७	
२०१०	११४४(२)	सोकोसरी संघ	सामयपुर	१९४७	२५-३०	
२०११	२०७२	सोकोसरी संघ	सामयपुर	१९४७	३	
२०१२	६६	सोकोसरी संघ	सामयपुर	१९४७	१०२	
२०१३	१६०५	सोकोसरी संघ	सामयपुर	१९४७	३९	
२०१४	६२३३	सोकोसरी संघ	सामयपुर	१९४७	६२	
२०१५	१०३६	सोकोसरी संघ	सामयपुर	१९४७	४०	प्रथम प्रथम प्रथम
२०१६	३६२५	सोकोसरी संघ	सामयपुर	१९४७	४२	मेकुराये रचित
२०१७	७७२३(२)	सोकोसरी संघ	सामयपुर	१९४७	३०-३१	
२०१८	१४७३(२७)	सोकोसरी संघ	सामयपुर	१९४७	७२-७०	
२०१९	१२७३(४)	सोकोसरी संघ	सामयपुर	१९४७	३०-३२	
२०२०	२१२७(२)	सोकोसरी संघ	सामयपुर	१९४७	१०-१३	

क्रमांक	पन्नाङ्क	ग्रन्थ नाम	कृता यापि साठ्य	लिपि घनम	पत्र संख्या	खिलेप सम्बन्धीय
२०२१	२३७४(१६)	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्		१६वीं	५०-५१	
२०२२	३३७३(१५)	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्		२०वीं	१५७-१७३	
२०२३	३६११	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्	ब्रह्मसूत्रम्	१८५०	१६	
२०२४	३३७३(१६)	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्	सूत्रम् ?	१७९१	१-११	
२०२५	४०७	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्	दीपो	१८५०	२१	लिखित संज्ञात्मक
२०२६	४०७	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्	"	१८५५	२०	लिखित बाईकोषा
२०२७	३६१०	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्	रास	१८९१	१५	
२०२८	२०५३	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्	कोस्मोग्रफि	१९७०	१३	सं १३०१सं दक्षिण
२०२९	३७२३	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्	"	१७७६	३	
२०३०	३३५०(१३)	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्	दुर्धर्षिता	१६वीं	५७-८६	
२०३१	२५३२(४)	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्	सामाजिक	१७७४	५३-८५	
२०३२	२३७५(२)	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्	सामाजिक	१८वीं	१२-१३	सं १३१०सं दक्षिण
२०३३	३२७४	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्		१६वीं	८	
२०३४	३३७५	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्	साहित्यपुरि	१८वीं	५	
२०३५	३३७३(१३)	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्	सूर्यप्रकाश	१७वीं	७१-७४	
२०३६	३३७३(१५)	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्	"	१६वीं	३७-६०	
२०३७	३८१	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्	विष्णुपुराण	११	११	
२०३८	२६६	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्	साहित्यपुरि	१३	१३	
२०३९	४०००	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्	साहित्यपुरि	१८७६	५	लिखित संज्ञात्मक
२०४०	३३५२(१)	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्	साहित्यपुरि	१८वीं	१-१७	
२०४१	४६१२	सौर्यप्रकाशितसूत्रम्		१६वीं	४	



क्रमांक	संख्यांक	ग्रन्थ नाम	कदा पाठि आठव	मिथि मास	पत्र संख्या	विशेष उल्लेखनीय
२०६३	२३६८(६)	पुस्तकालीरो विसोको	सेख	१२वीं	१७-१६	
२०६४	३२२४	"		१५०१	१	
२०६५	३२२७(३)	"		१८वीं	७२ वीं	
२०६६	७७२४	पुस्तकप्रकास	अरबीशान	१८४१	३००	
२०६७	३२६२(३)	पुस्तकालीरो विसोको	शैबीशान	१६२६	१७-१८	
२०६८	२३६०(१)	मुद्राबहुसरी बात		१४	१४	
२०६९	२०४४	पुस्तकालिका वीच	सकसचंद्र	१८वीं	१४	
२०७०	७२१	पुस्तकालिका (कथा)	पुस्तकालिका	१८७७	७	
२०७१	६७२२	सेकसचंद्रको परखी	गोविंदबहाल ?	१६२६	३	
२०७२	३२४६(२)	सेरतिवु विसरिया पाठि प्रलेख		१६वीं	६-१०	*
२०७३	३२४६(१०)	राज्यासोका सयलरा				
२०७४	२०६१(२)	सोनीगरा विरसेरी भारत		१८३४	८६-६३	* सं १४८२के समान
२०७५	४०११	सोमकरी घनाकसरी कथा		१८४४	२-१४	
२०७६	७७२२(३)	" भारत		१८४३	३	सि.क. श्रीकृष्णराज
२०७७	२१४२(१)	सोखरीभंदरी बात		१८वीं	४१-४८	
२०७८	४४१७(२२)	सोसुकारणका दासा		१६वीं	१-४	
२०७९	४६१४(४४)	सोसु स्वयं श्रीमती		"	१४७-१४६	
२०८०	२२२४	सोभाग्यसंप्ती बोपाई	बिजराग	१८७७	२७४ वीं	
२०८१	६३२८			१८वीं	१७	
२०८२	२३७१(३)	सकसचंद्रबुधिसिखका		२०वीं	२४	

क्रमांक	प्रमाण	संख नाम	कृती याचि भाष्य	क्रिया क्रम	पत्र संख्या
२१२४	२२२३(२१)	हृदयानी (हीमाली)	बोध	१७वी	४६ वां
२१२५	४६०४	हृदयानीरा प्री " "	हिसर भाष्य	१८वी	११-२५
२१२६	(१ ११२२)	हृदय	"	१८वी	१९
२१२७	२१७७(३)	हृदय	"	१८वी	२-१४
२१२८	१४४४(४)	"	"	१८वी	४२-६७
२१२९	१४४४(५)	"	"	१८वी	१-१०
२१३०	१४४४(६)	"	"	१८वी	४
२१३१	१४४४(७)	"	"	१८वी	१४०-१६६
२१३२	१४४४(८)	"	"	१८वी	१-२१
२१३३	१४४४(९)	"	"	१८वी	७-१३७
२१३४	४६१४(२)	हृदयानुरागलो रास	बहुविधास	१८वी	१७१-२०१
२१३५	४६१४(३)	हृदयानुरागलो रास	"	१८वी	१
२१३६	४६१४(४)	हृदयानुरागलो रास	"	१८वी	१३०
२१३७	४६१४(५)	हृदयानुरागलो रास	"	१८वी	११ वां
२१३८	४६१४(६)	हृदयानुरागलो रास	"	१८वी	१-१०४
२१३९	४६१४(७)	हृदयानुरागलो रास	"	१८वी	२४ वां
२१४०	४६१४(८)	हृदयानुरागलो रास	"	१८वी	१
२१४१	४६१४(९)	हृदयानुरागलो रास	"	१८वी	१
२१४२	४६१४(१०)	हृदयानुरागलो रास	"	१८वी	१

सिद्धि





## राजस्थान प्रायश्चित्त प्रसिद्धान्त—राजस्थानी हस्तलिखित ग्रंथ सूची भाग-१ ]

क्रमांक	संकांक	ग्रंथ नाम	कर्ता यादि ज्ञातव्य	लिपि समय	पृथ संख्या	विशेष उल्लेखनीय
२१६१	७६१	शिवुरा उर		१६वीं	२	
२१६२	३५५२	शिवुबल्लुमार राम	चलनसार	१५वीं	२६	
२१६३	३६७३	"		१७६३	२१	
२१६४	३१६२	श्रीमोक्षवीरिका शिपाई	हाथ (सहारनसिध)	१५वीं	४	
२१६५	२०६२	ज्ञानाभास तथा मोक्षपतीभास	नेपथाम	१७२	१५	
२१६६	२०४५	ज्ञानवैशमीस्तबान	शेखरपुराण	१६वीं	४	

## परिशिष्ट १

[ कतिपय ग्रन्थोंका विशेष परिचय ]

१. ७७११ (१ १७) <sup>१</sup> संकपात्री घादि मुद्रका

भारतिका दो पत्रोंमें लघु चाणक्यनीतिके दूसरे अध्यायका अंतिम इतोक तथा तृतीय अध्याय लिखित है। घाये १७ पत्रोंमें अक्षपात्रीका सेखन हुआ है। पत्रमें ऊपर अक्ष-संख्या धीर नीचे प्रुमापित (नीतिपरक) दोहे, इतोक आदि हैं। उदाहरणार्थ—

‘वानं वया वगोत्रिभं दर्शनं देवपूजितं ।

वकारा पंचवगते दूर्गांत नैव गच्छति ॥ १ (पत्र १)

ब्रह्मा ॥ सरतर असर हीय पीव जो रये अर्जाण ॥

सर बीरीतर सायरां असर राम बुवांण ॥ १ (पत्र २)

पन्थके १६ १७वें पत्रमें—

ब्रह्म ॥ कासी तुं कोवस मसी, अस मनपरो विवेक ।

अंभ विहृखी अवरतुं, बोस न बोले एव ॥ १ (पत्र १६वां)

गांम गोरमें होत है अम्य दूर मत जाम ।

वनी वठाइ पारसी अरथ कइयो इण मांय ॥ १ (पत्र १७वां)

॥ सीपतं । पीरत धी ३ श्रीवासवदधी सीपी छं । सं० १८३३ मीगसर मुद्र ३ बार मनमवार अयमुरीं नै सक्य गोडीरा छं ।

२. १३२३ संजना जोपाई

घादि ॥३ ॥ धी वभेद्यायनम ॥

ब्रह्मा ॥ श्रीगणेश्वर गौतम प्रमुप एकावस अभिराम ।

मन वधित सुप संपनै नित अमरंता नाम ॥ १

प्रथम उद्यम में मांशियो मति बीरं अति मंभ ।

तिल कारण पहिजा तनुं धीगणेश्वर सुप कंद ॥ २

सेवकनं सातिप करै वैदधो अवरिस नांलि ।

विम वैनो सिधै वडै कोइम रापि सकांलि ॥ ४

पन्थ— तिणि मक्ष पीपस बापीयो घाठ साया बिस्तार ।

संघट वड बाबीसमें बीसमें हूईं मुपकार ॥ १९

१. पहली संख्या अमानुष धीर दूसरी संख्या सुखक है। कोष्ठके पक्ष पुष्टकाके पन्थगत रचना-संरथाके छोटक हैं।

ते नद्य बीघ बीपतो साधोर नवर मन्थरि ।  
 बीर बिलोसर बीपती बिह्री तीरज प्रगट उदार ॥ ११  
 ठास पाटी धनुज्ज्ये हुवा भीमीपमीसागर मूरि ।  
 बिलय करी कर्मसागर, बाधक बय सनूर ॥ १४  
 ठास सीघ पुष्पसागर, बाधक पमर्यै एम ।  
 अजनासुंदरी बीपई पूरण बीभी ते प्रेम ॥ १५  
 संवत सोम सत्पासीई भावस मास रसाज ।  
 सुदि तिथि पंचमी निरमल रिडि कुडि मगम मास ॥ १६

सर्व गाथा ॥ इति श्री अजना सुंदरी बीपई संपूर्ण संवत १५६८ मीघसर कृष्ण पक्ष  
 तिथी १ भीमवासरे द्वितीया प्रहरे तिपतं ऋष नोलचंद पीही ग्रामे बसामत राज्ये बाधनाई  
 बीरं नद्य बीरस्तु ॥ श्री ॥

२४ १५२०

अजना सुंदरी मास संपूर्ण

घादि- ॥ई ॥ श्री शुद्धयो नम ॥

काम-बाहुबलि रमण इम बिलबद सरसति तामिस्री प्रणमिबद ।  
 मोक्षम स्वामि बा पादरे । अजना सुंदरीबी कथा गारि नर मुण्ड मज सादरे ॥१॥  
 सील भविषण ममद पानियद । पादम सुवस संसार रे ।  
 सवि कुसंबति बली टामियद नदय मज कुप पार रे ॥२॥

धन्य- नम नम अजनासुंदरी सुमरित जिति भिषयम रे ।

सीम ममद तिगिई पानियद कसु गाबद मुनिमान रे ।

सील ममद जगि पानियद । ३६॥

इति अजना सुंदरी मास समाप्त । तिपतं बसामत ऋषि बाई बीरो पठनार्थं मुनं  
 बसतु तिपकः पाठक ॥ छ ॥ छ ॥ श्री ॥

२६ १५२२

अंबडु विद्यापर शाल

घादि- ॥ई ॥ सकल पठित मंडली मदन पं० श्री ३ रविसागर कश्चि अरसेम्या  
 नम ॥ बस्तु । लबा संपद २ कप डंकार । परमेष्ठी पंथे संहित । देव त्रिणि सदा सेवित ।  
 महाशान धानंदयज । ब्रह्मबीज मोनीत्र बंधित ।

बुद्धा ॥ बुधम त्रिणि शुण त्रिणिमय विद्या अउद निवास ।

हुं प्रणमु परमात्मना सर्वं सिद्धिं नृप सात ॥ १

परम ज्योति परमेम जे श्री शुद्ध तारवमाय ।

घादि बबीनर संत जन मित बंधु तम पाय ॥ २

धन्य- संवत संपन्न पणु जालीत । वासिष्ठ सुदि तैरसि समि बीस ।

निड बोग रिण धरिबनी । अंबडु कथा बोपद मीपनी ॥ १३

पगुता बुद नरीरे जोय । बुद्धि मिडि सवि होय ।

मिड देव गुरु सद्धि । बुद भविषी पामद बरि ॥ १४

नव रज कई अंबडु रामनी । लोना बवता जम पावनी ।

बीर कथा भाबद जे बहद । प्यार पदारथ लहके लहद ॥ १५

जिहां रहइ भबर भवनी चर । जिहां रहि साय मुक विरि हंड ।  
 सागर सपत शीपनो बास । जिहां सगि रहो कथा परकाय ॥ १५  
 उबेछिइ रहि जन्मासि । कथा रची ए घास्त्र विभासि ।  
 बिनोब बीर बुद्धि रस बात । पंडित रस माहि विप्यात ॥ १७  
 मही पावना नाम पसाय । बिद्या भगौ भानु भट पाय ।  
 मित्र लाडकी सुखिबा कावि । बांभी विद्यास बीने राजि ॥ १८  
 कहइ बाबक मयज भाण्डिक्य । संबड कथा रस छइ भाबिक्य ।  
 ते गुरु कृपा लखी बाबेस । पूरा सात हूपा घादेस ॥ १९  
 इति श्री मुनि रतन सुरास । गोरप बोमिनी बीषा सीध ।  
 संबड कथानेक घाबेस । कौषा सात ते कहुवा बिसेस ॥ २०

इति श्री गोरप बोमिनी सप्त घाबेस संबड विद्याचर रास संपूर्ण । संवत् १९६३ वर्षे  
 ज्येष्ठ शुदि १४ भोमबासरे पं० श्री हेमसागर गण्डि शिष्य लिमासागर बाबनाथ मिश्रितं  
 पासमर्बा नगरे गुप्तमयतु ।

३६ ११९४ (६) अक्षरवत्त बोपाई

भादि- धीसोभाप्यसंहरगरिछद्मुदम्यो नम ॥

भादि जिसेसर प्रणुं पाय । समरु सरसति सामिखि माय ।  
 कर बोझीनी मागुं माग । सेककमि बैजो बरबाग ॥ १

पद्य- अक्षरवत्त मुनि लखतं चरित । मखतां मुखतां हइ देह पवित्र ।  
 पंडित हर्षवत्त सीस इम कहइ । मखइ मुलिठे सिव सुख महइ ॥ ३६

इति श्री अक्षरवत्त मुनि अक्षरवत्त संपूर्ण । विपितं न्यानसेबरेण भाद राजत पठन  
 कृते ॥ श्री पार्वतीय प्रसादपी तुप संपति हु ॥ श्रीस्तात् ॥

४१ १२६२ (१४) अक्षरवत्त बीबीरी नारता

भादि- अक्ष अक्षमदास पीबीरी बाठ सीपति ॥

नर गापुरखरो बली अक्षमदास पीबी मापुरणमे राज करे छे । राजा राजने परबा  
 नेन करे छे । नगरीरो मोरु बडो । तीख राजारे रंछी लाला मेबाई छे । सेहस मेबाइरो  
 रंछो मोरुम छे । तीखरे बेटी लाला तीका अक्षमदासनी पीबी परछीया छे ॥

पद्य- पला बरस लग राज बखोई कीबो । बठरे बुद अक्षतता धाय लामो छे । तीख  
 तने गड मांशुनडरो पावसाह हपीर सुसठाख गड गापुरण उपर अउने धायो । ठरे अक्षम  
 दासनी पीबी नर सजीयो छे । गणां बीग सुबी बिड बीबी । भसी जुगतनु काम धायो मे  
 लाला मेबाई मे उमां हापनीरो समखो यानो मे डोड सलीयां हुई । परबनी माहि मोटो नांम  
 यो हुइयो ।

इति श्री ठाकर अक्षमदास पीबीरी बाठ संपुरखं ॥ सं १२७००४ अमास मूद १२  
 ५ मुरां हीउचंरठ छे ॥ श्री ॥१॥

४४ १२४६ (१५) अजीतसिंहजीरी वारता

वार्ता- वार्ता । महापञ्च श्री अजीतसिंहजीरी । महापञ्च श्रीअजीतसिंहजी पाठि छाह् श्रीकरकसाहस विना हुकम नरबबानु मुरझन पाछा बैसन पचारीया नै पाठिसाहजी विपल पया । विपल मुहुमसरक करि पाठिसाहजी विभी छाबा । संवत् १७१६ पक्ष पाठि साहजी मारबादि उपरा मुहुम ठहराय नै बार्दी विवा बीबी । निबाब हुमनपनीयां तिको मोषीबार्दी नाम डेरा पडा हुवा ।

वृत्त- तरै पंचारी कछो महापञ्चकार पाठिसाहरो हुकम माथे बढाय स्या । अबलम्य सारा मठि नै कुमति उपबे । बरतीरै फालक अजसिंहजी वपतसिपबी उपरा पर बापो तिपीया । घापलै दोनां मायां मारबादिमै घाबो घाप छै । कागोर येडो कोहरो छै । महापञ्चसु बूक करिण्यो । महापञ्चमै काठेकांस डोमो घायो बा । तिको महापञ्च परखीज नै जाईबीबीरं मेहला नोत्रीया बा । दिण राति महापञ्चसु कबर वपतसिंहजी बूक सीयो । संवत् १७८२रु फाल्गुन सुदि १३ पंचमवार इण्ण अति अजीतसिंहजी नै मारिया नै बरती पाठि साही मनी ।

इति महापञ्चारी वार्ता ॥१२॥ धी ॥

४५ १२४७ (४२) अजितसिंहजीरो वजित

धी ॥ महापञ्च अजीतसिंहजीरो वजित ॥

राजभोज रिपगुण विर पबबाईत प्यारी संप बहेली चार अमन ।

विनात उकारे वारै गाईसु बने बने मब उडवावे पण ।

हाबल बेडी हुई हुई बीड कसी हुनुरण ॥

पातण पांच नरनर जमै मल बाई मूठ धामीयो ।

सीबर्त अजन लठीवां लक्षि ईन तरणलोक सिबाइनी ॥ १

मादीयी कैप महापञ्चरै नाहापञ्च कुंठपी नरै ।

मोहकमसु नाह पुपी बैण मुहुकमने मारै ॥

सयबामु नाह पुपी ठेवां सोबर संकारे ।

पतसाहाभां मुपी पठि उनी पतसाहां ।

बाबीमी पच नई मुक बबीपी बभ्य राहुं ॥

कोकासु बायी बस राजरो कुण्ठ टीणसु मारब करै ।

मादीयो लेन महापञ्चनै महापञ्च कुण्ठु नरै ॥ २

इति वजित ।

४६ १३६८ (४) अजीतसिंहजीरा सीलोको

पच अजीतसिंहजीको सीलोको सीपने ॥

बावा नरनती मोठी महामाई । पीने वो लमरयां अमणा नहीं काई ।

बाहीयो मीलोको मुण्ठजी ईण कायो । महापञ्च अजमलरो बपायुं राजो ॥ १

नाहाराजा बीट बागोर माई । पतरवा धारनने कायुं बी पाए ।

पच दीप वासीड धीबीमु माया । नरनबा धोरमने माप पुंहुचामा ॥ २

ग्रन्थ- सयै ईकपासै भासाइ मासो । राजाजी कीयो देवलोफ बासो ।

बोसै मीमोके देमोकी छासै । जो ध्यान बासै धरिबस बासै ॥ ३१

ईती श्रीघञ्जीतमीचञ्जीको मीमोको संपूर्ण ॥ मिति बैसाय बरि ११ सन १८४८ का सीपन नेमबिज बाध्यामध्ये बस बीसैबीका येला नेमजी कीप्यो छै । नाममै मीपी छै जानको जान रवीयो १) निर ३६ छ छै बरि ला पीरै ॥

२४ २८२३ (१२७) अन्नहिस्मबाइपतनराजाबली

पादि- सयत् ८०२ बण राउ बाउइह अणहिस्मबाइह पाउछ बसाबिउ ॥ साठि बयं ननह राय्य पासिउ । एब ८६२ भाऊपउ बाणुबउ । तेह नह पाटि योग राजा नह राय्य हूई । बयं ११ नयह राय्य पासिउ ॥

धन्त- धीहुमारपास राजा राय्य बयं ३१ एब संबउ १९।३० । तेह नह पाटि अन्नय पाण राजा राय्य बय ३ एबं १२।३३ तेह नह पाटि बाल मुन राजा राय्य बयं २ एबं सं १२।३६ । तेह नह पाटि नीमदेव राजा राय्य बयं ६३ ॥ इम सोलकी ११ पाट पाटणि नयदि राजकी हूया ॥

२६. ७७४३ अघ्यात्मरामायण भाषा

पादि- श्री सुपेसाये मीम ॥ सुरमती नीमो ॥ श्री मीनाचमजी सउ छै जी ॥ श्री रामाबे नमा ॥ नबेनं अघाठम रामायने भाषा लीपठं राउहूयय ॥ राज श्रीराजैसमजी समायौठ ।

बोपई- जब भव भार मयो बुष्टनै । उब ही देव सये बाचन प्रमूर्पै ॥

चिबानन सुंमी बरह बानी । परजापते अस्तुते ही ठगी ॥ २

ठीम मुपु सन मेये भयबाना । श्रीबानन यलकी सब जाना ॥

मेव विरा बानी जु बुचारी । सुनीक बमा सते बीचारी ॥ २

ग्रन्थ- बुहा ॥ राम हीरईको राजैबानीठे प्रीते करनै बुचारी ।

मीय्याराम हीरई बसैय्या सये गाहे बीचारी ॥ ६१

राम हीरइ भाषा अरबै बीमो मने बु न मानी ।

मुमी नह रीबै न बारी है करीय मने अयमानै ॥ ६३

ईती श्री अघानम रामायण रामे हीरबये भाषा अरप नपुरम ॥ नबेने म्हागने श्रीराज मीचकी ॥ सुम नमुररै ।

२० २२ ३ अघ्यात्मसारमाता

पादि- ॥सं०॥ ३३ नमः परमात्मने ॥

बुहा ॥ श्री विज बाली त्रिगु मयी कीबइ अाठम मुठि ।

चिबानन मूप पामीरै मीटि अनाउइ अमूड ॥ १

ग्रन्थ- इम विजमल धाराबो काउ साधो मबिच नि मुली भावना ।

बुणि ठारिण बाधो मुणो साधो करो निज मठि पावनी ॥

अध्यात्म दुःखनी एह माता । भविक बन कठि ठवो ।  
जिम नहो मंगल सीलमाता प्रकल प्रभुमभ भनुमभो ॥ १  
इति अध्यात्मसारमाता सुपूर्णा ॥ अं० २७३ ।

१६ ३३४१ (८) अन्तरायसावकारी वारता

धादि- ॥१८ ॥ श्रीगणपत्ये नमः ॥ अत्र बातां- अन्तराय सापत्तो उगो बासो वैद्यो  
सरवहीमो तिरुगुरी वात निप्यर्त ॥ समुदरं विर्ष कौस्तुभापुर पाटण । तिरुगुरो बणी अन्तराय  
सापत्तो । लपकारी वीशरो बडो मड । बडी अमीतरो बणी छै । तिरुगुरे एक्यो एक भाई  
भतीजा छै । तिके मड माई बना रई छै । हुडमी बकां भाकरी करे तिरुगुरे कने घसकारी नै  
धीडो १ नै पकास १ साबडदये वारा धारमी ४ कने रई ॥

अन्त- हुडो ॥ महमभ यु मन बाण बसे न बाई वेमडो ।

वेसा बडा अमान करता बग कबाट उठ ॥१॥

वात ॥ पातिसाड पकाम अमकारांनु अहमवावाड धायो । बीजा लो १ । वेडाजीरं बरन  
बहीम्बा । सवत् १३ माहे हुठ । इतमू सूरुं पुरां पुरां लकीयांटी वात सुपूर्णा ॥२॥ श्रीरन्तु ॥

१७ २१३६ अरजनहमीररी वात

धादि- ॥१९ ॥ अत्र वात अरजनहमीररी वात ॥ अणहिलबाई पाटण गोहिन  
भीम राज्य करे । गुजरातर्ष वेपडो महमंभ राज्य करे । वेपडो महमंभनु भीम सडाई मीची ।  
भीम काम धायो । बडी बैटी अरजन । लहुडो बैटी हमीर बाहारां भीमजी नाम धायो ।

अन्त- धाबर लरी समारि, माई पान मसुररी ।

तन बहू रे लखार, मूड मभ वृद्धी भीम उठ ॥ ११

सोड्डे सीरळी ए, पुरमातन पाटण ठारै ।

मे पडकी पुणयेह भारत म्हीणै भीम उठ ॥ १२

इति अरजन हमीररी वात ॥

१२७ २१७७ आर्षवर्षधि

धादि- ॥२० ॥ भी ॥ अरजन जिमवर अरण नमतां मभ निच होइ ॥

वर्षि कर आर्षवरी सांभलज्यो सह कोइ ॥१॥

अन्त- संवत विमि सिधि रम मिमि तिण पुटी मड किची अत्रवाम ।

ए नभय विच अर मिमा मण्ड मूण सापाय जहास ॥४१॥अण

इति श्रीआर्षवर्षधि संवत्पर्व ॥ संवत १६१६ बर्ये माई प्यगुण विधि द्वितीया धर  
वारे श्रीआर्षवर्षधरवर्ष्ये ॥ श्रीमानजी निपादत ॥ यादुं पुगतके हट्टं तादुट्टं निपतं  
मवा ॥ वधि मुचम नूं वा मम बीय न क्षियते ॥१॥ निपत बाह्यण इत्या ।

१६१ ३४६७ आराजपोना जोपाई

धादि- ॥२१ ॥ श्रीगुण्यो नमः ॥

हुडा ॥ अह उंची प्रलुमुं लवा पारलनाच बधट्ट ।

महिमा बली पुनवाण मर, रीटां हुबड कडुट्ट ॥१

थी जिनकुमार सुरी मठत ध्यान कर पित साइ ।

इहक धास्या पूरबह, इ जय बिरह कहाइ ॥ २

पन्त- दशावार कहइ सुप भरपुरा । दिन दिन हे छप पूरा छै ॥२६ छ

इति श्री मन्मथललाधिकारुडे धेच्छी धारासनदन पदमावती जतपई समाप्त्या ॥ सर्व १२३  
 छः छः छः छः ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

१८६. १३४६ (१६) आसधानजीरी बाराता

पारि- धन राव सीहाजी पुत्र आसधानजीरी बाराता ॥ राव सीहाजी जो बदनज  
 पंनसण्य हुआ । सोलंपणीजीरी बेटा तीन हुआ था । आसधान १ सानिय २ अन्न ३ । कनक  
 टीका बाबत धाराण्य हुई । तरे पाटण्य मोसालनी पचीया । ठिके पाधरा बर मजसे पानी  
 पाननी उठरीया । तरे श्री जिण्यबतसूरजी कामखानी कहाई श्री बडा रजपूत छै । मारबादि  
 माह हवार बरस राव करसी ।

पन्त- संबत १४३८ तठे पछ राव बुई मंडोबर श्रीजी ने राजधान बध्मो । मंडोबर  
 ईरो बुडाजीरी हपसेधानी श्रीधी । पछे रावजी मंडोबर उठायने धापरे नाई बिडीया टुकरा  
 नासर जरे बह करीया नै जोबपुर बसायो । सबत १३१३ बेट सुदि ११ । तठा पछे जोबपुर  
 हीन राजधान छै । इति आसधानजी बाराता ॥

१९७ १७ इसाबीकुमार राम

पारि- ॥ई ॥ उं नम ॥ थी ॥

बोह ॥ सकल सिद्धि बाई सदा प्रणमू जिण्यवर पास ।

ईसाकुमार श्रुति गावता धायै बचन बिसास ॥ १

पन्त- बधी श्रुति मंडस मांजी श्रीधो । ए अधिकार मई सीया छे ॥ १२

ठिसुधी ल्यून अधिक जे मापित । तेमि धाबुकरइ मई बाप्यो छै ॥१४॥मा

प्रधानर धरर मुण्य धाप्यो । बिसैनेस लख बिबांगयो छै ॥१५॥मा

धरत छतर प्रमखीसा बरसे । श्रेय पुर्ति मनहरसि छै ॥ १६॥मा

धासो सुदि हीठीया बिल सारइ । हस्त मप्यब गुठबारे छै ॥१७॥मा

शानसामर बीह सभ धासीसा । दिनदिनि बुख्यो सुखबीसा छै ॥१८॥मा

बस सातिबि साधु चारिठ पासं । ज्ञान बरसन मनु धालें छै ॥१९॥मा

सर्व गाथा १८७ ॥ इति श्री भाव विषय इसापुत्र इसाबी रास सपुर्ण ॥ सबत् १७४६

सर्वे मापसर माछे कुप्यण्यजे १ ठिनी बुबबासरे श्रीजोपाबंधरमध्ये सपित । सुनि कंधर  
 बुधनेन कस्याण भवतु ॥थी॥थी॥

२२४ २२१३ (२) उपदेशसतरी

पारि- ॥ई ॥ उठपठ बिब जोस धापणी मन मांहि बिजान ।

गरभाबासं श्रीबडो बचीयो मयमास ॥१॥ उठपठ०

मारि छलीता भात सै बिनबचने बोइ ।

पूज छली बिब माधना तिम माडी दोई ॥२॥ उ०



प्रस्त- कलस ॥ ते श्वेन धरम विचार सांभ्रति मिए सचम भाइ ए ।

परिसाह केटी सदा पार्सी नेम मिरसीचार ए ॥७१॥उ०

संसारना सुप सकल भोगबी ते नही मभ पार ए ।

श्रीरतगहरय सुपास रंगी इम कही श्रीसार ए ॥ ७२

इति श्री उपदेवसुतरी सपूर्णम् । स० १८३८२ मिती प्रासोज नदि ५ दिने पं०

श्रीकर्मसुखर कामुषामे उपकेस पक्षे ।

२२६ ११२२ (१७)

श्रेष्ठ तथा हाबीवर्षन

धादि- सुविद्यात तुमान त्रिके प्रति सोभित पाठ सुभाट दिग्भाट नहुवा ।

कटी भास सुपास हलंत म्मानाय पंत म भास कके दक्षिया ॥

बिठे पक सुख भला बबबा दीय कुरंगह जेम पंथे क्रमटा ।

जय मेश बीइ प्रमरे सहरो इत्यो बभबबा मबिरा कुमटा ॥ १

प्रस्त- पट जेम उच्छादिय पस्त गेव वर फोष तया प्रहणा फलसा ।

वन जे मभ, उम्मित मूस महा पण नाप न भाव त्रिके नहणा ॥

गद मजि पाहाड बिहाड कुरवम म्भट तपाड बहे म्भमटा ।

नगराज बिई वजसिख क्मम्भव इइ जिसा हविवार हुटा ॥ २

इति हाबीना अपासु ।

२३८ २३६० (८)

एकलपिड बरछरी बाठ

धादि- ॥३॥ ॥ अथ एकलपिडबाठछरी बाठ सिम्पते ॥ अंबुशीप मरय पंडमै अठर

गिरारो शिर धरवद । धरवद किसकोवेक श्वे । इण हूइ बिसरी ।

हूइ ॥ अलसपटी पापर बली बरणीया टुक विह्व ।

पटा बिह्वुटा नीकरण धामो मभ धरवद ॥ १

मभुबी लुबी पटा सपर पपीया तर ।

मगयासु बाबा श्रीये धानुषी धरवद ॥ २

प्रस्त- बाबाको नाम धामो मूडण मठी हुई । व्यास जेमरा काम धामा । पांचमो

बेलरो धानुजी रहसी । महाराजकी बीससदेनी मारलहार हुसी । श्चपीस्वरापा बचन सल

हुवा । मूठमी हुई रावजीने मारसी । बोठ पावनै बरे पधारीया । उमराबाने शीव दीबी ।

मुकरो करने मारही डेरे पाप धापर गया । महाराजकी श्री बीसपदेनी बरवार पधारीया ।

मुपनी रहे छी । फाई हुई ॥

इति श्री बाडालो बाराहरी नाता तंपुरण ॥ श्रीगस्तु । कस्याणमस्तु ।

२५१ २३

एकलपिड नाममाता

धादि- श्रीगबेदाव नाम ॥ अथ एकापरी नाममाता सिम्पते ॥

दोहा ॥ नहथ धकारज बिनहुं पुनि महेन मठमान ।

मा बाडाहुं कडन हूँ, ई जुवमा रया जान ॥ १

प्रस्त- बिहुवन बुग मुनि तरक पट घटारमहि पुरात ।

नाममाता एकापरी बापी रतनु जान ॥ ३५

इति श्रीबडोईरा रतनू बीरभाण्ड कृत एकाक्षरी नाममासा संपूर्ण ॥ सं० १८५५ ना  
वर्षे भावशु वि० १ १५०(बी)लिपिता श्रीगोडीजी प्रसादात् ॥

१५१ १२८६ घोडाहरण ✓

भाषि- ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ घोडाहरण लिख्यते ॥  
राज रामजी ॥

श्रीसंप्रसूतने धारें धाराभूं जी । मन अम बधनें सेवा मासु जी ॥ १  
बगुरबस लोक, जेहूनें माने जी । तेहेना गुणसूं जपिये पाने जी ॥ २  
बाम ॥ पाने सध्या जाये नही श्रीगणेशना गुणबाम ।  
सरुत कारण श्रीब बाने मुप लतां नाम ॥ ३

अन्त- पछे घोपालें बीदाय भापी बरयो जयजयकार ।  
श्रीकृष्ण पदारथा द्वारिका परणाबीनें कुमार ॥ १५  
धे घोपा (ह)रण के साथसे तेहेना ठाप जन्मे जाय ।  
मट प्रेमालब केहे कथा धमरो श्रीयदुनाय ॥ १७  
कहवां ॥२६॥२॥ घोपाहर्ण संपूर्ण ॥ समाप्त ।

२१२ २३०६ (३) कृष्णध्यान ✓

भाषि- अथ कृष्णध्यान लिख्यते कवि ईसरदासजीरो कयो ॥  
मिरये भाषि रूपनिधान । कोट धनगकी क्षिप्र कान ।  
मारै मुकट पपवा मोर । बेरत मदन मुरसी बोर ॥  
भास बिनाक सोस कपोस । रावे भातु-कोटकी घोस ॥  
भुकुटी भूह बंक कबान । मनकठ कुंडसा जुब भान ॥

अन्त- घोसत बरण संभुज सात । तिन बिच ऊई रैय बिघास ॥  
बब तिस बवा बक पबम । तिनसे कटति कोट करम ॥  
मिन्न पर लाग रज भर बात । तिनकु बड़ा छिब मलबात ॥  
वेकत बाल जूप(ब)मध्दर । गोऊस गाब संभकुमार ॥  
तिनके बरस पै जप बेर । ईसर बार शरपो फेर ॥ १५  
इति श्रीकवि ईसरदासजीकृत कृष्णध्यान संपूर्ण ।

१७२ २५११ कछवाहोंकी बयाबली

भाषि- ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ कछवाहोंकी बयाबली लिख्यते ॥

श्रीभाबिनारायणर्ण कबलर्म बड्याजी ॥१॥ मारीच ॥२॥ कल्प ॥३॥ सूर्य ॥ ४ ॥  
बयाबात ॥१॥ मनु ॥६॥ इष्काक ॥७॥ बिकुपि ॥८॥ पुरंजय ॥९॥

अन्त- महाराजाधिराज अगमाब मोहोतमिब नरबसना राजाकी बेटो मो राज  
पायो । बरि माननिबजी नाब पड़पो । मीठी पोस बरि ६ सं० १८७९ का । राज कीयो  
नईना ४ दिन ६ ॥ महाराजाधिराज श्रीसवाई जयसिंभजी संवत् १८७७ के साल श्रीजमेशायजी  
पवारपा जाति सेवा । सब मार्गां साथ पवारी मीठी घवाइ सुदि ८ संवत् १८८४ के साल ।

२०४ ७७२० (२२)

कपडकुतुहल

घाघ अथ खण्डित इ । उपसम्भ रत्नाका प्रारंभ इत्य प्रथम इ—

इति पित्रं पर सु वर क्षीमिषं वाम ॥ १३

मयी कर सु मी मन मयो प्रीठ डोलिए बोभाय ।

माम भु हुंवीधे मीजिय सो माहरइ धाबी वाम ॥ १४

एन सुपकी साओ जली कंठु बप्पो मुषंम ।

एतन बरीत मीरपी सोली सुवर प्रीठ ॥ १५

घण्ट— कभीयो वेम पदेबडो कीयो धन तीघार ।

विणु बेगी मंदिर मई प्रीठ माण्ड तिथि वार ॥ १६

प्रीघांय मंगरास सुठ मपर ज्यपुर वास ।

कपडकुतुहल कीजा बली देहि बुबास ॥ १७

इति कपडकुतुहल संपूर्ण ॥

२१२ २०६२

करयडू खोपाई

घादि— ॥१०॥ ममी अतिहृताणं रिपिहू

जिसुंइहू पमफमल विमल बिल पणुमैयु ।

बडमाण निणा बमि कीई एक कवित कहेसु ॥ १

रिसुहू वरत विणु उप कियत बडनाल छम्मास ।

बामी छिम्मासाइसउ नामहु अतिथि छम्म ॥ २

घण्ट— बाबक मधिपर इन कइइ, अणइ से बंपद विव मइइ ॥ ७४

इति करयडू रिपि अउपई समप्रतिपंड सेप्यक पाटके सुभं भक्ति ॥

३०२ ११२१ (१२)

करलंवार

घादि—

इहा ॥ पहिनु प्रणुमिगि मारवा अनु करि बेरुडा नाद ॥

घादीस्वर घादिई करी, माइमं कर संवार ॥ १ ॥

माभिरास कुसमंडलत मुद देवी उरि हार ।

बुगला अर्धे निवारणत घादिई घादि कुमार ॥ २ ॥

बीम नाप पूरक मही कयरपदि सुबिघास ।

जिन विनाप बुरक जिगई लीपत राज रसाम । ३ ॥

घण्ट— होइ कर मज जिनेरवर करभा माव सरिस अछर मकरिका ।

भी धेबांतनुभर धालुंइ । प्रथम पारखू प्रथम जिबंइ ॥ ६४ ॥

हुई बुटि मो बल गू वार । हुंहुमि देव करइ बयचार ।

मुनि मावम्भसमय बहइ जाय । विटार अंजति ठहां सुय होय ॥ ६५

संपद लहोइ बननी कोइ । मंगइ प्रंभ म धायइ पीडि ।

संप बयणु म बापड रठी । संप बयाणु मीजिन मली ॥ ६६

इति भावपदेवपारणाधिकारे अठसंवाह संपूर्ण ।

१०६. ४०२०

कविकल्पलता

पारि- ॥ ६ ॥ प्रथम श्रीगारुडत वावद्री लिप्यते ।  
 अकार अपार पार तसु कोट न सम्यै ।  
 शबर कर शिरताज मंत्र भूरि कविसण्णम् ॥  
 धरबर्षध धाकार उबरे मीडो असु सोई ।  
 वै ध्याने चित साय ठिकै तिहुयस मन मोई ॥  
 सामक शिब भोगी बडी आसु ध्यान पहनिस करै ।  
 कवि सार कइ अकार अप काइ संख भुमो फिरै ॥ १

पद्य- शिठे मंडल शिति लिभक सहार पासो पुर सोई ।  
 यद भद्र मंदिर महिस बाग बाडी सनमोई ॥  
 राज करै जमनाथ सुर सामत र सबाबो ।  
 शीतमरे सुधमभ सुबस बसुभा बर तायो ॥  
 संघत सोसैनिध्यासिरी भासु सुधी वचमी बिन ।  
 श्रीनार कवित बावन कहुआ सांभसिम्यो सारै मन ॥१११

इति काविकल्पलता श्रीगारुडते संपुर्णं । सुम भूयात् ॥ श्री संवत् १८७८ रा  
 मती अशुक्ल सूदी १० च श्री श्रीगुराजी श्रीवेगयामजी । सीपतां कु इन्द्रमाखु वाचनाराम्  
 पलकपुरमभ्ये ।

१११. ४१११ (१६)

कायदरी नरक

इस पुत्रनेमें पत्र सं ११८८से पत्र सं ४ ६ तक चार कागजों(पत्रों)की नकलें दी हुई  
 हैं जो इस प्रकार हैं—

पहली नकल पारि- कायदरी नरक ।

पार नरक- मने हूत सांभर नगर सुबरे । प्यारी निज हाथ बियो पठरै ।  
 सुख बाग कबानक सुबरियं । सिब गात अमंत चित हुरियं ॥ १  
 समिता सर निसर नीर बहै । मसनि सुंम बास बरै र तहै ।  
 बहु बास निबास न कुर बने । बनिता मनि खोर सूनीर बने ॥ २

पद्य- दिन बात बुबा सुम संग बिना । कजहु सुप होत न भाप बिना ।  
 कहुवा ब रजी रामचार सारै । सु मिथ्या तन मानहु आम करै ॥ १७  
 न भिये सुप पत्र सनेहु बनो । पय जावनभी सुम रीत मनी ।  
 युग राम बसु सधि संवत र्यं । सुम मास तपी सरत जरयं ॥ १८ इति ॥

दूसरी नकल-

[ संवत् १८१४ ]

पारि- कायदरी नरक लीप्यते । स्वस्त श्रीमधुशालपर सुपाने सुकल सुम शोषमा  
 केसव क्यारी प्रेमरमप्यारी, चवददनी मृगसोचनी सगनरी सही श्रीवरी बडी  
 शिपायी द्वार, सेजरी शिखार, श्रीतमरी पीतार, चित्तरी ऊवार, हमसुपी स्या  
 सुधी ।

घण्ट- सबसरयी मारी महीं सबसरयी नहीं बाण ।  
 सब छुण एकलमें नहीं दापुं बतुर पुजांछ ॥ ६२  
 इती धोपमा लिपय्यरी बजाबोय मठ जाण ।  
 कह्य बुलैमक छुप भू रूप छुप परबोण ॥ ६३ ॥ संपुर्ण ।

डीसरी मकम-

घादि- मिम पी प्यारी बीधे बँपुर बपर बठेह ।  
 प्रीतम लिपय बल्लाबक निव २ नबनै मेह ॥ १  
 बंधबहनि मूयलाबनी, बिठा लंक मुबंय ।  
 मजगमणि रस बोम है, घण्टि बाण मुबय ॥ २  
 घण्ट- बाहू उतर देबो सब कायर धमिक उभास ।  
 हित कर लिपयो हूतर्मु बनकठ भपसा पास ॥ २० संपुर्ण ॥

बीबी मकम-

घादि- मिम पी सरबप्रोपना बिदाबमान घनेक प्रोपना जाबक हुणुनिबान बहोतर  
 कनापुनांछ बनई विध्यानिबानं सुरब वैहा ठेक बरुवा बरुनि बिह्य हेक बंरमा केहा  
 विवत स्या केहा ऊबसा ।

घण्ट- मठ किण्टहिमु भापयो मीछांखो मेह ।  
 बुके न मुबो मीबरी, बनै सुरोमी केह ॥ १५  
 सजन फनयो पुनयो बर पु बीवतरका ।  
 गानेरो बु मुबजा सांघो पु फनयो ॥ १६  
 इति बीपबी संपुर्ण ।

३३१

३३६२

काया-जपरको कालव

घादि- अब काबालवररा काय लीपति । डीप भीतुरगपुटी मूब मुबानेर सकम  
 सुयप्रोपना बीदाबमानं राजराजेश्वर माहायजाभीराज महाराजाकी भी श्री १० ८ भी  
 भीबरबराबनी बमराबनी सदाबरेखी को बरलकमसाबनु बोब काबालवरसु भीपतु  
 कंकर बांजाब नमतामुर संतरसुर भीतडुपनरो नमी बीबन बजाबनी घटरा समंभार  
 बमा छै ।

घण्ट- संबठ उपलीलै महीं बीबा उपर एक । (१२१२)  
 नबीयलु कर बोड़ी बीनरे साबब राके टेक ॥  
 बापर बीयो कोबल करप रवो नहो छेर ।  
 योग डोर नाव महीं डीया बब बनो हेज(२) ॥ ३  
 इती कायद संपुर्ण ।

३४२

३३७२ (२)

काण्टपोडा बिबमबीठनी शारता

घादि- भीपभेदाब बब ॥ अब भीकाण्टबीठानी शारता निजते ।  
 बोतराई ॥ इति बरे बुलपतिनु नाब । अब विपय पीठानो टीम ॥



दीन नातिबाहू पबमण्डीरै सीरै घामो नै योरोबाहन मडीया । संवत् १६२४ एका  
वर्षदिबबीधु भीतोङ्ग छुनो नै पीछोसा-उत्ताम उपर लईपुर वसायी ।

ग्रन्थ- संवत् १६०० एव राम काल श्रीयो राव दुगरबी टीकै बैठो । पछै राम  
मासरे दुगरसीनै टेहनै होलीपारी रामति माहे अजनीबी । पछै एव मासरे फलोभी फाल  
जेरो । दुगरसीनै पिछ साये स्वाया । कोट दुगरसीरै रजपूठ अणहूबै देवाचत संभावो ।  
बडी बड कीबी माय २ छारि । पछै रावबी दुगरसीनै दोहरो करण साबा । तरै दुगरसीबी  
अणहू छ देवाचतनै बहायो । तु कोट बरोटे तरै अणहू री कछ्ठी कु चारै ह्राच कूची बैरिच । तरै  
दुगरसीनै बोल चारै ले मया । अणहूबै देवाचत डबरतीरै ह्राच कूची दीनी । डबरसीबी एव  
मासदेनै दीनी । तरै एव मासरे यह सीयो । दुगरसीनै परो छोड दीयो पछै दुगरसी काँगो  
होइ बयो ।

३०१ २८६३ (१३८) अंडमुपत सोलसव्य सख्यय

आदि- य नम ॥ हरपइ प्रभु मुब प्रलमी करी स 'हिमइ पटी ।

सीमइ मुपल लली तिअइ' ललां छवि सुप बाइ ॥ १

अर्यपव पाइमपुरि' रावा अंडमुपति अमिराम ।

तिरि अरि छेनि मुबन के अहिया सीमइ मुलिमो अमुअमि कहिया ॥ २

ग्रन्थ- अवन सोलहसइ बाबी' अमुदि पंचमिन बबीस ।

रावलवेछरि संभा' एह तिअय हीर रिपि कहइ ॥ २०

इति भी अंडमु' इ सोल स्वय सिजमय ॥ निपत हेमराजेन ।

विशेष-इका अरयम्य जीर्ण एवं नूटित होनेसे इस कृतिका अतिक्रम अशुद्ध हो  
गया है ।

३०३ ३३४६ (१३) अणरा मुबराबी बर्रा

आदि- अम बर्रा १ अणरा मुपराटी लिअने । पछिम दिग्गै पटल नांभ लै । ठठै  
सोडो बाटी एव करै । तिलरै दोइ बेटय हुवा । एकठरो तो नांभ मीबो । दुजारो नांभ  
देवो । नांभ २॥ एव ३ रो बग्गी । पछां रजपूठ पां २ ए कनै रई लै । पसवार ह्कार १री  
छाहिबी । ठठै छवा लबीरै भीबानै परछामो । देवो पिछ बरप्यो । ठठै बरत १९ माहे दो  
भीबो हुबो' ।

ग्रन्थ-

हुदा ॥ पूटी छारै पांवाइ जिळै न बायो अणरो ।

मिरी न वेले छाह, माटी पूनी माबुवा ॥ १

बैय दाभार बिवाह, जाचिक बमु जीवै नही ।

पूटी छारै अमाइ जिळै न बायो अणरा ॥ २

पाठरीबा पटभोइ' राव जुद्धरपो अणरो ।

नर बीजा कर मोह, पांवां तमि छावै नही ॥ ३

आ इतरी बाव अणरा' मुपराटी बग्गी ।

मुरबीर बाठार, तिलरै अम मही ॥ ३

रनि बर्रा संभुर्न ॥

१०४ ११२२ (१)

जगदूनो छंद

धारि- ॥१॥ ॥ अथ जगदूनो छंद ॥

धनम रूप देवो धावेसं । धापोधाप धयम धावेसं ।  
 धारि बुगारि नमो धावेसं । धपर सपर देवण धावेसं ॥ १  
 बह्या बिष्नु महेसर जामा । मोह जास जिणु जन मंडाया ॥  
 धाय कुमारी बिष्नु सपाया । तु मोटी माता भिष्नुपाया ॥ २

अथ-

कसय ॥ माकारो मुप नही बांग पट बरखां रेणो ।  
 है है कार बुबार नोम छाडे जस मेखो ॥  
 धंगमने उधरंग मला गुणगीठ भणाने ।  
 धोतबाम भूपाल धाज कुणु सम बड धारै ॥  
 सासरोस कज सीको कई मेर सपोबड कास यज ।  
 बाठा रसको जाये हुमी तिम जयडू ब्रधमान तण ॥ ६  
 इति जगदू नवापरवाकानो सब सपूर्ण ॥

१०५. ११२२ (१०)

जगदूसाहसो अस

धारि- अथ महेसर बाको जगदूसाहसो अस ।  
 छंद ॥ मुडा धाठ सहस्स दीब बीस सबण बीरै ।  
 बार मुडा सहस्स दीब सिधने हुमीरे ॥  
 नंदनने मुमदान सहस मुडा इज बीसे ।  
 मासब पत्न धठार धने मेधाड बत्तीसे ॥  
 राधां सबार इल पर हुमी संबठ बार भीमोत्तरे ।  
 जयदने साह सोका छणै कटी प्रसब पनरोत्तरे ॥ १  
 मरग बकी संबरपो बेस पुहुतो बकामह ।  
 मगर सरबे वसभस्या बार पोहती भीमामह ॥  
 धने करपो धाकको धारतो भीगी बाहू ।  
 केतो केवू ठंम केतो जोबतो साहू ॥  
 जयडू ए साह सोमां ठणे बकडबंभ पाडो बडधो ।  
 मेस मेस साह जयडूया नही पडू काल पनरोत्तरे ॥ २

१०६ ११६२ (७)

असंबतसिद्धीका कवित्त

धारि- कवित्त महाराज श्रीजसवंतसिधजीरा मुंवरं रा ॥  
 गुण बनीर मणोस घोष सपेंत सुगीबे ।  
 सुर तेतीसां सङ्घित समकति हित उपर कीर्त्त ॥  
 नव नाचां नवप्रहां संठ जन करो साहई ।  
 रियि रावां साबकां कई उपने धिकारै ॥  
 महाराज मरख मुरबर बघ राजपाट कियु विभ रई ।  
 बह्या बिसन धिब ईर सुणि नही बचन सरसति नई ॥ १



घट- हुजरायं हेरु वार जात सेमजे धारी ।  
 धरुस पप हियमात्र तहां काय हुइ धारी ॥  
 पोकरण पोतवार तिहे ठारका पवारी ।  
 न्यो पाठिक मिट नाम हुई भावम निठठारी ॥  
 उत्पल माठ करसी भजन जात श्रीया रुप आवसी ।  
 ठारकामात्र प्रतापनें इठरै होसी भावसी ॥ १

सबत १७३२४ पोस बदि १ महाराजा श्रीजयवंतसिंहजी वैजलोक प्राप्त हुआ श्रीं  
 ही घटक पार ठरै बाईं बपुरै कइया सी ।

६३० ११२२ (४६)

नाम सापारी नीसाभी

घादि- ।।ई०॥ अथ नाम सापानी नीसांणी सिद्धय सिप्यते ॥  
 मो कर भवानी मेहरबांनी, अपर प्रागेबांन ।  
 बापांन साइरु सुर बिनाइरु दी सबाइरु बांन ॥ १  
 हुनु बांन बाइरु नरुं नाइरु बरनबो सुविहाल ।  
 रज रीठ रापा नाम सापा पट्ट भापा जान ॥

घट- हुनु रूप राजे छवि छावै बस कबंदा जीह ।  
 बह कइय राजसरान बावठ देसपत सब हीह ॥ २६  
 हुनु सीह छावै बनी शीतल सल बल सबाइ ।  
 अस्मान कयी ठाम धंमट, नाम नाम न बाइ ॥ ३०  
 इति श्रीनीसांगी नाम सापारी संपूर्ण ॥

६३३ ७४६

नामंवरपुराण

घादि- ॥ श्रीनरोत्तम मय ॥ अथ नामंवरपुराण सिप्यते ॥

अथ वेधापरी ॥ गजमुप मुसु अंवार गलेसर ।  
 सिमि बुमि समपि समोन्नम संकर ।  
 समबा माठ उबर उत्पंतां ।  
 हेमु देव विद्या बरबंभां ॥  
 अप्पर अजब धर्मम धागी ।  
 बबवाणी हे अदिरल वाणी ॥  
 विमला बसा क्रमस बाहनी ।  
 बर बरनी अंर बरंभी ॥ २

घट- सोहारी बाकर जिठा मुन्ड ।  
 मकरे बिजो न श्रीपती मुन्ड ॥  
 ठोपे करि रापि हुव विपरादि ।  
 धंमे बर मुन्ड मया धकपारि ॥ ३३  
 इति श्रीनामंवर पुराणं संपूर्णनामबीमजगु ॥ सिप्यते ॥

१८१ ४२१४ (५४)

जोगी रासा

प्रादि- प्रथम जोगीरास लीपीते ॥ ॐ नमः सीधेभ्यो नमः ॥  
 प्रादिपुरिष ओ प्रादिजगोत्तमु प्रादिजती प्रादिनाथो ।  
 प्रादिकुगोत्तमो ज्योम पयसी ज्योम जय ज्योम ज्योमनाथो ॥ १  
 हास परपर मुनिवर हुभा बीगावर सहिनाथी ।  
 मुबमुबावरज<sup>१</sup> मुब मेरै, पाहुजी कहिम कहुआली ॥  
 अन्त- जोगीह रासो सोपहु प्राबक, दुपन कबहु सहि सी ।  
 जी जिएहासह बिबिधि हि सिपहु समरण कीबहु ॥ ४२  
 इती जोगीरासो संपुरखमस्तु ।

१८२ ४४१५ (३१)

टंडाणा गोत

प्रादि- टंडाणा टंडाणा मे जियङ्क टंडाणा टंडाणा ॥  
 इत संघारै बुय भंडारै क्या गुण वैपि मुमाणा छे ॥  
 जिन टम ठमिया माबह बारी, फिर तस ज्योम पर्याणा छे ॥  
 अन्त- करि अरिम प्रापन बल मंडी, जोगी अमर विमाराणा छे ।  
 समिकि लपोहण बस बिधि पूरा निरखम बरम कटाणा छे ॥  
 सुबधरीक सहज लबलाबहु भाबहु धंतर म्हा (ग्हा) छे ।  
 अथ बुबा तम सुय पाबहु बहै पद निरबाणा छे ॥

इति टंडाणा समाप्तम् ।

७१३ २३१६ (४)

तारातबोलकी बाता

प्रादि- प्रथम तारातबोलकी बारता लीपते ॥ मुलतान बासी ॥ नाम अकुरसी ।  
 कुमाकीबास पुर बेसकीसु बारता वैपि धामो धु लीपी छै ॥ प्रथम गुजरातसु कोस १००ई  
 महमदाबाद नगर छै । महमदाबादसु कोस १ ०ई प्रापरो छै । प्रापरासु कोस ३००ई  
 लाहोर छै ।

अन्त- तारातबोल नगरकी प्रासि पासि सीमु नदी बहै छै । जोमरब जीका पाट  
 छै । प्रापेकी बाई नम नहीं । मुसक बनी प्रासमान छै क नहीं छै । जी की ठीक नहीं ।

धा बाटा मुलतान बासी नाम अकुरसी जाति पनी बुसाकीदास वैपि धामो  
 सो लीपी छै ।

तारातबोल प्रागरामु ५२३१ कोस छै । प्राये बरती छै जीको दिवारतो केवली  
 जम्हें सहर १ प्राये बरताम छै । जीको राह कोस २ ०ई प्राये बारी छै । सो पंक्ति होसी  
 लो बाससी ५ ई बाठ मजूह जाणो मरीना ॥

इति तारातबोलकी बाता संपूर्ण ।

७८६ ११२४ (१०)

शामनक बोवाई

भादि- ॥३०॥ बा० श्रीमतीशामनकरपुरमे मम ॥

बुद्धा ॥ सरसति सामिसि कीर्तको मानुं यमिबल मान ।

सरस कचा रस बोलाबा वे पितं करवान ॥ १

बबा बर्म जमि क्वजुत भगपद् श्रीमिनपत्र ।

ससक परि संबंधुं कोमिसुं सभुव पसाय ॥ २

मानव बव बुद्धिस्यं लही कीबद् कीब बतान ।

शामनपनी परिसचा लहीइ परिबलपत्र ॥ ३

धस्त- संवत सोल तिसठि बासि (१६६३) । क्वेट्ट धुकि नबमी सु बपासि ॥

रुड(?) इह नवर मग्गरि । धीपड'माल स्वामि धाबारि ॥ ११

पुम्पद् सुप संपति परि होइ । पुम्पद् बय लामद् बमि कोइ ॥

बसापीस धाबक इमि कहइ । पुम्प बकी सिव पव लहइ ॥ १३२

इति श्रीजीवरत्ना विषये शामनक बुवाई संपूर्ण निर्यतं मुनि श्रीज्ञानसेखरेण साहृपाजल  
पटनहते श्रीपादसेनाकप्रसादात् श्रीरत्नु ॥

७८८. ४६२४ (१)

भावदमक कचा (धपुर्ण)

भादि- ॥३॥ श्रीधारशाम ममः ॥ धव भावदमसि क्षिप्पते ॥

बुद्धा ॥ कमतो सारव मिननु, कुलपति करो पठाळ ।

पवाडा पतमां सरस कदुपति कीर्ती काळ ॥ १

प्रभु धनेके पाडीबा वेत बडा बावेन ।

के बामसी पोडीया के पव पान करेन ॥ २

कोइ न दीवो कामना सुप्यो व सीमा बंध ।

भग्य संवाचणु जपमा बीजा खोडस बंध ॥ ३

धस्त- 'कलप ॥ सुर्ण पुर्ण धम बास नंद मंदन धडिगारी ।

सभुइ पार संभार, बोई सोपव धगुहाटी ॥

भक्ततर धासंद सवै बपचाप सुसावै ।

बमति बुनति संभार, क्वल सुपशाह कपवै ॥

रमौवो बरिठ पाबारनपि' ॥

८१३ ११२३ (२२)

बमिनाक बंधाहण योत

भादि- ॥३॥ धव केवार बुडी ॥

बुद्ध ॥ शामन बण लोहाबधुं, धम पुणु भवुं मंडार ।

मुगति बनोइर सानिनी तिगका इइ बरपाय म १

बानि ॥ बुनति रमनि तुं धरपाय । तुम्ह कुण कोइ न पामइ बारा ॥

धीन मुबनहु धाधारा । धमबानन तुम्ह बसाय ॥ २

धस्त- लहन बराण कु पापु ज पानिब । जवम परल कु भइ ल बटासिड ॥

मुबम ध्यान ऊबल पिरि कटीए । वेमनाक धिम रमली बरीए ॥ ४४

ब्रह्म ॥ नेम बंदाइए के मण्ड दे, ते पावइ पुसार ।  
मुनि भाकइ इम बीनबइ धोरइ मन के पार । ४६  
इति नेमनाम बंदाइए नीठ समाप्त ॥

११७३ (४८)'

पनरमी बिद्या

पारि- ॥१०॥ श्री मूलोद्यायग्न- मन् राजा भीजरी पनरमी बार्ता ब्यास भवानीदास  
द्वारा लिखिते ।

अथ ब्रह्म ॥ श्री ब्रह्मपति सरसती क्षीर, विसता एबि गुरुदेव ।  
ब्यास करे धरबास प्रभु देवे अप्यर मेव ॥ १  
अविनात बाणि आप जे देख्ये सुबुद्धि सुग्यान ।  
त्रिपावरिज बरणात कर्क भरे सुसधन ध्यान ॥ २

अथ- कछु न तार बचन बिठ भरये ।  
करीये भोग आसोच न करीय ॥  
सुय विभास बहुतेरा कीर्त्त ।  
दीमसुं मरम जरम मही बीर्त्त ॥ १३  
प्रिय परपुरुष मनु बपायु ।  
बोष्टै वात पारकी घाय ॥  
देव बचानां नीठ बीर्त्तानै ।  
बिषतासेह बु धिनास बवानै ॥ १४

(अपूर्व)

१०७४ ११९० (४) पादु भाषोनीतरा ब्रह्मा (अपूर्व)

पारि- ॥ श्री पादु भाषोनीतरा बोहा मुं सम्पत् कया ॥  
देवी दे बरदाजि मुण्ठावो मुं लख माधीयो ॥  
पादुमुं परध्यान मासतुं तुर्भे गुणै ॥ १  
सुरनाया कुडाल बरवामक हुइर्त्त बनी ॥  
मम पादु भूपाम मत्तबहै यां कीर्यत मुनु ॥ २

अथ- बीरै बरबंताह मै कीधो सुख पांभीयो ॥  
पुई नइ पाठीह माता सुण बूम्ये भुर्त्त ॥ ११  
बेहरो बिष्वादेह मै समस्यमो मो बिसा ॥  
प्रिय भागो या एह तो प्रिय न मानै बिषट ॥ १६

१११४ १८६७ अयसीराम प्रोद्धित हीरा की बस्त<sup>२</sup>

१२६६ ११४९ (२०) महाराज धर्मसिध देवलोच हुवा सिध सपयरी बार्ता

पारि- ॥१॥ अथ बार्ता महाराज श्रीधर्मसिधजी देवलोच हुवा भारवाहिनी  
निरो हुवो प्रिय लमीयारी ॥ संवत् १८०६५ अषाढ सुदि १४टी राति बडी २ पाछनी  
पहियां महाराज श्रीधर्मसिधजी धर्ममेर देवलोच हुवा मै बान पोहकरजी बिरायो । पत्नी  
१ यह ग्रन्थ मूल सूची में भूल से छपना रह गया है । २ यह इति प्रतिपन्न से प्रकाशित हो रही है ।

महापद्मम्बार श्रीरामविष्णवी भावण सुदि १० मुरवार बोकपुरमें टीकै ईठा ।  
 ग्रन्थ- संवत् १८१३रा घासाज सुदि ८ महापद्म विष्णुविष्णवी मेडतें ममम कीबो ।  
 सोम्य विणु हुपी लीबो । ठरै रामविष्णवी त्रैपुर नबा । राजा ईसरविष्णवीपी बैटी परलीबा  
 संवत् १८१३रा पोस वदि १ मंमसवार ।  
 इति भाववर्द्धविपाठी नारठा संपूर्णे ।

कवित्त- विपणी मुरवर बेण राम राजा से प्राया ।  
 साय सवाँई छार काल विणु पडपा सबाया ॥  
 बरती हुई पचक सुटकोस बखी मचाई ।  
 हुनीयांरा पोमाल मठ विणु कटी सबाई ॥  
 सबत घळरै इमारोतरै नारोतरौ विणु बाणीमो ।  
 तीनु कास मिस एकटा ठेरोतरोही पिछ्छाणीमो ॥

१२५६. ६४

भाबवानसकामकबरना बीबाई

भाबि- भाबवानस २ रूपि मकरव । जयपद् विद्यावर बतुर ॥  
 बिकुर बासि मुरपुर विचलय । नारव बर नाह गुण ॥  
 लडु बेव बभिस लदाण । कसा बहुतरि प्रति कुसलसाण ॥  
 अभिनव इंचकुमार । सवपुर मुपि जिम मन लह ॥ बिरविषु तेह जरिठ ॥ २

ग्रन्थ- इहा ॥ संवत् सोमसोमोत्तर, जेसममेर मम्यरि ॥  
 फागुण सुदि ठेरवि विबधि बिरबी घादित्यवार ॥ ५  
 माहा नूबा जठगई, कवित्त कथा संबंध ॥  
 कामकबरनाकामिनी भाबवानस सवम ॥ ४१  
 कुमसमाम भाबक कइह सरम जरिठ सुपविम ।  
 जे बाबइ जे संपसइ तीया मिलाइ बन गरब ॥ ४२  
 याबा माही पांचसइ, ए जठगइ प्रमाण ॥  
 सुणुवां मणुठां सुप बीमइ, जे तर बतुर सुजाण ॥ ४३  
 रा' स माल सु पट्टवर कुंवर श्रीहरराज ।  
 बिरबी ए १२ वार रस ठामु कडुहल कामि ॥ ४४  
 सारबधुं प्रसाद करि सीस ठणुइ पाचारि ।  
 नणुइ नममइ तेह तर सुप पामइ तरनारि ॥ ४५

बंध १ ४२ ॥ इति श्रीभाबवानसकामकबरना जठगई समाप्त्या ॥ सं० १६४३ वर्षे  
 र्बन्ध बदि १० बुबवारे जतछपाड लसणे मध्य पत्नीनाल मट्टा भी घातिमूरि तत धि  
 श्रीबीवास भिपर्न जयतारणे ॥  
 १३ २ १७१

भाबवानसकामकबरना बीबाई

भाबि- ॥१०॥ श्रीपरमारने मम ॥  
 प्रणुमु पाठा ठरमठी प्रणुमु सवपुर पाइ ।  
 मुरवर्चा बभित करे जत जयमें कडिबाइ ॥ १

कथा सरसर्ने कवि बरहण कसबीयो बहु मीठ ।

साकर हाप मनी यकी मे लो मबिका बीठ ॥ २

ग्रन्थ- मंत्रत सतरेंसतबीसं बुरें । सुदि भासलें बीज बिनें बुरें ॥

परतर सह गुबबिणबंद पयकक । तेहनें राजे सोहनसुंदक ॥

सुदक सोमसु दर प्रसादें । धमसोम इणि परि कहे ॥

ए घरस कहिनें कथा दापी । अंब गतिमंदिर सहें ॥

इति श्रीमनिर्गुण मानवती चतुपदी समाप्ता ॥ सं० १७७८ कब सुदि चतुर्मी लिपिता  
१० पत्रबिबमबट ॥ भाबिका पुष्यप्रमाविका देवपुदमत्तकारिका केसरपठनार्थ बीक्रम  
पुर वासव्य कस्यासुमस्तु ।

१३८२. १४२० (१३) मेवला धाबिकी ऐतिहासिक हकीकत

धादि- मवत् १७४६ वर्षे पोस बदि लबाब अस्याइतपांतरो बेटी राबगायंडी  
ठिकनु मेवटीनें बोबो पांशानु मारीमी । सोमरि परें तुरक बणा गरण गमा । रगत बपत  
बोधा दुष्ट इव सर्वें रजपुतारें घायी । राजानु बाबी । मारबादि माहे बरस ७५८ रह्यो ।  
बीकां मये मीक पावटी माव बणा पाई मारीया बा लका धर्ब कसर काबी । मुहकमसीप  
नेव्हीमानु मारीयो हुयो ठको बीर लीयो ।

ग्रन्थ- सं० १७२२ वर्षे बगबी मुकालें स्पीया इबार ७ सघकरीपांतरें बेटी बीबो  
हबीवपान लीमी । साप नीपनी छपरी । मेह बणा हुमा ॥ १

१४२४ ७७२ (२३) रायनामोपरि बिरहनुमाबित

धादि-।।। प्रीतम नाम्यो हे सपी मलित करी सपवार ।

हिकडा जपर हिसतो मो बिरहलीको ना इार ॥ १

तुम बिण मेरे प्रीतमा मंवीर माहि मंवार ।

बर बाहर नही घालये बा लीयो सीव मंवार ॥ २

ग्रन्थ- बाहरो प्रीतम धाइयो संक्वा समे सुजाण ।

मन जह्यहो घपि हुयो करो कस्याण कस्याण ॥ १

मीठ पचार्या हे सपी पायो धाज सोभाग ।

अंतमी जय बय करे, धाज अम्हारो भाम ॥ ३१

इति राग संपूर्णः संवत् १७६३ वर्षे बेटे सुद ७ बीने भी ॥

१४६१ ४६ १ (२)

राजसभारंजन

धादि-।।।।। धव राजसभारंजन लिप्यते ॥

मंवाबर सेबहु सबा गाहुक रतिक प्रवीन ।

राजसभारंजन कह्यो, मन हुपास रस लीन ॥ १

सपतिरति मारोवतम बिद्या धुवन सुयेह ।

बो बिन बाप धारंभमै लीतबको फल एह ॥ २

बीचसे कुछ उदाहरण—

साज सहेट बरको बई, सुग्वा तिय पिय बीस ।  
 बीसेमें कोडी म्ही बसे बाज की बीस ॥ ६७  
 सहुन टीठि कुल ठनि तरे कोम कसाकी साज ।  
 बाप न माटी मीरकी बेटा तीरंदाज ॥ ७०

घण्ट— संव तीगसेसाठ सत्र स्पन्धरै सुप देठ ।  
 राज—समा—रंजन सरल कियो रतिकरन हेठ ॥ ६७  
 संक बांन मुनि सति (१७२६) धमा विक्रम सक मत्र मास ।  
 जयस लक्ष्मी श्रु विवठ वूरन रस प्रकास ॥ ६८  
 सुपव मूधि सधामपुर, भीमपुर बरसाहि ।  
 वहि कदि मग वृषसभ भति मति रतिघों धरबाह ॥ ६९  
 लक्ष सो सुप सज्जन कसा देव बरपर पाम ।  
 तब सो फिर बीबहु रसिक पबठ गुच्छत मुंन नाम ॥ ७०

इति मीराजसमा-रंजन बीहा समाप्त ।

संवत् १७६८ वर्षे मिति पोस कदि १४ शुक्ल त्रिपिडित श्रीगुरुकु कल्याणमस्तु ।

१४७६ ४८३४

राठोड माहुरवांनरी संव

घादि— संव राठोड माहुरवांनरी काबस मापीकास री कही ॥

भादव्या ॥ ज्येष्ठा वृषसांसी ठका । बाली पछा पापर होडा ।  
 बीरा बीघा रझ्छीस बीडा । माहुरवांन लमप्य बीडा । १  
 मांडरी केबी मुपमाणी । पासा पंन बिके वुरमाणी ॥  
 बरपावां सुलु बररल बागरी । देवंत रोझ बीरै राबाही ॥ २

घण्ट— कमस ॥ बहुस तेज बहु सपथ बहुत मोभा बहु भीमस ।  
 बीरज तेज धर्मत लोक बीप बनहलाबग्य ॥  
 बर निजाल वी करत वात बतगह मीनम ।  
 बनेम वेन विरायथ बरिंन बीभा वेपायन ॥  
 बरज्जुन बडा बर कबीयगां रवापी धरं हरतै रवे ।  
 मन्गीया पांत राजांनकी कोप करग्रह धर्मिनजे ॥  
 इति माहुरवांन बीडांय रावाटरी संवः संपुरवं ॥

१४६८ ३८६७

रामपछोरलाबन

घादि— ॥१०॥ राम रागा लियने ॥ बेमाबन रामे ॥  
 बीडा ॥ श्रीमुनिबोधनस्वामि समो निजबन ठारठा देव ।  
 तीरव कर प्रभु बीयमी कूर नर सारै तेव ॥  
 बुन मुनिन मच्छिमो पो मावीत मज्ज ॥  
 अनया मूधि बितबर लगी राजपही बहाम ॥ २

पद्य-कवच ॥ राम सिद्धमन धर्मे चावणु सति सीतां भीक्षरी ।  
 कही माया करीत माची बचन रंजन करी परी ॥ १  
 संन रंन विनोद कवठा धर्मे प्रावठा सुन भली ।  
 केचराज कबीर जंवे सबाहरप बचामणी ॥ २

इति श्रीबाल ह्यपट्या रामयसोरसायली अतुषोदिकार समाप्तं सर्वं बाल ६२ सर्वं  
 गता ११६६ सर्वं बंधाग्रज ४३७३ इति रमायण समाप्त ॥ संवत् १६७१ शैव मासे शुक्लपणे  
 शिव ऋतु १ वार धारीत वार नै वेहरवामे बमना टटे । सियतं रमायण सास्त्र पुरा कीया  
 ह्य सुवचन सियतं ।

१११७. २१६४ (२) क्यबीपक विमल

पारि- । श्रीरामजी ॥ धन क्यबीपक माया सियते ॥

बोधा ॥ सारवमाता तू बडी सुबुधि देहू बर हाल ।  
 विमल कि छया सीदी बरनीं बावन जाल ॥ १  
 पुन ननेसके चरस गहि, हिमे चारुई बिल ।  
 कुमर भवानीवास को पुगति करे जे किल ॥ २

पद्य- बावन बरनीं जाल सब जैसे मोमी बुद्ध ।  
 दूध जेर जाकीं कही करी कबीसर मुद्ध ॥ १  
 संवत् सतरें से बरस घोर सिद्धंतर पाय ।  
 भावों सुदि हुतीका गुरी भयो संन सुपचाय ॥ ४ संवत् १७७६

इति श्रीक्यबीपक विमल भाषासंन संपूर्वम् ॥१॥ सं १८३८ मिठी पोस सु ६ ।

११४७ ११९९ (६१) लापाफूलाशीरा कवित्त

पारि- । सर्व ॥ धन लापाफूलाशीरा कवित्त सिध्यते ।

अप्य ॥ प्रथम अठहू कोठि छिन बहू मिसे सुमट्टी ।  
 बर पुरन ऊमई बहू छिर बाट छबट्टी ॥  
 बंधन बाप मिक सध्य लोकी बर माही ।  
 वनवर बीच बिसग बाण बामसो पवाही ॥  
 भूषसो नयण पुड बुजियो वंभीर पन जोवन फियो ।  
 मम बीहू सूर सत मारवा इंग कही लापो धयो ॥ १

पद्य- संवत् नव एकमे मास कारतकव निरंतर ।  
 पिता नैर बल ममहि सहुव रापाहत सखर ॥  
 पई सया सो पजर पडे सोनकी सो पट ।  
 प्रोसहीस सो जाबडा मूधा फिल राज रिजबट ॥  
 पांठरे बमल मयस नहू सोस सीहू नामी छरी ।  
 भाठ मे पय्य रा बाइली मुनराज सापो मरी ॥ ३  
 इति लापा फूलाशीरा कवित्त संपूर्वम् ।



प्रथमं योयम प्रमुप बसि बसुवर कुलइ निवाम ।  
 समरंती कुल जेहूटा पूजइ लवनी घास ।

प्रश्न- ताड सीठ रंवरु बरुड, राजसिध घाबंद ।  
 विद्याविलास कृप बाईबर बान घाबिक सुपकंद । ४३  
 ए संभंभ सुहाबखुठ सुखत नखत कुप दूर ।  
 मनबंधित साहिस फलाई लहाबइ सुपतर पूर ॥ ४४

इति श्रीविद्याविलास अठवई सप्तम संपूर्ण सर्बभाषा १४६ संवाद्य ११६ संवत्  
 १९६१ वर्षे माह बसि २ तीर्था अकरणी भाषणार्थं लिपित श्रीबीरभरमैरपभ्ये सुभं  
 भयतु कल्याणमस्तु ॥

१९२६. ११११ विद्याविलास चौपाई

घादि- ॥१०॥ श्रीहरस्तवै नमः ॥  
 इह- सरसति नित घापो सुमति चित हित धरि प्रसुमेवि ।  
 वित तित विल बानक प्रथम सोमित दह विवि देवि ॥ १  
 कविबल बरखां तिथि करण, दूर हरण धम्भान ।  
 बरख सरख उचम बरख उपाबख दुख म्यान ॥ २  
 प्रश्न- बाबक कुलधर्मन सुपभाषा श्रीसोमगणि सुपसावाजी ।  
 इम जिनहरण पुष्य कुल पावा तीस बाम सुप पामाजी ॥ १४  
 हिन राजाभि सुषे सुपवाणी ॥

इति श्रीपुष्पविषयं विद्याविलास चोपई संपूर्णा ॥ सं० १८२६ वर्षे तिथि घामाड  
 सुदि ७ दिन ।

१९३२ १८२७ विद्याविलास दास ( ववाडव )

घादि- ॥१॥ ॥ नमः ॥ श्रीबीरभरपाव नमः ॥  
 पहिनुं पणु पडन विभेसर, धनुबव धवतार ।  
 इविछाडरि श्रीघाति विभेसर, उजलमेमि कुमार ॥ १  
 श्री राडसि पुरि वाम जिलेसर, घाच उरउ बर्भमान ।  
 बाममीरि पुरि मरसति लामणि विरु मुभू मित बरवान ॥ २  
 प्रश्न- उंभम मेई उिबपुरि पुहुठउ नन नन विद्याविलासह ।  
 मरुड हीछलंड नो श्रीर्नबहु बलिन पूरउ घासह ॥ १९  
 मवठ बरुन लम्बाली घास, रबीउ ए हरनामनु ।  
 घबल बर्भामला ए ॥ १६  
 श्री लपइ संबरि रवि तपए तां मवइ विस्तरउ ए जयी ।  
 घबल बर्भामला ए ॥ २०

इति विद्याविलास चरित्रदास संपूर्णा ॥ संवत् १९७६ वर्षे ॥ माघी बसि कुवाडवी  
 सुधवारि भावालयमे लिपित ॥ सुभं भयतु ॥

११०० ७७२२ (१४) बीरमवे ईडरिया आदिने कवित

पारि- ॥ श्रीमनेयाम न(म) ॥

कवित- मरुत संक बईवत संक संकत अहिउरुएण ।

बनत भीन अहि बेसंत पात पेवत पत्राएण ॥

ममरुत पास माया तपास रस हाइ महा बल ।

परमा बात सोबन बात कितत बेयागम ॥

अशुएण आइ एकाएणै साभिहांतर दिठो सवे ।

विठुं राइ तिलक मारियेण तना दाता सो बीरमवे ॥

पन्त- कर परि जिए निरवार भरपी मपुए मारपी कंत ।

रेपा रायस मिरदने जयकारी अहुबंत ॥ १०

भीठहुटोटी सापी ॥ ॥ मियत मिम प्रागवराम ॥ सुममस्तु ॥

११०१ २१४३ (४) बीसलदेव सुमर सिकाररी बात०

पारि- ॥ अथ बईराव बीसलदेव सीरोहीरे अशीरी सुवरारै सिकाररी बात मियते ॥

सुहो- यहै भूष भूषी घटा अणिया टक विहम्म ।

मरववसुं अथया रहे जाका कोण हवस्त ॥ १

बाठ- भावुय पाहुडां ऊपर लवनाम । बीरसी छिद्र । बीसठ जोगयी । बावन बीर । ठेवीस काइ बेवता तपस्या करै । स आबुरै पाहुडां ऊपर १ अक्षम सीयो मो मास २ पक्का अवारतो हुनौ । सी माईता सार्य अरुण बावै । सो पाहुड कोस १२ में तें ऊपर अरै बीनै । सो सारी ही ठोइ तपसी तपस्या करै जे ।

पन्त- सो जिए एहमै सुवर सिई को तैमे धाय परी । बडी मरुतास हुई ।

त्रिकै मिरवार काम धाया बा ठिकाने राजबी निबाजस करी । सीरोही पवारीमा ।

इति भीबई राव भीसलदेवै सुवरारै सिकार बात संपूर्ण ।

१११० ७७४३ (४) देवस्तुति भाषा

पारि- ॥ धीरामबी ॥ अथ देवस्तुती भाषा लीप्यते ॥ राजभीरानीसीबजी संवापन ॥

संर- धी मागौन बसम सकरं देव सतुत्म भाषा बंन ॥

घटी प्रानंद भव बंन जेयं प्रावापमन मिटै भ्रम वेरं ॥

भोपई- धीसुपदेव बड्ड अणुबजाता । देवम्भासके पुत्र जिप्याता ॥

तीनक परबंबन मी कइ । तीमको म्यांत हीरईनी बर ॥

पन्त- नीती प्रती पाठ बु जे करै सुपदेव बम ज्ञान ।

तत पर नीहने पाम है रावै प्रम बीजान ॥ ६०

इति धीबेव सतुती भाषा मरव सपुरण ॥ कबीरं म्हााराव भीरानीसीबजी ॥

\* तं ७७२२ (२३) पर अंकित 'एकमविड बराहुरी बस्ता' भीर इस रचनाकी कथा-  
बस्तु एक है किन्तु दोनोंकी वर्णनधेमी भिन्न है ।

ब्रह्मा- करि प्रस्ताम श्री साग्वा धपनी बुध परमां ॥  
 मुक सप्त बार्ता उ करी न्याकै देवी बान् ॥ १  
 विष्णु नगर मुहामखो सुम संपतकी ठोर ।  
 हिन्दू बान् ५८ हिन्दू बरम मंठी सहर न श्रीर ॥ २

अन्त- हरबल सेठ होम करायी तिहाँ सारिक पिय छाई । अमरसुं विष्णुनाला  
 वरी । बल्लरे बबंन सेठी सराय छुट सुककारिका नबबं होव बापलै लोक बया ।

इति श्रीबहुतर बार्ता सुम सुबाबहुतरी संपूर्णम् ॥ ७२ संवत् १८६२४ विती  
 भावस्य सुवी १ दिने तिपतं पं० विजैसपुरेण श्रीजैसमेर दुर्गे चतुर्मासां स्थिता ।

१८४५ ४४१६ शुक्रबहोतरी । प्रथम वम अष्टात्

आदि- दी बङ्गी । पूनबीकं विरै बहुतरी कथा मनुष्य भाषा करि प्रयावती घाबै  
 बहुती । सीम रपावती । तदि बंनमार परबतनी विरै भाबिनी सुक सरीर सौधिकं मूल  
 वी घरीर वामी पाबई मोहर बाहमणनी बान् बैई । तिपाय बाइस ।

अन्त- कवि देववत रुई । सुकका बचन मेला करिकं बावकी बुजिकं अनुठारी  
 बाबी छई ।

इति श्रीशुक्रबहोतरी कथा समाप्ता ॥ संवत् १७६० वर्षे आश्विन वदि ९ पक्षी  
 शोभावाहरे पं० बनीतविचर सिपि बके ॥ अमंभवतु ॥ श्रीसमाप्ता ॥

१७४५ ६८५ श्रीपाल रात ( ज्ञानसागर कृत )

आदि-

॥१॥ ब्रह्मा- कर कमलकोडेवि करि त्रिद्व सयम पखमैव ।  
 श्रीश्रीपाल तरिदतु रामबंन बसलेस ॥ १  
 महीबान् मंत्र धनेक श्री संपनि सपदिश मार ।  
 मकतावर तनु उत्तरी, बो बपी श्रीनबकार ॥ २

अन्त- तिद्व बक बहिमा लुखो ए मासं बरी बवैबा कर्बबरेदि सुखो लुखरी प्र० २  
 मनबंदिश सुपबाबू ए मास० ॥ जे सुबै नियमेव सुखो के० १ एक नरां के बिन बपइए  
 बा० ते बर मंनल मास सु ते० १ अडि मनीती बोबवै ए मा० वम सुबति श्री सुखी  
 सुंदरी के २ ।

इति श्रीपालरात संपूर्णम् ।

१७४६ ६९१ श्रीपाल रात ( जिनहूकं रचित )

आदि-

॥१॥ ब्रह्मा ॥ श्रीमरिट्टं धनंत सुख धरीवद इबई ध्यान ।  
 देवस ज्ञान प्रपाय कर, बूरि हरण धनबाल ॥ १  
 बजर तनु अगि रइइ निय धनंत लपुडि ।  
 कृपति सुबनि मुब धोलचद बापद धविचन विडि ॥ २

अन्त- संवत नगरवनी चापीती वैशाखि लुखगी एव १ ।  
 भातद लोमवार लून दीनै, पाटस विनवा बीतैरे ॥ १०

भीपरतरगद्य महिमाभारी भीजिमर्चद सूत्रि जयकारी ।

बाभे सह तरनारी रे

शांतिहरप वाचक सुपकारी । तासु सीस सुविभारी रे ॥ ११

कहे जिनहरप भविक नर सुशिरयो मन्वपद महिमा कशिरयो रे ।

धरताभीरी डानी सुशिरयो निज पाठिक बग सुशिरयो रे ॥ १२

इति भीषिद्वचक महिमा उपरि श्री श्रीपालरास संपूर्णम् ॥ संवत् १८१४ वर्षे  
अमुन मासे सुकृत पक्ष १५ तिथी शुक्रवारे पाटण नगरे प महीशस्वभेन लिखितं ।

१७१२ १४८६ श्रीपाल रास (गुणरत्नसूरिप्रणीत)

धादि-

।। ॥ कर कमस जोडवि करि सिद्धसयल परामेसु ।

श्रीश्रीपाल तरिदतो रास बंधय भणेसु ॥ १

महीमिसि मन्व धनेक सिद्धि, पपसि मपडिकमार ।

मन्व सायर ते उत्तरई जो कपीई श्रीगवकार ॥ २

अन्त- श्रीगुणसमुद्रह सूत्रि, तास पाठि सोहामरा ।।मा ॥ बंदीप धाणय पूरि ॥ ६१

भवीया भवी इत उन ए मा श्री गुणरेव हस्तरि ।

तास सीसि रास रचित ए मा । श्रीगुणरत्नह सूत्रि ॥ ६४

पनरएकभीसई मांगसिरह ए ।।मा०॥ उचमी बीज पुस्कार ।

रास रचितं सिद्ध चक्रं ए ।।मा ॥ पाइउ भीतवकार ॥ ६५

एक माना जे जिन जपइए ।।मा ॥ तेह करि मनल मान ।

~ रिद्धि धनंत मोलवह ए मा० जिन भूपति श्रीपाल ॥ ६६

इति भीषिद्व चक्र श्रीपाल रास संपूर्ण ॥ श्री।श्री।।श्री।।

१८१७ ११७४ संवत्सारांय कडपो

धादि- ॥ समरासारांय कडपो जयते ॥

बुहा- पातीसाह प्याराबीन बलीपत सुमतांग ।

तास तणे बजीर जो पांग मुसाक्रम मांग ॥ १

पातसाहा पीतावकी ह्य नम रच भसवार ।

जोस सुपासण पालकी छत्र चांमर ले सार ॥ २

अन्त- जाच करी बेंर घावठ बरतो डेंडेंकार ।

कर जोडी रैपाल जरी तु घोस बंस सणगार ॥ ४४

इती श्रीसमरासारांय कडपो संपूर्ण २६ ॥

१८२३ ४२८७ (१९) लवाई जैतिन्त्रीकी जोबपुर बहाईका वर्णन

धादि- "संवत् १७६७ वा मीठी सावण बरी ८ वे भीमाहरजा सबाह डेंडेंचत्री  
जोबपुर कुरर बहा । राजा धर्मेसबरी हुजम पातसाह महमुबसाह नाभे बहा । मो रोम पबरायी  
१५ जोबपुर जाह साणा । बरक मडोबरणी डेंडें जाह भीया । मुकाम १"  
धागे मुदके धर्मे वीर जोबपुरकी तरकले जिये वने जवहार पारिका वर्णन है जो संपूर्ण है ।

१६६८ ११११ (१६) सिरौही मांडवी धादि ल्हालोकी बोलियाँके लमूने

धादि- धाब बोलीयां लिप्यते ॥

सबइया ४ ॥ समसेस धाह पेमा धाही बाठ पासों कहु  
मोटीयांरो सोड मारै रईयां रै वास्यां भी ।  
इएनै अमाबीयांरै सेबा बेबी काइ मईह,  
उएनै अमाबीयांरै भी नै बाटी वास्यां भी ॥  
बाबर रै बुमकेसुं साडीयांरै भूमके सुं,  
सोचयांरै सुमकेसुं बिठडो रमावस्यां भी ।  
धमयांरो कोट धाओ छीरपांरी प्रोट बासै  
ज्यांसुं सारी राठ बीबडो रमास्यां भी ॥ १

इति सिरौही बोली संपूर्णा ।

ठामोमूमो भेड मोनै डुरी डुरी ना०यां बोसै  
गांवरै कुवायां सुपै छोइरा सुपै हाटसुं ।  
पमा फिटो एक कब ए कहु कहां घोही मोमा  
धादिकरो ज्युं हु ईई रीबा काटसुं ॥  
घोही रजपूठ बायो हु ई रजपूठ बाई  
घोही एकै नामै से त्पुंही काली काटसुं ।  
नएरमबाई धाही बाठ बांसु कहु भाई,  
पेई बरबाधसु केहा दिन काटसु ॥

इति माडेवी बोली संपूर्णा ।

बैष जांवां तेब माहूरै सोड सोड धाओ धाओ  
धाबे बारो विसु भीयो माहूरै काम काबे बावां छं ।  
हार फंडी डोरो सोई भालनै बाह मरोई  
घोही भूठी बाटां मेहडो न लबावां छं ॥  
सडकमै धाई पोसै भूंडी भूंडी वास्यां बोसै  
तोमु फिसु बीहां बाई बरे रोटी पांवां छं ।  
नाम बीब फिसु पोसै पापतीर भोरु जोबे,  
धाबे वासु उबि मेहड उबि धावां छं ॥

इति बीकानेरौ बोली संपूर्णा ।

नएरम बाई बाई धाही बाठ पांसु कहु  
बैषो बाई बांरो भाई म्हांसुं बेड मारै जी ।  
एक तो मेहड मर बीपै तिका भे जाणे विष  
बीबी हीं नगारै बीपां तीपां ओर दिई भी ॥

केहो द्विर्बे पाऊं किपी कहो चिकू  
 ठिकू करी कपी ही म कुट्टु म्हारो सेहो म साईं बी ।  
 बाग्यो र्यु ही हालो प्राप हू तो क्यु ही  
 नहु नहीं देयो मांनै साईं बी ॥  
 इति ओषधुटी बोली संपूर्ण ॥ निपीकृतं विद्या केसरचंद्र ॥ समाप्त ॥

१२४६ (२) सेरसिंह मेवतिया प्रादि राजाधोका सपपरा

प्रादि- नीत जाति सपपरो सेरसिंह मेवतीमारो म कुससधिव बापावतरो ।

बबडे प्राचीया बरारै बेध बेहु राजा बंधे नाम  
 बेहुई धराबा दमे छुटे योला बाण ।  
 बभाबसी सिबुराय बाधिया भुम्भाउ बाबा  
 भडे बेहु धाम साग लकनै पारोण ॥ १ ।

ग्रन्थ- रगमे धर्मया वीसा कसी तब धन रना

प्रापती पित्तया पोई सकोवती धंग ।  
 नय नय बाल बभु धेरियां कुरग बचा  
 भेट वेस लानी घमा नांगरा तरय ॥ ७ ॥ इति ॥

१२४६ (१) सोनिगरा बीरमदेरी बारता

प्रादि- ॥११॥ मय बातां १ सोनिगरा बीरमदेरी ॥ गड बामोर सोनिगरा बखमीर  
 बीरै कबर बोह हुआ । बबो कबर कामबडे । छोटी रांभपडे । टीकै कामबडेबी बीठा । मड  
 बामोर राज करै । ठिको एकण्य समीयै कामबडेबी ठिकार ज्ञीया । ठिको बामोरसु कोठ  
 १ तथा ११ उपरा क्या मी राठि पडी । कनै एक पचास राठी ॥

ग्रन्थ- तरै धबर बंदखरो बर बणायी । माभो बड पोष माहे लेनै छती हुई ।  
 ठिका पांबदसु काम सतलोकनै लेनी हुई । पाठिसाह पलाबदीन बिसी गया । भा इतरी बाठ  
 बीरमदे सोनिगराटी कही । शूरबीर बातार तिमुरै मन लही । संबत ११३७ समानदीन  
 पाठिसाह बामोर भायी मी संबत ११४२रा फागुण बदि ११ बीरमदे सोनिगरो काम भायी मी  
 यह बामोर मानौ ।

इति बीरमदे सोनिगराटी बार्ता संपूर्ण ।

४२०३

हमीररासो (हमीरामन)

प्रादि- श्री बनेसाय नम हमीराईन लीपती ॥

कबीर- गबरीनद धार्मिक बंद लीमाट बीरमैठ ।

ब्यार भुज कर करस सरस भुपन धम राजत ॥

कर कर्मबल जयमान माल बचन बोह सुहाई ।

नबुर तबमय स्वछमब रची धोर उबमाहन नीन ।

हो हय प्रधन सुधी सुधी पती जी कय कबीर प्रमा माण ॥ १

घण्ट- कबीरः ॥ घसी करीठ काहु करै नही कोउ सो करी राजनी चक्र राम ।  
 बाईस बीरम राण बुभनीन पाईनियामा अचहु मय्यकी रोड रोमे ।  
 बलीम नडारा मबयल कहु हुमेस करी ।  
 कयल रमयंम पड घसी करै न कोई ॥

ईती श्रीहनुमतरामनसाको श्रीवार संपुरन समापटी ।

ईद बाबाको ॥ कुडनीयो माई सोहुवे घसीस काई बीको बरस सो । बाई मोई है  
 घसीस छीबी ई ठोर बीबा । बाबा ज्वर बीस नरैका बन बीरम केहू ।

भीपल पावे ताबुराम वाह्यन मोडमी भासाबी भम बर्ममुर्त मड वाह्यनका रत्नपाम  
 राजा भीमलजीकू ताबुराम वाह्यन पोड सरारामको प्रटीको टोड रई है पकीजीको धप  
 भीसुको घसीस बंभकोबी मीठी पोम बकी ६ मंभलवार संभत् १७५७ बी बुसुम नानी श्रीकृ  
 राम राम बंभकोबी । बाइल्ट बरबा ताइसं भीपले मा । जबी सुड बीसुडं बा मम दीपे न  
 बीपले ॥ पु० ॥

२३७४ ( १ )

हरचंबपुरी

बादि- ॥ घब हरचंब मय्यते ॥

मेंटी घबनी तयम ठाम । राज करे ता हरचंब राम ॥ १  
 राजना चक्र करे नव पड । घोल न जोरे को बबवंत ॥ २  
 मामु घोल नऊ नव करे । पिलव पिली पुष नमी मरे ॥ ३  
 पड तुलसी बिरामखने बबा । राम घत हरचंब नै राम ॥ ४

घण्ट- बाडी पडबमें बसमसो बाबापो मुके सीस ।

घाबल चकीता भाबीड भाहावचहु नपरीस ॥ ५

ईती हरचंबपुरी संपुर्ण ॥ १०३३ ॥

२०२३ ( १० ११ )

हीवाली

१ हीरकमल कुत

बनि बमम प्रसंगह । बाग बतह लभु संव विमंनह ॥

बहिहो पंथिठ से पुख गारी । स्माम बरख से स्माम सिपारी ॥

कबल नुगीर कमन बुख गारी । हीरकमल कहि कहुड न ह बिचारी ॥ ५

२ हेवालय इत

राज मस्तार स एक पुख सामल मुकुमीण्ड रमखी बिहू भरतार है ॥

मंभा नुरि गिरि पून जलाभउ धुबिचारउ संसार है ॥ १

हीरकमल मुनि सीम हेवाचंद बोमद मम उस्तुाम है ॥ २

घण्ट- इति श्रीहीवाली नाम कुंन हीरकमल मुनि ॥ संवत १९१७ वर्षे काशी सूची

२ दिने रचनी रचाने ।

२८६३ (१२) हीरकमणि दोहादि बर्यन

इस पुस्तकके समस्त पत्र पर बारम्बार सुन्दर-शरणादि हीरकमणि दोहादि निकल गये हैं जो पत्रका कृपया माता लिखित हवा बानस दुर्गाका पत्र मन्त्री रचिये। अतर्कित मान दोस्य कृष्ण मन्त्र का प्रसार है—

दीपा बुद्ध्या दाया ॥ सा नन्दज्जा पुत्र मन्त्रि ॥ १०० पुत्र मन्त्र ॥ बाबा पुत्र मन्त्र ॥  
 बरदा पुत्र मन्त्र ॥ देवा पुत्र ॥ मोना पुत्र मन्त्र ॥ अज्ञा पुत्र का सरारय प्रमुखा ॥ कुतल पुत्र  
 शीतल हीरा मेधा हेमानन्द जमा अरजत ईन्दर का ॥ देवा पुत्र बीरा पुत्र बिरमाता ॥





# परिशिष्ट २

ग्रन्थकार नामानुक्रमणिका

	घ
घञ्जलकीर्ति ५३	
घञ्जितदेव ६	
घनूपतिह ५४	
घनयजुष्मल ५२	
घनबसोम ३३, ३६ ५०	
घमूत ४६	
घमूत कवि २७	
घामरतामु ५२	
घानरसुग्धर ८४	
घर्जुनचंद्र ४०	
घर्जुनजी १४	
	घा
घाङ्गी बुरतोबी ३४	
घाचंद १०७	
घाचंद खेटूमक ३१	
घानगबचन ७२	
घानगबचन ७४	
घानगदनिचाय ७८	
	ई
ईसर ११	
ईसरदास १४ १०६	
	उ
उत्तमविजय ४७	
उत्तमसापर १०८	
उदयमानु ८०	
उदयारल ७ ३४ ३७ ४३ ७०	
७८ ६४	
उदयविजय ३४ ६४	
उदयचंद्र २३	
उदयराज १६	

उदयराज १७	
उजो ६	
	झ
झपम ६, २४	
झपमदास १५ १०७	
झपमसागर ५२	
	क
कनककवि ६६	
कनककीर्ति ३४ ३७, ३८ ४६	
कनकविद्याल ७१	
कनकगुग्धर ७१, १०३	
कनकसोम ६, १० ६१ १०४	
कबीर १३, ४६	
कमल ३७	
कमलबालु ३१	
कमलविजय २६	
कमलहर्ष ६	
करनोदान १०३	
करमचंद ३०	
कस्याल २१, ३८ ६७	
कस्यालतिलक ४१ ६८	
कलकवि २८	
कविजन ६४	
कवि देव १६	
कवियल ४६ ७२ ७६	
कानकदास कारैठ ३५	
कान्ति ७ ३३	
कान्तिविजय ४३, ६२ १०४	
कान्तिसेवक ३३	
कामीराम ६८	
कित्तवदास १४	

प्रसन्नो हस्तविहित इत्युच्यते माप-१ ]

- शुभानुभव ११
- शुभानुभव ११ १६ ३७ ६५,
- १८ ८१
- शुभानुभव ८३
- शुभानुभव १०३
- शुभानुभव ३६
- शुभानुभव ३६
- शुभानुभव १०८
- शुभानुभव १०९
- शुभानुभव ११ ७५
- शुभानुभव ७६, ८१
- शुभानुभव १७, ५०
- शुभानुभव २०
- शुभानुभव ५० ५३ ८२
- शुभानुभव ११
- घ
- शुभानुभव ७२ ७३, ७५
- शुभानुभव ११
- शुभानुभव २६
- शुभानुभव १२
- शुभानुभव १६ १ २
- शुभानुभव १ ११
- शुभानुभव ५
- ग
- शुभानुभव १२, ८३
- शुभानुभव ६३
- शुभानुभव ६३
- शुभानुभव १६
- शुभानुभव ५७
- शुभानुभव १६, १६, ५२ ५७ ८८
- शुभानुभव ५२
- शुभानुभव ६५
- शुभानुभव ६५
- शुभानुभव ६७
- शुभानुभव ६७
- शुभानुभव ११ ६२
- शुभानुभव ६५

- शुभानुभव ७५ १०९
- घ
- शुभानुभव ६२ ६२
- शुभानुभव ६७
- शुभानुभव ६५
- शुभानुभव ५०
- शुभानुभव ६६ ६७
- शुभानुभव ८७
- शुभानुभव २५
- शुभानुभव २६
- शुभानुभव २६
- शुभानुभव ३५
- शुभानुभव ५७ १०५
- शुभानुभव ३५ ८१
- शुभानुभव १८
- शुभानुभव ३२
- ङ
- शुभानुभव ३०
- च
- शुभानुभव ५३, ७६
- शुभानुभव २६ २५
- शुभानुभव ५ १६
- शुभानुभव १८
- शुभानुभव ३५
- शुभानुभव ३५
- शुभानुभव ३५
- शुभानुभव २६
- शुभानुभव ५०
- शुभानुभव ८१
- शुभानुभव ३५
- शुभानुभव २
- शुभानुभव २०
- शुभानुभव ३५ ७३
- शुभानुभव २७
- शुभानुभव ३५ १०३
- शुभानुभव ५६ ६६
- शुभानुभव १०

जिनसुन्दर ४०  
जिनसूरि २३  
जिनहर्म ६ ७ १२ १५, १७ २६  
३४ ३६ ४३ ४१ ४४ ४७ ५०  
५१ ५४ ५६ ५७ ५८ १०० १०३

जिनेश ६१  
जिनोदय ७५ १ ४  
जीवराज २६  
जीमो १४  
जीराज १००  
जित कवि ७४  
जित कवि १२  
जिरीव ७ १७  
जोरो १५, १६

ठ

ठाकुरसी ४५

थ

थरकहुंस १२  
थिलकसूरि ५१  
थुलसीदास १ ३  
थेजविजय १२  
थेज कवि १७

द

दत्तलाल ३५  
दयासील ४०  
दयालार १  
दयासिंह १०४  
दयासुर १७  
दयार्क भद्रराज ३१  
दान ६१ १०५  
दानसागर ११  
दीप्तिविजय ६१  
दीपी २१, २२ ३८ ४४ ७८ १०१  
देईवाल १००  
देवान २५ ३२ १६  
देवपुस्त ५

देवचंद्र ७ २७ ५८, १६ ११  
देववत्स १२ १०२  
देवविजय ४६, ५६  
देवसील ८४  
देवसूरि १०७  
देवीवाल ८४ १२ १०३

घ

घमसिंह १  
घमसो ५३  
घर्मदेव ३ ८१  
घर्मनरैज ७  
घर्मनन्दिर ५ ५१ ६६ ७  
घर्मरत्न ३२  
घर्मरत्न १ १८ ४२ ५२ १६ १०२  
घर्मविजय २७  
घर्मसील ८८ १०२  
घर्मसुन्दर ७६, ८५  
घर्मसी ४१ ५२ ५६ १७  
घरमवात ६

न

नग १ १  
नगवात ४५  
नग सूरि २०  
नगमधेश्वर ७०  
नगविजय ७०  
नगविमल ५ ३२  
नगसुन्दर ४२ ४६ ७० ५८, ११  
१४ १०२  
नरपति ५० ८१  
नरवद ११, ७६  
नरसिंह चारण ६४  
नरसी ४५ ४१  
नरहरवात ६ १०३  
नारायणवात भक्तजी ४३  
नेमसी मुहता ६७ ६८  
नेमविजय २३ १२

बेमिवात ४

बेमिवात ३४

प

बबोराज १४

बुधोराज ७७

ब्रह्मपतिह (लकाई) १ ६ ६०

ब्रह्मचर ३४

ब्रह्मदास ७३

ब्रीहिविप्लव २२ २३

ब्रह्म कवि ३३

ब्रह्मराज ८४

ब्रह्मसंह १४ ४२ ६६ ७४

ब्रह्मचर ३२

ब्रह्मराज ७

ब्रह्म कवि १४

ब्रह्मचर ३१

ब्रह्मसागर ८०

ब्रह्म बर्नाबी ३७ ६६

ब्रह्मसागर ८१

ब्रह्मसूत्र ३४

ब्रह्मसूत्र ४२

ब्राह्मचर १३ ३६ ६५

बुधकीर्ति ४ ३३, ६१

बुधपति ३३

बुधराज ४६ ३५, ७०

बुधसागर १ २, १०१

बुध कवि ६३

ब

बहुचर १ १

बहु पुतास ६८

बहु जिनदास ४ १०६

बहुसूत्र ७२

बकतो ३६

बनघाटीदास १ २

बनारसी ८

बनारसीदास ६७

बाह्यचर ३८

बिहू ३३

बीकाजी ६४

म

मस्तिनाभ २५ १००

मयनाथ ६४

मगोठोदास ३३

महसेन २५

महानीदास ७३ ७७

महानीनाथ २

महेश मुनि ४६

महापतिह २३

महानुकीर्ति ७२

महामेघ ८७

मह कविपत्र ३

महप्रभ १० १०१

महाराज ४१

महाविजय २

मीम ६६

मुजलकीर्ति १ २

भोज १३

म

महनीराम ८४ ६६

मतिमुद्रा २६, ३० ८२

मतिचर १६

मतिसेन १३, ४१

मतिसागर १०४ १०७

मतिसार ८६, ९०

मतिमुद्रा ६७

मनराज २६

मनसू ४६

मन्यकीर्ति ३०

मसूदास ३३ ३६

महिषीचर १६, १० ३३ ८७

महिराज ५ ६

महेश १०३

स

सकलकीर्ति २० ४६, ६२  
 सकलचंद्र ७६ ८३ १ ३  
 सलीबास ४  
 समथर कवि ४०  
 समथरय २२  
 समथरमुखर ८ ६, १२ १६ २३ २३  
 ६ ३ ३७ ३६, ४० ४२ ४४  
 ५ ५१ ६३ ६६ ६६ ६६ ६६  
 ६६ ७६ ८८ ९१ ९२, ९८ ९९  
 १० १४ १७

समुद्रमणि ६  
 सर्वात्म्यसूक्ति ६१  
 सख्याराम ३६  
 सहजमुखर २१ ५ ७१ ७२ ६४ ६७  
 सहजानन्द ७६  
 साईबास ४४  
 सापरचन्द्र ३० ६८  
 सापुकीर्ति ६३ ६४  
 साधुराम ३  
 सामन्त ३१  
 सामन्तवन्त ४४ ६६ ८०  
 सामन्त मठ ४ १८  
 सारंग ६४  
 सिद्धसेन १३  
 सिद्धिबिन्दु ६४  
 सिद्धदान ८३  
 सिंहकुशल ४७  
 सोठाराम ३६  
 सुजसविन्दु ८७  
 सुधरमुखर ६५  
 सुधीर ३  
 सुमतिकीर्ति ७८  
 सुमतिप्रभ ३  
 सुपेन ७६  
 सुरचंद्र २५  
 सुरज ४३

सुरबीभाहू ८  
 सुरबिन्दु ७१  
 सुरसागर ३३  
 सैबक २ १२ १३ ७१ ८१ १०१  
 सोम ३४  
 सोमबिन्दु ३४  
 सोमबिन्दु मध  
 सोममुखर ३२  
 सोमसूक्ति ६  
 सोमात्म्यसूक्ति ३५  
 संबोधमुखर ६६

ह

हरबी कीर्ती ३७  
 हरदास ३३ ५६  
 हरकण ३१  
 हर्षकीर्ति ४७ १ १  
 हर्षकुल ७६  
 हर्षकुल ३६  
 हर्षचंद्र ३३  
 हर्षचंद्र ८६  
 हर्षनिधान ७१  
 हर्षमुखि ३३  
 हर्षसूक्ति २६  
 हर्षसापर ५  
 हरिबास १३  
 हीरकमण १  
 २ २२  
 ३३ १८  
 ४८ ३२  
 ७८ ७६,  
 ६६ १  
 हीरकुल १८  
 हीरकत १  
 हीराकर १६  
 हेम ८६ ६५,  
 हेमचंद्र ८७  
 हेमरतन २३ १  
 हेमाचन्द्र ८४

हेमचंद्र ६०

हंस कवि २७

घा

सनातन्यास ३७ ५१ ८४

सनातनप्रवेश ४३

सोमेश्वर १०

झ

शानकवि ४

शानचंद्र ५० ६७

शानक ७०

शानमेव २२

शानविमल ८, १५, २२ ६२

शानशील १०१

शानसागर ६, १० ११, २६ ४५

५८ ८७ ८८, ८९, ९१



राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित  
महर्षवपूरा रामस्थानी ग्रन्थ

- १ काकूद्वे प्रबन्ध महाकवि पद्यनाथ रचित । सम्पादक— प्रो के वी व्यास एम ए ।  
मूल्य १२ २५
- २ वामनाथ राता कविवर आन रचित । सम्पादक— डॉ वसन्त घमाँ श्रीर वी वसन्तवन्द्य,  
जैवरत्नाम काठडा ।  
मूल्य ४ ७५
- ३ सावाराता चारण कविना वीरामनाथ विरचित । सम्पादक— श्री महाशयवन्द्य चारुङ्ग ।  
मूल्य ३ ७५
- ४ बीबीदास रो श्याम कविवर बीबीदास । सम्पादक— श्री नरोत्तमदास स्वामी एम ए ।  
मूल्य ३ ५०
- ५ राजस्थानी साहित्यसंग्रह भाग १ सम्पादक— श्री नरोत्तम स्वामी एम ए । मूल्य २ २५
- ६ मुनलविनायक महाराजा वृष्णीसिंह कृत । सम्पादिका— धीमती उमी लक्ष्मीकृष्णारी चूडावत ।  
मूल्य १ ७५
- ७ लक्ष्मणदास, बहादावती चारण कृत । सम्पादक— जयराज जगन्मल ।  
मूल्य १ ७५
- ८ राजस्थान पुरातत्त्व मन्त्रालयके हस्तलिखित ग्रन्थोंकी सूची भाग १ ।  
मूल्य ७ ५०
- ९ मुहता मन्सोरी श्याम भाग १ मुहता मैसुमी कृत । सम्पादक— श्री बबटोप्रसाद शाकरिया ।  
मूल्य ५ ५०
- १० रघुवन्द्यप्रकाश किमनामी घाड़ा कृत । सम्पादक— श्री बीटाराम लाल्यम ।  
मूल्य ८ २५
- ११ राजस्थानी हस्तलिखित ग्रन्थ सूची भाग १ ।  
मूल्य ४ ५

